@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 3 सितंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 298 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हिंदुओं-अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बेहद संवेदनशील मुद्दाः आरएसएस

नई दिल्ली, 2 सितंबर। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के साथ हुए अत्याचार को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चिंता जताई है। केरल में हुए आरएसएस के तीन दिवसीय समन्वय सम्मेलन के दौरान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से बात करनी चाहिए। यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है। उन्होंने कहा कि समन्वय बैठक के दौरान विभिन्न संगठनों ने बांग्लादेश की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। आंबेकर ने कहा कि हर कोई बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के बारे में चिंतित है। हमने केंद्र सरकार से बांग्लादेश सरकार के साथ मिलकर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए पहल करने का आग्रह किया है। जातिगत जनगणना को लेकर सुनील आंबेकर ने कहा कि हमारे देश और समाज में जाति और जातिगत संबंध संवेदनशील मुद्दा है। यह राष्ट्र की अखंडता और एकता के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे गंभीरता से निपटाया जाना चाहिए और इस पर चुनाव और राजनीति नहीं होनी चाहिए। पिछड़े हुए और विशेष ध्यान देने की जरूरत वाले समुदाय और जाति के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की जरूरत होती है तो सरकार को संख्या की आवश्यकता होती है। सरकार जातिगत जनगणना से आंकड़े ले सकती है। आंबेकर ने कहा कि पहले भी सरकार ने ऐसा किया है। इसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन संख्याओं का उपयोग केवल जातियों और समुदायों के कल्याण के लिए ही किया जाना चाहिए। इसे चुनाव के लिए राजनीतिक उपकरण न बनाया जाए। इसके लिए हमने चेतावनी रेखा भी जारी की है। तमिलनाडु में धर्मांतरण को लेकर अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि समन्वय सम्मेलन में यह मुद्दा भी सामने आया है। कई संगठनों और रिपोर्ट में मिशनरियों पर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया गया है। इसे गंभीरता से लिया जाएगा। इसके लिए जमीनी स्तर से जानकारी जुटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है। इसे रोकने के लिए पहल करेंगे।

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष गिरफ्तार

सिम्मी कौर बब्बर

कोलकाता, 2 सितंबर। आखिरकार आरजी कर मेडिकल कॉलेज का पूर्व प्राचार्य को सीबीआई ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। 16 अगस्त से लगातार 15 दिनों तक संदीप को सीबीआई द्वारा पूछताछ का सामना करना पड़ा। पिछले शनिवार और रविवार को उनकी पूछताछ नहीं की गई थी, लेकिन सोमवार को उन्हें फिर से सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया गया। शाम को सीबीआई के अधिकारी संदीप को वहां से निकालकर निजाम पैलेस ले गए। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने सूचित किया कि संदीप को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई ने संदीप घोष के साथ दो विक्रेताओं बिप्लव सिंघा और सुमन हजारा और संदीप घोष के अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी अफसर अली को गिरफ्तार किया है। नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से तत्कालीन प्राचार्य संदीप की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। जांच का जिम्मा मिलने के बाद 15 अगस्त को सीबीआई ने उन्हें पहली बार तलब किया। उस दिन संदीप ने हाजिरी नहीं हुए। लेकिन अगले दिन सीबीआई ने उन्हें साल्ट लेक की सड़क से पकड़ लिया। संदीप को सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सीबीआई दफ्तर ले गए। इसके बाद से 24 अगस्त तक लगातार 9 दिनों तक उन्हें सीजीओ में तलब किया गया। उन्हें रोजाना 10 से 14 घंटे तक सीबीआई दफ्तर में रहना पड़ा। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त की सुबह सीबीआई की एक टीम ने संदीप के बेलघाटा स्थित घर पर छापा मारा। उन्हें 75 मिनट तक घर के बाहर इंतजार करवा कर बाद में दरवाजा खोला। सीबीआई अधिकारी अंदर गए और उस

दिन संदीप से पूछताछ की। कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई महिला डॉक्टर की बलात्कार और हत्या की घटना की जांच कर रही है। इसके अलावा, अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच भी सीबीआई द्वारा की जा रही है। दोनों मामलों में संदीप को केंद्रीय एजेंसी की जांच के दायरे में रखा गया है। वित्तीय अनियमितताओं के मामले में 24 अगस्त को सीबीआई ने एफआईआर भी दर्ज की है। सूत्रों के अनुसार, इसी एफआईआर के आधार पर सीबीआई की टीम संदीप के घर पहुंची थी। इसके साथ ही अदालत की अनुमति से संदीप समेत कुल सात लोगों का पॉलीग्राफ परीक्षण भी किया गया। बता दें कि जूनियर डॉक्टर की मौत के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज में शुरू हुए आंदोलन में आवासीय डॉक्टरों और छात्रों की मुख्य मांग संदीप की बर्खास्तगी या इस्तीफा थी। आंदोलन के दबाव में 12 अगस्त को संदीप ने इस्तीफा दे दिया और स्वास्थ्य विभाग में अपना इस्तीफा जमा कर दिया। लेकिन कुछ घंटों के भीतर ही राज्य सरकार ने संदीप को कोलकाता के एक अन्य सरकारी अस्पताल में प्राचार्य पद पर नियुक्त कर दिया। वहां भी उनकी बर्खास्तगी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू हो गया। इस बीच, कोलकाता हाई कोर्ट ने संदीप को छुट्टी पर जाने का आदेश दिया। तब से संदीप छुट्टी पर थे। बाद में आंदोलन के दबाव में उन्हें उस पद से भी हटा दिया गया। सोमवार रात संदीप की गिरफ्तारी की खबर ने जूनियर डॉक्टर का आंदोलन स्थल पर खुशी की लहर दौड़ा दी है। धरने में बैठे कुछ ने कहा, 卐संदीप की गिरफ्तारी आंदोलन की नैतिक जीत है। हालांकि, जूनियर डॉक्टर अब भी आंदोलन को समाप्त करने का इरादा नहीं रखते। एक आंदोलनकारी डॉक्टर ने कहा, सभी आंदोलनकारी छात्रों को सलाम। लेकिन संदीप की गिरफ्तारी के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा। जूनियर डॉक्टर अभी भी सीपी के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना जारी रखे हुए हैं।

पीएम मोदी ने किया भाजपा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 2 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में साथ ही हरदीप सिंह पुरी, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री, नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। इस मौके पर नड्डा ने कहा, आपका जोश का देखकर, भारत की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति प्यार और भाजपा के प्रति आस्था को देखकर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस बार का सदस्यता अभियान भी 10 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा। भाजपा प्रमुख ने कहा, हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानसेवक होने के नाते 140 करोड़ देशवासियों का नेतृत्व करने के लिए प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। लेकिन उसके बावजूद भी हम सबके लिए वो

आदर्श हैं। उन्होंने हमेशा इस बात को अपने आप में जिया है कि संगठन सर्वोपरि है और संगठन पहले है। संगठन को जब भी आवश्यकता पड़ी है, व्यस्त समय में भी वो पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा, जब अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तो उस समय उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने कहा था कि हम संगठन के रास्ते बदलेंगे, संगठन के तरीके बदलेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जो कमल के निशान के साथ चलना चाहते हैं, उनका हम पार्टी में समावेश कर सकें। वहीं, इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, हमारी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है। आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान को नहीं करता है। ऐसा केवल और केवल भाजपा ही करती है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में कार्यकर्ता महज सदस्यता का एक अंक नहीं, बल्कि हमारे यहां कार्यकर्ता एक जीवंत इकाई, विचारधारा का वाहक, कार्य-संस्कृति का पोषक है। वह हमारी सरकार और संगठन के बीच कड़ी का काम करते हैं, जो सरकार को हमेशा जनता के साथ जोड़कर रखते हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस सच्चाई को आज कोई नकार नहीं सकता कि नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण भारत की राजनीति और भारत के नेताओं पर से जनता का भरोसा कम हुआ है। भारत की राजनीति में इससे पहले नेताओं की कथनी और करनी में जो विश्वास का संकट पैदा हुआ था, उस विश्वसनीयता के संकट को किसी ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया है, तो वो हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

खरगे परिवार के ट्रस्ट को जमीन आवंटन पर राज्यपाल ने सरकार से मांगा जवाब

बंगलूरू, 2 सितंबर। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भाजपा की शिकायत पर कांग्रेस सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि प्रियांक खरगे के परिवार द्वारा चलाए जा रहे ट्रस्ट को जमीन आवंटित की गई। विपक्षी पार्टी ने राज्यपाल से मांग की है कि प्रियांक को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। वहीं, इस मामले को लेकर प्रियांक खरगे ने कहा कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ शिकायतों पर बहुत जल्दी कार्रवाई करते हैं। लेकिन भाजपा और जद (एस) के खिलाफ शिकायतों पर धीमी प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा को बचाना होता है तो राज्यपाल का कार्यालय सक्रिय हो जाता है। भाजपा-जद (एस) के खिलाफ दस्तावेज उनकी टेबल पर सड़ने के बावजूद उन्होंने कार्रवाई नहीं की है। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने भाजपा और जद (एस) नेताओं के खिलाफ की गई शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उनका कहना है कि जब ऐसी शिकायतें राज्यपाल के पास भेजी जाती हैं, तो राज्य उन्हें वापस भेज देते हैं या कहते हैं कि वे उनके पास नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई शिकायत राज्यपाल के कार्यालय में जाती है, तो वह तब तक नहीं निपटाई जाती जब तक राज्यपाल खुल उसे नहीं निपटाते हैं। राज्यपाल ने शिकायतों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। लेकिन कई फाइल अभी भी लंबित हैं। प्रियांक खरगे कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार में ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री हैं।

सरकार किसान की 100 फीसदी फसल एमएसपी पर खरीदती हैः सीएम सैनी

सौरभ शर्मा

गुरुग्राम, 2 सितंबर। अमर उजाला संवाद के मंच पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी का अमर उजाला के डायरेक्टर वरुण माहेश्वरी ने स्वागत किया। विकास की बात सत्र में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सबसे पहले तो मैं अमर उजाला का धन्यवाद करता हूं, चुनाव भी चल रहा है और इस दौरान बहुत सारे सवाल होते हैं। लोग यह देखते हैं कि इनके कार्यकाल में क्या हुआ है और इसके पहले जो कार्यकाल चला है उसमें क्या हुआ है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पिछला अगर हम अपना दस साल कार्यकाल देखे तो हरियाणा प्रदेश के समस्याओं के साथ साथ इसे आगे गति से आगे बढ़ाने का भी प्रयास किया गया है। आज मुझे आपके इस चैनल के माध्यम से बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि हमारा प्रमुख उद्देश्य जीवन के लोगों को सरल करना है। सैनी ने कहा कि बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाएं अगर लोगों को आसानी से मिलेंगी तो वह निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे। इससे पहले जिन मूलभूत आवश्यकताओं का आभाव था, हमने उसे बहुत तेज गति से पूरा किया है। अगर अच्छा काम सरकार करती है तो विपक्ष को भी उसकी सराहना करनी चाहिय। अगर अच्छे काम की विपक्ष बुराई करता है तो वह ठीक नहीं है। अगर कोई योजना आती है और

सुधार होता है तो उसका लाभ आम जन को होता है। प्रधानमंत्री किसान योजना जब लागू कि तो एक अभिनेत्री ने कहा था कि सरकार ने ये नया लूटने का धंधा बना लिया है। अब दस साल हो गए देखिए यह किस प्रकार से किसानों को लाभ पहुंचा रही है। अगर कोई किसान मुसीबत में है तो सरकार उसके साथ खड़ी है। बिना कुछ सोचे समझे आरोप लगाना गलत है। अगर योजना में कोई बुराई है तो आप उसका आप जरूर विरोध कीजिए, हमें कमियां बताइए हम उन्हें भी दूर करेंगे। सैनी ने कहा कि अगर कोई किसान पीछे रह गया है तो उसको आगे करने की जिम्मेदारी सरकार की बनती है। हमने ऐसा किया है और हम इसके आंकड़े भी प्रस्तुत कर सकते हैं। अगर जमीन पर विकास होगा तो दुनिया की कोई ताकत हमें आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती है। हमारी नीति और नियत साफ होना बहुत जरूरी है। अब झूठ का सहारा लेकर आप अफवाहें फैलाएंगे तो उससे क्या ही होगा। अब संविधान को खतरे का झूठ फैलाया गया, जबकि केंद्र सरकार और हमारी डबल इंजन की सरकार ने हमेशा संविधान की रक्षा की है। आज विकास हो रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का काम हमारी सरकार कर रही है। हमारी बच्चियां पहले दसवीं और बारहवीं तक पढ़कर रह जाती थीं। आज हमारी सरकार ने ही प्रयास किए हैं कि हर 20 किलोमीटर के अंदर एक कॉलेज हो।

अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह 100 फीसदी पीएम बनने के हकदारः सिंघवी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 2 सितंबर। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह बेहद गंभीरता के साथ कई मुद्दों पर काम कर रहे और समर्पण दिखा रहे हैं। कांग्रेस की सरकार बनने पर राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के लिए शत प्रतिशत हकदार होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी संभालेंगे और क्या वह उन्हें भविष्य के प्रधानमंत्री के रूप में देखते हैं, चार बार के सांसद ने कहा, मुझे भूल जाइए, भाजपा के मित्रों से पूछिए। आप सब ट्रोलिंग देखते थे, इसमें प्रशंसा क्यों है, जबकि यह अनिच्छा से की गई प्रशंसा है, क्योंकि आपको एहसास होता है कि (वे) एक ईमानदार व्यक्ति का मजाक उड़ा रहे थे, एक ऐसे व्यक्ति का मजाक उड़ा रहे थे जो सीधा, स्पष्टवादी और वैचारिक है, न कि अतिशयोक्तिपूर्ण, बयानबाजी वाला, राजनीतिक, बड़े-बड़े शब्द बोलने वाला। ईमानदारी सामने आ रही है और लोग इसे महसूस कर रहे हैं। सिंघवी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की संजीदगी से सभी लोग परिचित हो गए हैं। लोगों को यह विश्वास हो

गया है कि उनकी करनी और कथनी में फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा देश के प्रधानमंत्री के बारे में बात करेंगे तो उलट बात होगी। जो लोग राहुल गांधी का मजाक बनाते थे, वो आज सहमे हुए हैं। राहुल गांधी दोहरी बात नहीं करते, वह मुद्दों पर बात करते हैं। वह संजीदा हैं। इसलिए मुझे लगता है कि पूरी अवधारणा और समीकरण बदल रहे हैं। राहुल गांधी की प्रतिष्ठा और गंभीरता पर सिंघवी ने कहा कि यह सब उनका कमाया हुआ है और अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो क्या कोई उन्हें अनदेखा कर सकता है? यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी भविष्य के प्रधानमंत्री हैं तो उन्होंने कहा, कांग्रेस जब भी सत्ता में आती है तो सौ फीसदी। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो उन्होंने यह अधिकार अर्जित कर लिया है, वह प्रधानमंत्री पद के लिए सही दावा कर सकते हैं। लोकसभा में 10 साल के अंतराल के बाद यह पहली बार है जब एक नेता प्रतिपक्ष है। इसकी वजह यह है कि सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के पास 16वीं और 17वीं लोकसभा में इस पद के लिए दावा करने को लेकर आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। राहुल इस बार लोकसभा में उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली, 2 सितंबर। पश्चिम बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने सायन लाहिड़ी को बड़ी राहत देते हुए पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका को खारिज कर दिया और जमानत रद्द करने से साफ इनकार कर दिया। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इस महीने की शुरुआत में एक प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म व उसकी हत्या की घटना के विरोध में यह रैली आयोजित की गई थी। कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में देशभर में नाराजगी है। वहीं राज्य में तनाव भरे हालात बने हुए हैं। दरअसल, हाईकोर्ट ने 27 अगस्त को निकाले गए राज्य सचिवालय मार्च के आयोजकों में से एक शख्स को जमानत दे दी थी। इसी आदेश के खिलाफ बंगाल सरकार ने शीर्ष अदालत का रुख किया था प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा याचिका की सुनवाई हुई। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल छात्र समाज के नेता सायन लाहिड़ी को जमानत दी थी। यह संगठन, एक अपंजीकृत छात्र समूह है। यह उन दो संगठनों में एक है जिसने 27 अगस्त के 'नबन्ना' (राज्य सचिवालय) अभियान का आह्वान किया था। लाहिड़ी को 27 अगस्त की शाम रैली का नेतृत्व करने में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा था कि रैली हिंसक हो गई, जिससे सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा तथा सुरक्षाकर्मियों पर हमले हुए। सायन की मां अंजलि की याचिका पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उसे शनिवार अपराह्न दो बजे तक पुलिस हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया था।

कुर्सी तो आती-जाती रहती है, पब्लिक आपकी ताकत होती हैः सचिन पायलट

नरेश मल्होत्रा

गुरुग्राम, 2 सितंबर। पायलट ने कहा कि मैं आशावान हूं कि हरियाणा में ऐतिहासिक बहुमत हमें मिलेगा। जम्मू-कश्मीर में हमारा गठबंधन मजबूत है। वहां दस साल बाद चुनाव हो रहे हैं। मुझे विश्वास है कि मतगणना होगी तो हम ही जीतेंगे? सचिन पायलट ने कहा कि हमारे देश के किसी भी नागरिक के साथ अगर गलत होता है तो हम उसके खिलाफ सख्ती के साथ खडे हैं। मंदिर का निर्माण हुआ, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद। शांतिपूर्वक मंदिर निर्माण हुआ। हम खुश हैं। बिजली, सड़क, शिक्षा जैसे मुद्दों को पीछे छोड़कर कोई अपने मैनेफेस्टो में सिर्फ मंदिर की बात करें तो यह गलत है। मैं उसके खिलाफ हूं। पायलट ने कहा कि जब पहले चुनाव जीतते थे तो श्रेय मोदी जी को जाता था। अब हारेंगे तब किसे श्रेय जाएगा? पहले हम हार जाते थे तब राहुल गांधी को हार का श्रेय देते थे। अब हरियाणा, महाराष्ट्र में हम जीतेंगे तो आप उसका श्रेय किसे देंगे। निश्चित तौर पर आप हार का जिम्मा देते हो तो जीत का श्रेय देना होगा। पायलट ने कहा कि पब्लिक के वोट को कभी भी नहीं समझना चाहिए कि वह मेरी जेब में है। जो मैं माहौल देख रहा हूं, ग्रामीण क्षेत्रों का फीडबैक, उस आधार पर कह सकता हूं। राजस्थान और हरियाणा का संबंध रोटी-बेटी का है। पायलट ने कहा कि 2000 में मेरे पिता का निधन हुआ। मैं 2004 में राजनीति में आया। मैंने पहले नौकरी की। विलायत में पढ़ाई की। चार साल बाद मैंने तय किया कि मैं योगदान दे सकता हूं। मैं 22 साल में पार्टी में आ गया है। जो भी करता लेकिन पत्रकार तो मैं नहीं बनता। सचिन पायलट ने कहा कि यकीनन। जो मुख्यमंत्री बने हैं, उन्हें लोगों ने घेर रखा है। वह कुछ कर ही नहीं पा रहे हैं। 2028 में राजस्थान के साथ ही मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में कांग्रेस प्रचंड बहुमत से जीतकर आएगी। सचिन पायलट ने कहा कि हम नहीं कह सकते। आपने बिहार और आंध्र प्रदेश के लोगों को झूठे वादे कर अपनी ओर खींचा है। मैं नहीं कहूंगा कि सरकार रहेगी या नहीं। अंतर्विरोध जो पार्टी के नेताओं में चल रहा है, वह सामने आएगा। यूपी में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में सुगबुगाहट है। नड्डा जी की जगह कोई अध्यक्ष ही नहीं मिल रहा है। पायलट ने कहा कि आप निराशावादी बात न करें। 2014

और 2019 के हालात सरहद पर थे, उन पर चुनाव हुए थे। लोग समझ गए कि भाषण ही भाषण है। कुछ होने वाला नहीं है। हर सीट पर मार्जिन घटा है। वोट प्रतिशत बढा है। उत्तर प्रदेश में सात सांसद जीतकर आए हैं। उत्तर भारत में हम मजबूत बन रहे हैं। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस सरकार बनाने वाली है। 2024 के चुनावों के बाद लोगों की मानसिकता बदली है। जब से राहुल नेता प्रतिपक्ष बने हैं, उससे सरकार भी हिली हुई है। चेहरे की रौनक अब उतर गई है। यह सशक्त विपक्ष है, उन्हें जवाब देना होगा। तीन-चार विधेयक वापस लेने पड़े। देश ने चुनकर भेजा है। जिन राज्यों में हम कमजोर हैं, वहां ताकतवर बनकर उभरेंगे। सचिन पायलट ने कहा कि राजनीति में रुठना इश्यू बेस्ड होता है। मैं व्यक्ति विशेष से रुठा था। मेरे नेता ने मेरी बात मानी। इस बार हम 72 जीतकर आए हैं। हमारे कहने पर काम हुआ और पार्टी को लाभ मिला। पेपर लीक, कार्यकर्ताओं को सम्मान न देने की बात करता हूं तो पार्टी को लाभ मिलता है। अन्य लोगों की बात करें तो कोई शुरुआत कहीं करता है और कहीं अंत करता है। मैंने शुरू भी पार्टी में किया है। अंत भी यहीं पर करूंगा। मैं 46 साल का हूं। बहुत कुछ मिला है। पद-पोस्ट वाले बहुत लोग हैं। 70-72 मंत्री हैं, लेकिन आप 25 का नाम बता दीजिए। जो लोग मेहनत करते हैं और मन जीतने का काम करते हैं, उन्हें लोग याद रखते हैं। पब्लिक ताकत होती है। कुर्सी-पद तो आते चले जाते हैं।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 2 सितंबर। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को

गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है। इसके जवाब में पीठ ने कहा, लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा।

रूस ने यूक्रेन पर नया हवाई हमला किया

एजेंसी

कीव। रूस ने इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइल, चार एस-300 गाइडेड मिसाइलों और 52 लड़ाकू ड्रोनों का उपयोग करके रात भर यूक्रेन पर एक और बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेनी वायु सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, हवाई हमले में कोई हताहत नहीं हुआ और वायु रक्षा बलों ने 24 शहीद-131 और शहीद-136 ड्रोन को मार गिराया। वायु रक्षा कीव क्षेत्र सहित मध्य, दक्षिणी और उत्तरी यूक्रेन के आठ क्षेत्रों में सक्रिय है। कीव सिटी सैन्य प्रशासन ने कहा कि यह हमला इस सप्ताह राजधानी पर चौथा हमला है।

गाजा वार्ता पक्ष सैद्धांतिक रूप से सहमत : बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि गाजा युद्धविराम वार्ता में भाग लेने वाले मौलिक समझौते पर पहुंच गए हैं।श्री बाइडेन ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमें लगता है कि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन सभी ने कहा है कि वे सिद्धांतों पर सहमत हैं।'उन्होंने कहा कि वह वार्ता के इस चरण में प्रगति के बारे में आशावान हैं। श्री बाइडेन के मुताबिक, पार्टियां एक समझौते पर पहुंचने की कगार पर हैं ।उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि यह युद्ध समाप्त हो जाए।

फिलीपींस में तीन नए एमपॉक्स मामल

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) के तीन अतिरिक्त मामले सामने आए हैं, जिससे देश में सक्रिय एमपॉक्स मामलों की कुल संख्या आठ हो गई है। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने रविवार को दी। फिलीपीन के स्वास्थ्य सचिव तियोदोरो हर्बोसा ने कहा कि तीन नए मामलों में मेट्रो मनीला के 29 और 34 वर्ष के पुरुष और दक्षिण मनीला के एक क्षेत्र का 29 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। डीओएच द्वारा पहले रिपोर्ट किए गए पांच एमपीओएक्स रोगियों की तरह, हर्बोसा ने कहा कि नए रोगियों में हल्का एमपीएक्सवी क्लैड II था। एमपॉक्स मामलों की नई पहचान के साथ, डीओएच के प्रवक्ता सहायक सचिव अल्बर्ट डोमिंगो ने कहा कि फिलीपींस में जुलाई 2022 से अब तक 17 मामले हो गए हैं। डोमिंगो ने कहा, 2023 से अब तक नौ मामले ठीक हो चुके हैं। आठ सक्रिय मामले हैं जो लक्षणों के ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं। डोमिंगो ने कहा कि डीओएच उन लोगों का पता लगाना जारी रखेगा जिनका सक्रिय रोगियों के साथ निकट संपर्क है।

चीन ने ताइवान को घेरा, लड़ाकू विमान घुसे

एजेंसी

ताइपे। चीन पिछले 24 घंटे से ताइवान के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने आज एक्स हैंडल पोस्ट में कहा है कि चीन की सेना के लड़ाकू विमान और युद्धक जहाज उसकी सीमा के आसपास मंडरा रहे हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में साफ किया है कि चाइनीज सेना के 18 लड़ाकू विमान, आठ युद्धक जहाज और दो अन्य जहाज ताइवान की सीमा के पास रविवार सुबह छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक डटे रहे। इनमें से 15 विमानों ने तो ताइवान की सीमा को भी पार कर देश की वायु सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चाइनीज घुसपैठ के जवाब में लड़ाकू विमानों और युद्धक जहाजों को तटीय सीमा पर तैनात किया गया है। साथ ही मिसाइल सिस्टम की भी तैनात किया गया है। हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

यूक्रेन में एफ-16 दुर्घटना दोस्ताना गोलीबारी के कारण नहीं : अमेरिकी सैन्य अधिकारी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का मानना है कि यूक्रेन को दिये गये एफ-16 लड़ाकू विमान हादसा शायद कीव सशस्त्र बलों द्वारा अपने ही विमान पर मित्र देश की गोलाबारी से जुड़ी नहीं है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि 29 अगस्त को, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने यूक्रेन को हस्तांतरित एफ-16 लड़ाकू विमान के दुर्घटना को स्वीकार किया; एक विशेष आयोग दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पहले कहा था कि पायलट की गलती के कारण एफ-16 दुर्घटनाग्रस्त हुआ। यूक्रेनी सांसद मरियाना बेजुहला ने कहा कि इकाइयों के बीच समन्वय में विफलता के कारण एफ-16 को यूक्रेनी सशस्त्र बलों की पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली द्वारा मार गिराया गया। अखबार के अनुसार, दो उच्च पदस्थ अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने कहा कि एफ-16 दुर्घटना का कारण

शायद दोस्ताना गोलीबारी नहीं थी। उसने हालांकि यह निर्दिष्ट नहीं किया कि यह कथन किस पर आधारित था। अमेरिकी सेना ने अखबार से कहा कि अमेरिकी और यूक्रेनी जांचकर्ता कीव द्वारा एफ-16 के नुकसान के कई अलग-अलग संभावित कारणों पर विचार कर रहे हैं। यूक्रेनी सेना के एक अनाम य पायलट ने यूक्रेनी वायु सेना में समस्याओं के बारे में अखबार से शिकायत की और स्थापित नौकरशाही और संरचना की अप्रचलनता पर ध्यानाकर्षित किया।

यूक्रेनी पायलट ओलेक्सी मेस की 26 अगस्त को एक लड़ाकू मिशन का प्रदर्शन करते समय मृत्यु हो गई। उसी समय, रूसी समर्थक सर्गेई लेबेदेव ने 27 अगस्त को कहा कि खमेलनित्सकी क्षेत्र के स्टारोकोस्टियनटिनिव में एक सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमले ने एक सुविधा को क्षतिग्रस्त कर दिया जहां यूक्रेनी पायलटों को विदेशी प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा था। तीस अगस्त को, यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने वायु सेना के कमांडर-इन-चीफ, मायकोला ओलेशचुक को बर्खास्त कर दिया। यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने 31 अगस्त को बर्खास्तगी को एक रोटेशन कहा। उन्होंने कहा कि यह कदम एफ-16 लड़ाकू विमान की दुर्घटना से जुड़ा नहीं है।

रूस में एमआई-8 हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद 17 शव बरामद

एजेंसी

मॉस्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में रूसी एमआई-8 हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने बाद रविवार को मौके से 17 शव बरामद हुये। रूसी आपात्कालीन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, अभी तक 17 शव मिल चुके हैं। तलाश जारी है। गौरतलब है कि शनिवार को पहाड़ी इलाके में हेलीकॉप्टर रडार से गायब हो गया।

विमान में 19 यात्री और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। आपात स्थिति मंत्रालय ने कहा कि नौ खोज और बचाव टीमों को दुर्घटनास्थल पर हवाई मार्ग से भेजा गया है।

राफा में बंधकों के मृत पाए जाने पर गुटेरेस ने गाजा युद्ध समाप्त करने का किया आह्वान

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रविवार को गाजा पट्टी में संघर्ष को समाप्त करने और राफा शहर के नीचे सुरंगों में छह बंधकों के शव पाए जाने के बाद हमास की कैद में बचे लोगों को रिहा करने का आह्वान किया। श्री गुटेरेस ने एक्स पर लिखा,आज की दुखद खबर सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई और गाजा में युद्ध के दुःस्वप्न की समाप्ति को अनिवार्य बनाती है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने गाजा में हाल के दुखद घटना के बारे में शोक व्यक्त किया है और सभी बंदियों की बिना शर्त रिहाई तथा गाजा में युद्ध के दौर के अंत की मांग की है। गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में छह बंदियों के शव मिलने के बाद, जिनमें एक रूसी नागरिक अलेक्जेंडर लोबानोव और

एक अमेरिकी नागरिक हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन शामिल हैं। श्री गुटेरेस ने इस युद्ध के अंत की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने नागरिकों पर युद्ध के विनाशकारी प्रभाव को रेखांकित किया है और दोनों पक्षों से राजनीतिक साहस दिखाने और मानवीय युद्धविराम की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर, 2023 को, गाजा पट्टी से इज़राइल पर एक अभूतपूर्व रॉकेट हमला किया गया, उसके बाद एक घुसपैठ हुई। हमास लड़ाकों ने सैन्य और नागरिक लक्ष्यों पर गोलीबारी की और 250 से अधिक बंधकों को पकड़ लिया। इज़राइल का अनुमान है कि 1,200 लोग मारे गए थे। इस हमले के दौरान, हमास ने इज़राइल के खिलाफ कई रॉकेट दागे, जिसमें कई नागरिक और सैन्य लक्ष्य शामिल थे। इसके अलावा, हमास ने इज़राइल की सीमा में घुसपैठ की और कई बंधकों को पकड़ लिया। इज़राइल ने इस हमले को एक गंभीर खतरा माना और इसके जवाब में सैन्य कार्रवाई की।

इराक में आईएस की बमबारी में दो लोगों की मौत, एक घायल

एजेंसी

बगदाद। बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह की बमबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। यह जानकारी एक प्रांतीय पुलिस अधिकारी ने दी। यह विस्फोट सलाहुद्दीन प्रांत की एक रेगिस्तानी सड़क पर यात्रा कर रही एक नागरिक कार के पास हुआ। सलाहुद्दीन पुलिस कमांड मीडिया कार्यालय के मोहम्मद अल-बाज़ी के अनुसार, विस्फोट में कार नष्ट हो गई तथा इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया।उल्लेखनीय है कि 2017 में आईएस की हार के बाद से सुरक्षा में सुधार के बावजूद, समूह के बचे हुए सदस्य इराक में गुरिल्ला हमला करते रहते हैं। वे शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुसपैठ करते हैं और सुरक्षा बलों तथा नागरिकों दोनों को निशाना बनाते हैं।

इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में 2 फिलिस्तीनियों की हत्या की

एजेंसी

रामल्लाह। इजरायली सेना ने उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन में दो फिलिस्तीनियों की हत्या की, जबकि शहर में इजरायल का सैन्य अभियान चौथे दिन में प्रवेश कर गया। यह जानकारी फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने पीड़ितों की पहचान अमजद मुस्तफा इब्राहिम सालेह और मुहम्मद अमीन तलाल अब्दुल्ला के रूप में की है, लेकिन अधिक जानकारी नहीं दी।

फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने कहा कि जेनिन शरणार्थी शिविर में पहुंचने के बाद इजरायली बलों ने उसके कर्मचारियों को शवों को ले जाने से रोक दिया। सोसायटी ने यह भी कहा कि उसकी टीमें बिजली गुल होने के कारण आपातकालीन मामलों को जेनिन सरकारी अस्पताल से अल-रज़ी अस्पताल ले जा रही हैं। फिलिस्तीनी सरकार ने जेनिन में कुछ अस्पताल विभागों में संभावित शटडाउन की चेतावनी दी है और डायलिसिस रोगियों के लिए चिंता व्यक्त की है। इसने यह भी कहा कि यह अपराधों

के लिए इजरायल को जवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रहा है और इजरायली सेना द्वारा किए गए नुकसान को ठीक करने के लिए काम कर रहा है।

फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों और रेड क्रॉस से अस्पताल की नाकाबंदी को हटाने और एम्बुलेंस और चिकित्सा टीमों के लिए व्यवधान को दूर करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया है।

बुधवार से, इज़राइल ने उत्तरी वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है, जिसमें कहा गया है कि ऑपरेशन का उद्देश्य इजरायल के खिलाफ भविष्य के हमलों को रोकना है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से वेस्ट बैंक में तनाव बढ़ गया है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने 660 से अधिक फिलिस्तीनियों की हत्या की है।

बंधकों की हत्या की निंदा कर ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन का हमास से बाकी बंधकों को रिहा करने का आह्वान

एजेंसी

वाशिंगटन। कुख्यात आतंकवादी समूह हमास की इजराइली बंधकों के साथ की गई बर्बरता से महाशक्तियां स्तब्ध हैं। छह बंधकों की हत्या की निंदा करते हुए ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और ब्रिटेन ने हमास से बाकी बंधकों को फौरन छोड़ने का आह्वान किया है। मारे गए सभी छह बंधकों के शव रविवार को राफाह की सुरंग में मिले थे। आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी के मुताबिक सुरंग में इजराइली सैनिकों के पहुंचने से कुछ समय पहले ही हमास आतंकियों ने छह बंधकों की हत्या कर दी।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बंधकों की हत्या पर दुख जताते हुए हमास की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा, हमास का यह कदम विनाशकारी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में बंधकों की हत्या पर हमास के खिलाफ आक्रोश जताया है। उन्होंने तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों को रिहा करने का आह्वान किया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर

ने एक्स पर लिखा है, गाजा में छह बंधकों की हत्या से स्तब्ध हूं। इस भयानक समय में मेरी संवेदनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं। हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना होगा और सभी पक्षों को तुरंत युद्ध विराम समझौते पर सहमत होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन बंधकों की हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया एक्स हैंडल पर दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमास नेताओं को इस अपराध के लिए बड़ी कीमत चुकानी होगी। हम बाकी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए समझौते के लिए 24 घंटे काम करते रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में शक्तिशाली तूफान का कहर, एक महिला की मौत, हजारों घरों की बिजली गुल

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में सोमवार को आए शक्तिशाली तूफान की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को मामले की जानकारी दी। बताया देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में शक्तिशाली तूफान आया था। बारिश के साथ चली तेज हवाओं के कारण विद्युत आपूर्ति भी ठप रही।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। बताया कि सोमवार की सुबह खराब मौसम के कारण पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

समाचार एजेंसी के अनुसार, एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया जिसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार की रात तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण पूरे दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में काफी नुकसान हुआ। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य विक्टोरिया में सोमवार सुबह 8 बजे

तक 140,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं थी। राज्य के कुछ हिस्सों में रात 146 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चल रही थी। यही नहीं, राज्य आपातकालीन सेवा को मदद के लिए 1,000 से अधिक कॉल प्राप्त हुए, जिसमें गिरे हुए पेड़ों से संबंधित 800 और नुकसान से संबंधित 200 कॉल आए।

मौसम विज्ञान ब्यूरो ने सोमवार को विक्टोरिया में तेज हवाओं के चलने का अंदेशा जताया है। साथ ही मंगलवार को स्थिति सामान्य होने का पूर्वानुमान लगाया है। हालांकि, मंगलवार को ओलावृष्टि और गरज के साथ छींटे भी पड़ सकते हैं।इस बीच बिजली कंपनी यूनाइटेड एनर्जी ने चेतावनी दी है कि पूरे राज्य में बिजली बहाल करने में कई दिन लग सकते हैं। विक्टोरिया की ऊर्जा मंत्री लिली ने सोमवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुछ इलाकों में बिजली लाइनों की मरम्मत करना बहुत खतरनाक है। बता दें कि रविवार रात को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में ब्लैकआउट से 7,000 घर प्रभावित हुए। तस्मानिया में बाढ़ की चेतावनी कई बार जारी की गई थी।

इजरायल-हमास युद्ध विराम समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे अमेरिका नीत वार्ताकार

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम के लिए जारी कई दौर की परोक्ष वार्ता में शामिल अमेरिका, कतर और मिश्र युद्ध विराम समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं।

गाजा में हमास के उग्रवादियों द्वारा छह इजरायली बंधकों की नृशंस हत्या के बाद अमेरिका ने युद्ध विराम समझौते के प्रारूप को जल्द अंतिम रूप देने के लिए दबाव बनाना शुरू किया है। मारे गए बंधकों के शवों के पोस्टमार्टम में पता चला है कि उन्हें नजदीक से कई बार गोली मारी गई थी। इन बंधकों के शव कई दिन बाद गाजा में इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) द्वारा बरामद किए गए थे। इजरायली मीडिया के मुताबिक, अमेरिका के वार्ताकारों ने कतर और मिस्र से युद्ध विराम समझौता जल्दी करने के लिए कहा है। इजरायली मीडिया में यह भी कहा जा रहा है कि हमास और इजरायल के बीच युद्ध विराम और बंधकों की रहाई के प्रावधान वाले इस समझौते का

अंतिम प्रारूप तैयार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी पक्ष मध्यस्थता वार्ता में नए सिरे से तेजी लाना चाहता है, क्योंकि मारे गए छह बंधकों में से एक इजरायली अमेरिकी नागरिक हैरिस गोल्डबर्ग-पोलिन भी है। दोहा और काहिरा में हुई शांति वार्ता की अध्यक्षता करने वाले अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के लिए अगले दौर की वार्ता जल्द आयोजित करने के लिए इजरायली सरकार से पहले ही कह दिया है। इसके बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर सीजफायर समझौते को लागू करने और हमास की कैद से बंधकों को छुड़ाने का दबाव बढ़ रहा है। इजरायल और हमास के बीच पिछले साल नवंबर से जारी संघर्ष में छह बंधकों के शव मिलने के बाद पूरे इजरायल में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए और इजरायली सरकार पर बंधकों को मुक्त कराने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम समझौता करने के लिए दबाव बढ़ रहा है।राजधानी तेल अवीव, यरुशलम और अन्य शहरों में लोगों ने बंधकों को बचाकर लाने के लिए अपनी ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस मामले में गंभीर कदम उठाने की मांग की।

हवाई में गोलीबारी, चार की मौत दो घायल

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । अमेरिका के हवाई स्टेट स्थित होनोलुलु काउंटी में गोलीबारी में संदिग्ध समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

होनोलुलु पुलिस विभाग ने रविवार को फेसबुक पोस्ट में कहा, ÷संदिग्ध समेत तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

शिन्हुआ समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने बाद में पुष्टि की कि घायलों में से एक की अस्पताल में मौत हो गई और अन्य दो अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

होनोलुलु पुलिस विभाग के अनुसार, शनिवार को रात 11꞉15 (स्थानीय समयानुसार) के करीब पुलिस अधिकारी वायनाई घाटी क्षेत्र स्थित एक आवास पर पहुंचे। वायनाई घाटी क्षेत्र ओहू द्वीप के पश्चिमी तट पर स्थित है, जो हवाई द्वीप समूह का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है और राज्य की राजधानी होनोलुलु में ही स्थित है।

इसराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ख़िलाफ विरोध प्रदर्शन तेज़: ग़ज़ा में बंधकों के शव मिलने के बाद भड़की नाराज़गी

एजेंसी

यरुशलम। इसराइल में प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू के ख़िलाफ़ उग्र विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ग़ज़ा में छह बंधकों के शव मिलने के बाद हज़ारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं, जो सरकार की नीतियों से नाखुश हैं। प्रदर्शनकारी तेल अवीव, यरूशलम, और अन्य शहरों में इकट्ठा होकर इसराइली झंडे लहराते हुए नेतन्याहू सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार हमास के साथ जल्द से जल्द समझौता कर बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करे। प्रदर्शन की शुरुआत शांतिपूर्ण रही, लेकिन बाद में यह उग्र हो गया। तेल अवीव में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरियर तोड़ दिए और प्रमुख हाईवे को ब्लॉक कर दिया। टायर जलाकर विरोध

जताया गया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। इसराइल की ट्रेड यूनियन ने भी सोमवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है, जिससे सरकार पर दबाव और बढ़ गया है। वे भी यही मांग कर रहे हैं कि बंधकों की रिहाई के लिए सरकार जल्द से जल्द हमास के साथ समझौते की प्रक्रिया को तेज़ करे।

ग़ौरतलब है कि आईडीएफ (इसराइल डिफेंस फोर्स) ने शनिवार को दक्षिणी ग़ज़ा के रफाह में एक सुरंग में छह बंधकों के शव बरामद किए थे। आईडीएफ का कहना है कि वे जब तक इन बंधकों तक पहुंच पाते, उससे पहले ही उन्हें मार दिया गया था। इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ा दी है, जिससे नेतन्याहू सरकार के खिलाफ विरोध और तेज़ हो गया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रपति मुर्मु महाराष्ट्र की तीन दिन की यात्रा पर जायेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो से चार सितंबर तक महाराष्ट्र की यात्रा पर रहेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति दो सितंबर को वाराणनगर, कोल्हापुर में श्री वारणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगी। तीन सितंबर को राष्ट्रपति पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी और छात्रों को संबोधित करेंगी। उसी दिन वह मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी वर्ष समारोह की शोभा बढ़ाएंगी। चार सितंबर को राष्ट्रपति लातूर के उदगीर में बुद्ध विहार का उद्घाटन करेंगी। वह उदगीर में महाराष्ट्र सरकार की 'शासन अपल्या दारी' और 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' के लाभार्थियों की एक सभा को भी संबोधित करेंगी।

मोदी ने आन्ध्र और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बाढ़ की स्थिति की ली जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की। सरकारी सूत्रों के मुताबिक श्री मोदी ने दोनो राज्यों आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चन्द्रबाबू नायडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को लेकर जानकारी मांगी। प्रधानमंत्री ने दोनो राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भारी बारिश और बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता देने का भी आश्वासन दिया। इन राज्यों में भारी बारिश के चलते कई जिलों में सैकड़ों गांव जलमग्न हो गये है। राज्य सरकारों की ओर से राहत और बचाव कार्य चलाये जा रहे है।

मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट के ध्वज व प्रतीक चिन्ह का किया अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसके ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। श्रीमती मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर ध्वज और प्रतीक चिन्ह विमोचन किया। प्रतीक चिन्ह के तौर पर अशोक चक्र, उच्चतम न्यायालय भवन और भारत के संविधान के प्रतीक स्वरूप किताब की आकृति शामिल है।

शीर्ष अदालत के ध्वज पर संस्कृत श्लोक 'यतो धर्मस्ततो जयः' अंकित है। इसका अर्थ है- 'जहां धर्म है, वहां विजय होगी।' ध्वज के ऊपरी हिस्से में अशोक चक्र, बीच में उच्चतम न्यायालय भवन की आकृति और नीचे के हिस्से में संविधान के प्रतीक स्वरूप किताब का रेखा चित्र है। भारत मंडपम में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

कार्यस्थल को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाने के लिए नया शी-बॉक्स पोर्टल लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (डब्ल्यूसीडी) ने एक नया 'सेक्सुअल हैरेसमेंट इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स' (शी-बॉक्स) पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल बनाने में मदद करेगा।

शी-बॉक्स पोर्टल एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां सभी महिलाएं अपने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कर सकती हैं और उनकी स्थिति को मॉनिटर कर सकती हैं। डब्ल्यूसीडी मिनिस्टरी ने बताया, यह पोर्टल सभी आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों की जानकारी का एक केंद्रीय भंडार है, जो सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में काम करती हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना कर रही सभी महिलाएं, चाहे वे संगठित हों या असंगठित, निजी क्षेत्र में हों या सार्वजनिक क्षेत्र में, इस पोर्टल का उपयोग करके अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हैं और उसकी स्थिति का पता लगा सकती हैं। शिकायत दर्ज होते ही यह सीधे संबंधित अधिकारी के पास पहुंच जाएगी।

पोर्टल एक सुनिश्चित शिकायत निवारण प्रक्रिया भी प्रदान करता है और इसके तहत एक नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से शिकायतों की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकेगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस पहल को कार्यस्थल से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नया शी-बॉक्स पोर्टल 2013 के कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध, और निवारण) अधिनियम पर आधारित है, जो कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाने और उनकी शिकायतों को सुनने के लिए बनाया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करते समय आपकी व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होगी। अन्नपूर्णा देवी ने आगे बताया कि सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महिलाओं के विकास पर जोर दिया है और यह पोर्टल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समावेशी कार्य वातावरण बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।

शी-बॉक्स पोर्टल एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां सभी महिलाएं अपने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कर सकती हैं और उनकी स्थिति को मॉनिटर कर सकती हैं।

अगले पांच साल में देश को मिलेगा 10 नया आयुष संस्थान

नई दिल्ली। देश में पारंपरिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद हो रही है. सरकार आयुर्वेद और अन्य परंपरागत चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में कई कदम उठाए हैं. इस दिशा में आयुष मंत्रालय का गठन किया गया. आज दुनिया में योग और आयुर्वेद का चलन तेजी से बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आयुर्वेद को देश के हर घर तक पहुंचाने का है. केंद्रीय आयुष (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद का दौरा कर संस्थान में मौजूद सुविधाओं की समीक्षा की और मरीजों से भी बातचीत की. एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में विदेशी आक्रमण और ब्रिटिश शासन के दौरान परंपरागत चिकित्सा पद्धति को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन एक बार फिर वैश्विक स्तर पर इस चिकित्सा पद्धति को लेकर लोगों का नजरिया बदल रहा है. योग के महत्व को पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है.

आयुष पर होगा इंटरनेशनल कांफ्रेंस

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ने इस संस्थान का दौरा करने की इच्छा जाहिर की है. ऐसे में राष्ट्रपति के दौरे की तैयारी को लेकर संस्थान का दौरा किया. इस संस्थान में 17-19 अक्टूबर तक आरोहा-2024 इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया जायेगा. इस आयोजन में कई देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे

अदालती सुनवाई स्थगन संस्कृति बदलना समय की मांग : मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्याय के प्रति आस्था और श्रद्धा की भावना को भारत की परंपरा का हिस्सा बताते हुए कहा कि अदालतों में सुनवाई संबंधी स्थगन की संस्कृति को बदलने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर 800 से अधिक न्यायिक अधिकारियों और न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए ये अपील की। इस अवसर पर उन्होंने शीर्ष अदालत के ध्वज और प्रतीक चिन्ह का भी अनावरण किया।सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि न्याय के प्रति आस्था और श्रद्धा की भावना हमारी परंपरा का हिस्सा रही है। अपने पूर्व के संबोधन का जिक्र करते हुए उन्होंने दोहराया कि लोग देश के हर न्यायाधीश को भगवान मानते हैं। हमारे देश के हर न्यायाधीश और न्यायिक अधिकारी का नैतिक दायित्व है कि वे धर्म, सत्य और न्याय का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर यह नैतिक दायित्व न्यायपालिका का प्रकाश स्तंभ है। जिला स्तर की अदालतें करोड़ों नागरिकों के मन में न्यायपालिका की छवि निर्धारित करती हैं। इसलिए जिला अदालतों के माध्यम से लोगों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कम खर्च पर न्याय दिलाना ही हमारी न्यायपालिका की सफलता का आधार है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही भारत के उच्चतम न्यायालय ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की न्यायिक प्रणाली के सजग प्रहरी के रूप में अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने भारतीय न्यायपालिका से जुड़े सभी वर्तमान और पूर्व लोगों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के कारण भारतीय न्यायशास्त्र का बहुत सम्मानजनक स्थान है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में जिला स्तर पर न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे, सुविधाओं, प्रशिक्षण और मानव संसाधनों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ, लेकिन इन सभी क्षेत्रों में अभी

भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्हें विश्वास है कि सुधार के सभी आयामों पर तेजी से प्रगति जारी रहेगी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि लंबित मामलों और लंबित मामलों की संख्या न्यायपालिका के सामने एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने 32 वर्षों से अधिक समय तक लंबित मामलों के गंभीर मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विशेष लोक अदालत सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन किया जाना चाहिए। इससे लंबित मामलों से निपटने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस सम्मेलन के एक सत्र में केस प्रबंधन से संबंधित कई पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन चर्चाओं से व्यावहारिक परिणाम सामने आएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विधायी और कार्यकारी निकायों की शक्ति और जिम्मेदारियों का प्रावधान करता है। उन्होंने जानना चाहा कि क्या हम स्थानीय स्तर पर इनके समतुल्य न्याय प्रणाली के बारे में सोच सकते हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा और स्थानीय परिस्थितियों में न्याय प्रदान करने की व्यवस्था करने से न्याय को हर किसी के दरवाजे तक पहुंचाने के आदर्श को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारी न्यायपालिका के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए सभी हितधारकों द्वारा समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी। उदाहरण के तौर पर साक्ष्य और गवाहों से संबंधित मुद्दों का समाधान खोजने के लिए न्यायपालिका, सरकार और पुलिस प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जब बलात्कार जैसे जघन्य अपराध में अदालती फैसले एक पीढ़ी बीत जाने के बाद आते हैं, तो आम आदमी को लगता है कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता का अभाव है। उन्होंने कहा कि यह हमारे सामाजिक जीवन का एक दुखद पहलू है कि कुछ मामलों में साधन संपन्न लोग अपराध करने के बाद भी बेखौफ और खुलेआम घूमते रहते हैं। जो लोग अपराधों से पीड़ित होते हैं, वे इस डर में जीते हैं जैसे कि उन गरीबों ने कोई अपराध किया हो।

Name Change
I, RANJANA W/O Of Army no -2801810H HAV GAWADE KISHOR MAHADEV R/O VILL-AMBOLI Post-AMBOLI TEH- SAWANTWADI Dist-SINDHUDURG Pin -416510 State -Maharashtra have checked my name from RANJANA TO RANJANA KISHOR GAWADE For all further purposes vide affiliated dated 03/09/ 2024 Before notary public Delhi .

Name Change
I Krishnakant Lakhpatrai Gupta S/O Lakhpatrai Gupta R/O- 302, Hans residency, Pal Rd, Opposite YES BANK, Jodhpur, Rajasthan -342008 have changed my name to Krishnakant Gupta for all future purposes.

Name Change
I, YOGESHWARI wife of NO-16115619W Rank-NK Name-RAMENDRA SAHU R/O WARD NO-10, VILL-GOHJAR, PO-SARANGBIHIRI, DIST-CHHINDWARA, MADHYA PRADESH-480107 have changed my name from YOGESHWARI to YOGESWARI SAHU for all future purposes vide affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, FARHANA W/o Shri KHALID ALVI R/o House No D-422 F/F GALI NO 16 BRIJPURI MUSTAFABAD DELHI 110094 , declare that in my Passport my Husband NAME incorrect name is mentioned as MOHAMMAD KHALID and my Husband NAME correct name is KHALID ALVI Now onwards my correct name is FARHANA W/O KHALID ALVI for all future purpose.

Name Change
I, BHARATI Wife of JC-708125Y Rank-NB SUB Name-GIRI VINAYAK GURUDAS Presently residing at VPO-TUDAYE, TEH-CHANDGAD, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416507 have changed my name from BHARATI to BHARATI VINAYAK GIRI for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KALPANA DEVI W/O AMAR SINGH R/O RZ-F-1/5 PLOT NO-11 and 12, LHS U/G/F KH NO-88/3, STREET NO-1, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as KALPANA SINGH in my minor daughter namely GARIMA SINGH aged 16 year in her 10th class educational documents. The actual name of mine is KALPANA DEVI which may be amended accordingly.

Name Change
I, No-15326874W Rank-HAV Name-KHAN SAHEB M SHILEDAR S/o MAKTUMASAB SHILEDAR Residing at VPO-INCHAL, TEH- PARASGAD, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591102 have changed my minor son's name from AFFAN to AFFAN KHANSAHEB SHILLEDAR for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, AMIT SINGHAL S/o KAMAL KISHOR SINGHAL residing at V-033, Golf Link, Kavi Nagar, Mehrauli, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed the name of my minor Daughter GUNI SINGHAL aged 10 Years and She shall hereafter be known as SAISHA SINGHAL.

Name Change
I, Bharti D/o Radhey Lal Garg R/o Near Civil Hospital, Garg Villa, Palwal, Haryana-121102, Have Changed My Name To Bharti Garg For All Future Purpose

Name Change
I Parag Krishnakant Gupta S/O Krishnakant Lakhpatrai Gupta R/O-131, Block B, Ardee City, Sector 52, Gurgaon-122003 have changed my name to Parag Gupta for all future purposes.

Name Change
I, Praveen Kumar Gurjar S/o Laxman Singh Gurjar R/o H No-310, Ward No-2, Gohana, Sonipat, Haryana-131301, Have Changed My Name To Praveen Kumar For All Future Purpose

Name Change
I, SHAHANAZ BANU KS Wife of 15326874W Rank-HAV Name-KHAN SAHEB M SHILEDAR Residing at VPO-INCHAL, TEH-PARASGAD, DIST- BELGAVI, KARNATAKA-591102 have changed my name from SHAHANAZ BANU KS to SHAHANAZ BANU KHANSAHEB SHILEDAR for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-17013773X Rank-NK Name-DESAI VASUDEVBHAI GANESHBHAI R/o VILL-GULABANI MUVADI, PO-HARSOL, TEH-TALOD, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383305 have changed my Minor son's name from DEVIL KUMAR to DESAI DEVILKUMAR VASUDEVBHAI for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No-15326874W Rank-HAV Name-KHAN SAHEB M SHILEDAR S/o MAKTUMASAB SHILEDAR Residing at VPO-INCHAL, TEH-PARASGAD, DIST- BELGAVI, KARNATAKA-591102 have changed my minor daughter's name from AHHANA to AHHANA KHANSAHEB SHILLEDAR for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, ANUPAMA SHARMA W/o ANOOP SHARMA, R/o 272, Karan Vihar Part-II, Kirari Suleman Nagar, Sultanpuri, C-Block, North West Delhi, Delhi - 110086, declare that name of mine and my Husband has been wrongly written as ANUPAMA and ANUP SHARMA in my minor Son namely ABHINAV SHARMA aged 15 years in his school record. The actual name of mine and my Husband are ANUPAMA SHARMA and ANOOP SHARMA respectively, which may be amended accordingly.

Name Change
I, Kulbhushan narang s/o Har Dayal narang R/o B - 725 weavers colony Ashok Vihar phase 4 Delhi have changed my name Kulbusan narang to Kulbushan narang vide affidavit dated 02-09-2024 before notary public Delhi.

Name Change
I NAZGMA W/O MOHAMMADJAMIL residing at 1376 CHATTA RAJAN FARASH KHANA DELHI-110006 have changed my name to NAGMA permanently

Name Change
I, No. 15177638N Rank- HAV/DS, Name- GUPTA AJAYKUMAR GANGARAM R/O 557, LASHA NAGAR, VIJALPOR, EROO, NAVSARI, GUJARAT-396450 have changed my minor son's name from RUDRA to RUDRA AJAYKUMAR GUPTA for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, AMMINI SASI wife of NO-16112303Y Rank-HAV Name-ARUN KUMAR S R/O KARUKACHIRA, VILL-EDATHUVA, PO-OORUKARY, TALUK-KUTTANADU, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-689595 have changed my name from AMMINI SASI to AMMINI for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Priyanka D/o Sh. Ram Raj Sindhya w/o Kailash Chandra r/o R-35 A, Second Floor (Back Side), Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Priyanka Joshi for all purposes.

Name Change
I, IMPA W/o No 15179480P Rank-NK, Name-RAGAVENDRA BN R/O VILL-BASAVANAHALLI, PO-ALLADHAHALLI, TEH-ARAKALGUD, DISTT-HASSAN, STATE - KARNATAKA, do hereby declare that as per my husband's service documents my name has been mentioned as IMPA which is incorrect. Now, I have changed my name from IMPA to IMPA HR and from hereafter I will be only known by the name of IMPA HR.

Name Change
It is for general information that I, KUMARI PRAGATI W/o ROSHAN RAI R/o RZF-969, GAUTAM BUDH MARG, PALAM COLONY, RAJ NAGAR-2, BAGDOLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 declare that name of mine has been wrongly written as PRAGATI RAI in my minor son PRASOON RAI aged 12 years in his school records . The actual name of mine is KUMARI PRAGATI, which may be amended accordingly.

Name Change
I, hitherto known as PALAK SHARMA alias AKANSHA SHARMA D/o PAWAN KUMAR residing at House No.- E 17A/1, Block -E, Jal Vihar, Phase -I , 25 Foota Road, Near Dixit Medical Hall, Najafgarh, South West Delhi, Delhi -110043 , have changed my name and shall hereafter be known as AKANSHA SHARMA.

Name Change
It is for general information that I, PRADEEP KUMAR YADAV S/o VISHWA NATH YADAV R/o H.No. -234. Blcok -21, Trilokpuri, Chilla Saroda Khadar, East Delhi, Delhi-110091 declare that name of mine has been wrongly written as PRADEEP KUMAR in my Driving License No. P07102008455086. The actual name of mine is PRADEEP KUMAR YADAV which may be amended accordingly.

Name Change
I, B VEERA LAXMI mother of No. 16128539X Rank-SPR Name-B KALAI RAJAN R/O LONG ISLAND (RV), NORTH AND MIDDLE ANDAMAN, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS-744203, have changed my name from B VEERA LAXMI to VEERALAXMI for all future purposes vide Affidavit Dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SITARATHAM Mother of No. 15333064W, Rank-HAV Name-SURESH KUMAR KADALI Residing at FLAT NO. F-6, FIRST FLOOR, SRI SAI NILAYAM, PYDIMAMBA COLONY, KANAPAKA, S KOTA ROAD, VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535003 have changed my name from SITARATHAM to KADALI SEETARATNAM for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 Vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I MOHAMMAD OWAIS S/O MOHAMMADJAMIL residing at 1376 CHATTA RAJAN FARASH KHANA DELHI-110006 have changed my name to MOHD OWAIS permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ,Rohit Singh S/O Balmukund Singh R/O -C -6/9,Jai Vihar Extn. Phase -3,Baprola, VTC: Bapraula , PO: Baprola, District: West Delhi, Delhi -110043, declare that name of my father has been wrongly written as Bal Mukund in my 10th and 12th class marksheet and certificate the actual name of my father is Balmukund Singh

Name Change
I, JC-313351M, Rank-SUB, Name-SATHEESH B S residing at SANDRA BHAVAN, CHUTTAYIL KAVU, KURUMBAYAM-P.O, KALLARA, KATTUMPURAM, THIRUVANANTHAPURAM, NEDUMANGAD, KERALA-695608 have changed my wife's name from REJIMOL to REJIMOL S for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 05/05/1984 instead of her correct date of birth as 31/05/1985 vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-313351M, Rank-SUB, Name-SATHEESH B S father of SANDRA S B residing at SANDRA BHAVAN, CHUTTAYIL KAVU, KURUMBAYAM-P.O, KALLARA, KATTUMPURAM, THIRUVANANTHAPURAM, NEDUMANGAD, KERALA-695608 have changed my daughter's name from SANDRA S B to SANDRA S R for all future purposes vide affidavit dated 09/02/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-313351M, Rank-SUB, Name-SATHEESH B S father of ADITHYA residing at SANDRA BHAVAN, CHUTTAYIL KAVU, KURUMBAYAM-P.O, KALLARA, KATTUMPURAM, THIRUVANANTHAPURAM, NEDUMANGAD, KERALA-695608 have changed my son's name from ADITHYA to ADITHYAN S R for all future purposes vide affidavit dated 09/02/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SATYANARAYANA father of NO-16114650W Rank-NK Name-YEDLA PEDDI NAIDU residing at VILL-KOVVADAPETA, PO-PEDAMAJJIPALEM, TEH-BONDAPALLI, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535221 have changed my name from SATYANARAYANA to YEDLA SATYANARAYANA for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No. 15177638N Rank- HAV/DS, Name- GUPTA AJAYKUMAR GANGARAM R/O 557, LASHA NAGAR, VIJALPOR, EROO, NAVSARI, GUJARAT-396450 have changed my minor son's name from DIRGH to DIRGH AJAYKUMAR GUPTA for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, N BALA RAJ Father of No. 16128539X Rank-SPR Name-B KALAI RAJAN R/O LONG ISLAND (RV), NORTH AND MIDDLE ANDAMAN, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS-744203, have changed my name from N BALA RAJ to N BALRAJ for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1965 instead of my correct date of birth as 01/08/1964 Vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public Delhi

Name Change
I, JC-312136P, Rank-SUB, Name-MAHAMMAD SARIEF M residing at D. NO-1-142, MASJID (STREET), VPO-ARAGONDA, TEHSIL-THAVANAM PALLI, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517129 have changed my mother's name from MEHARUN to S MEHARUN BEE for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1947 instead of her correct date of birth as 28/02/1947 vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री यशबीर सिंह, श्री सचिन नागर, और श्री रीतिन और मैसर्स भारतीय ग्राम विकास समिति 7444.94 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड भूमि क्षेत्र के मालिक हैं। यानी खसरा नंबर 556 और 557 और 558 में से 8990.388 वर्ग गज, रोजा जलालपुर गांव, परगना और तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर यूपी में स्थित है। दिनांक 20.12.2021 के विक्रय विलेख के आधार पर, जो उप-रजिस्ट्रार-दादरी के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 19627 में पृष्ठ 251 से 370 और अन्य बिक्री विलेख में दस्तावेज़ संख्या 42077 के रूप में। आज तक और उसके निम्नलिखित दस्तावेज खो गए हैं, अर्थात् खसरा संख्या 556 में से 50 वर्ग गज (41.8 वर्ग मीटर) के आवासीय भूखंड क्षेत्र के संबंध में श्रीमती सीमा शर्मा द्वारा श्रीमती रेखा के पक्ष में निष्पादित मूल बिक्री विलेख। अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा फरीदाबाद हरियाणा द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, REKHA Wife of JC-704306M SUB/NA MANOJ KUMAR SINGH RATHORE R/o VILL-RAMNAGAR, PO-KAILA, TEH-ALIGANJ, DIST-ETAH, UTTAR PRADESH-207247 have changed my name from REKHA to REKHA RATHORE for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SWETA wife of No. 15177638N Rank- HAV/DS, Name- GUPTA AJAYKUMAR GANGARAM R/O 557, LASHA NAGAR, VIJALPOR, EROO, NAVSARI, GUJARAT-396450 have changed my name from SWETA to SWETA AJAYKUMAR GUPTA for all future purposes vide Affidavit Dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-14847262Y Rank-HAV Name-SUROJIT PAL residing at HASNABAD NORTH 24, PARGANAS, WEST BENGAL-743456 have changed my father's name from NABIN CHANDRA PAL to NABIN PAL for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-15223909F, Rank-NK, Name-MURKUTE GANESH VISHNU R/o AT/POST-NIMBAVI, TEH-SHRIGONDA, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-413703 have changed my minor daughter's name from SHRUSHTI to SHRUSHTI GANESH MURKUTE for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-675831X Rank-SUB Name-RABINDRA KUMAR residing at VILL-CHATRA, PO-MANSI, TEH-KHAGARIA, DIST-KHAGARIA, BIHAR-851214 have changed my name from RABINDRA KUMAR to RAVINDRA KUMAR for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, DEEPA & DEEPA GUPTA W/o DEEPAK GOEL R/O C-4/2 SECOND FLOOR RANA PRATAP BAGH MALKA GANJ NORTH WEST DELHI -110007 HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPA GOEL FOR ALL FUTURE PURPOSES

Name Change
I, JYOTHI wife of NO-15223909F, Rank-NK, Name-MURKUTE GANESH VISHNU R/o AT/POST-NIMBAVI,TEH-SHRIGONDA, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-413703 have changed my name from JYOTHI to JYOTI GANESH MURKUTE for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, PARVEEN wife of NO-15324650X Rank-HAV Name-AJEET SINGH SHARMA R/o VPO-JAT BEHROR, TEH-MUNDAWAR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301714 have changed my name from PARVEEN to PARVEEN DEVI for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, KAMLESHWARI PD YADAV Father of No-16128690H SPR BIPIN KUMAR Presently residing at WARD NO-16, SILET, SOURBAZAR, SAHARSA, BIHAR-852221 have changed my name from KAMLESHWARI PD YADAV to KAMLESHWARI YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SIMHACHALAM mother of NO-16114650W Rank-NK Name-YEDLA PEDDI NAIDU residing at VILL-KOVVADAPETA, PO-PEDAMAJJIPALEM, TEH-BONDAPALLI, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535221 have changed my name from SIMHACHALAM to YEDLA SIMHACHALAM for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public Delhi.

पेगासस लैंड एंउ हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय: बिल्डिंग नंबर 80, पहली मंजिल, सेक्टर-44, गुरूग्राम, हरियाणा, इंडिया | फोन: 01244399399
ई-मेल: info@rof.co.in

Lic- No- / Year : 58 of 2022 | Building Plan approved on: 19-07-2022
Lic- Dated: 13-05-2022 | Memo No-: ZP-1584/AD (RA)/2022/20998

फ्लैटों का आवंटन के लिए ऑनलाइन ड्रा

यह आपको सुचित किया जाता है कि पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड लाइसेंस संख्या 58/2022 दिनांक 13/05/2022 द्वारा विकसित की जाने वाली गुरूग्राम के सेक्टर 78 में प्रस्तावित अफॉर्डबल ग्रुप हाउसिंग कलोनी, आर ओ एफ एम्बिलस में 13 फ्लैटो का ड्रा 04/09/2024, बुधवार को शाम को 04:00 बजें "Ramada Gurgaon Central" सेक्टर-44, गुरूग्राम हरियाणा में होगा आवेदक व्यक्तिगत रूप से या नीचे दिए गए लाइव लिंक पर ड्रा को स्ट्रीम करके ऑनलाइन ड्रा में भाग ले सकते है।

YouTube Link :
https://www.youtube.com/c/rofgroup/live

RERA Regd. No. 74 of 2022 Date: 01.08.2022

Name Change
I, SIMHACHALAM Father of No. 15333064W, Rank-HAV Name-SURESH KUMAR KADALI Residing at FLAT NO. F-6, FIRST FLOOR, SRI SAI NILAYAM, PYDIMAMBA COLONY, KANAPAKA, S KOTA ROAD, VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535003 have changed my name from SIMHACHALAM to KADALI SIMHACHALAM for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 06/08/1951 Vide Affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi

LOST & FOUND
I RAVINDER MITTAL S/O VED PARKASH MITTAL R/O 69, PYAWALI TAJPUR, GAUTAM BUDDHA NAGAR, U.P- 201008, MY PROPERTY DOCUMENT-ADDENDUM (CUSTOMER ID- ITC/268/T1) RESPECTIVELY ISSUED BY OMAXE INDIA TRADE CENTRE PVT. LTD., Alpha - 2 Commercial Belt, Greater Noida against the UNIT NO- Commercial Shop No. A-6, Block- A, Ground Floor, CUSTOMER ID- ITC/268/T1, PROJECT-OMAXE INDIA TRADE CENTRE, ALPHA-2 GREATER NOIDA IS MISPLACED SOMEWHERE ANY PERSON WHO FINDS IT PLEASE RETURN IT TO MR. DEEPAK AT OMAXE KALKAJI OFFICE- 10, L S C KALKAJI NEW DELHI -110019 OR CALL NO 7827947732

PUBLIC NOTICE
To be Known to all that I (Name of the Purchaser) Ajay Singh Tomer S/o Narayan Singh Tomer R/o Flat No. 81, Ground Floor, Housing Scheme Situated at Adhchini, New Delhi-17 has applied for conversion of the aforesaid Flat No. 81, Ground Floor Housing Scheme situated in Adhchini, New Delhi-17 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Site Possession Letter & Possession Letter in issued by DDA having File No. J-215(90)93 AD/NP of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि श्री प्रमोद कुमार, भूमि जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 473 के अंतर्गत गांव फतेहपुर मातरोना, परगना और जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश में स्थित है भूमि के मालिक हैं। उन्होंने यह संपत्ति श्री जगसरन से दिनांक 27.05.2024 को दान विलेख पंजीकृत नंबर 5857 के माध्यम से प्राप्त की है, और श्री जगसरन खतौनी के अनुसार मालिक थे, यह संपत्ति ऋ्र बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित की जा रही है, जिसका स्थान,स्न 19, 20, 21 स्नस्न अदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201012 है। हमारी मुवक्किल उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामी हैं, और उक्त संपत्ति विवाद मुक्त है तथा किसी भी न्यायालय में कोई मुकदमा लंबित नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

राहुल गांधी झूठ सोचते और फैलाते हैं : मुख्यमंत्री

रैली संयोजक पूर्व मंत्री कविता जैन-राजीव जैन ने आमजन पर की पुष्प वर्षा

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के आशीर्वाद से प्रदेश में भाजपा सरकार के नॉन-स्टॉप काम करने और विकास को गति देने की बात कही। उन्होंने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अब आईसीयू में है, और अगर 10 साल का हिसाब मांगा जाए तो कांग्रेस वेंटिलेटर पर पहुंच जाएगी। उन्होंने राहुल गांधी को कांग्रेस का सरगना बताते हुए कहा कि वे रात को झूठ सोचते हैं और दिनभर उनके कार्यकर्ता इसे फैलाते हैं।मुख्यमंत्री सैनी रविवार शाम सोनीपत की नई अनाज मंडी में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने हर विकास कार्य का हिसाब जनता के सामने रखा है, जबकि कांग्रेस अपने 10 साल के कार्यकाल का हिसाब देने में विफल रही है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि भाजपा ने किसान, युवा, महिला और गरीब का सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस 15 सवालों का जवाब नहीं दे सकती तो कम से कम 5 सवालों का ही जवाब दे दे। उन्होंने कहा कि अब चुनावी बिगुल बज चुका है और जनता को कांग्रेस के झूठे वादों से सावधान रहना चाहिए। सैनी ने कहा कि वे सोनीपत की जनता का आशीर्वाद लेने आए हैं ताकिहरियाणा में भाजपा को फिर से सत्ता में लाया जा सके और डबल इंजन सरकार को और गति दी जा सके। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्रीके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 56 दिनों में बेहतरीन काम करके विरोधियों के मुंह बंद कर दिए हैं। उन्होंने सोनीपत के लोगों से अपील की कि वे 5 अक्टूबर को कमल के फूल पर वोट डालकर भाजपा को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में मदद करें। रैली संयोजक, पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि इस बार हरियाणा की जनता भाजपा को सबसे बड़ी जीत दिलाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेझूठे वादों से जनता को भ्रमित किया था, लेकिन इस बार जनता उन्हें जवाब देगी। भाजपा के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि सोनीपत की जनता ने कांग्रेस को हराने का मूड बना लिया है और भाजपा की जीत तय है। पूर्व विधायक सतबीर त्यागी, सतीश नांदल, कृष्णा गहलावत, डॉ ओमप्रकाश आत्रेय, निखिल मदान, अनिल ठक्कर, ललित बत्रा, तीर्थ राणा, अशोक छाबडा, सुमित्रा चौहान, प्रदीप सांगवान, योगेश पाल अरोडा, तरूण देवीदास, डॉ ओपी परूथी, नवीन मंगला, संजय वर्मा, सोनिया मोर व वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

हुड्डा को कभी भी जेल जाना पड़ सकता है : जेपी दलाल

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। चुनाव प्रचार में जुटे वित्त मंत्री जेपी दलाल ने इशारों ही इशारों में पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर बड़ा हमला बोला। वित्त मंत्री जेपी दलाल ने जनसभा में बोलते हुए कहा कि मैं लोहारू हलके में काम करने आया हूं। बेटे या खानदान को आगे बढ़ाने नहीं। जिस पर 5-7 मुकदमे हों और केजरीवाल के बराबर का कमरा खाली हो, उसे आप समझ जाओ। हुड्डा को कभी भी जेल जाना पड़ सकता है। लोहारू के लोग स्वाभिमानी हैं और वो भाजपा को वोट करेंगे। ये अपनी कलम की ताकत ऐसे नेता को नहीं देंगे, जो इस इलाके से भेदभाव करता हो। जेपी दलाल ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राव दानसिंह की जनसभा में पूर्व विधायक सोमबीर सिंह को राजबीर फरटिया समर्थकों द्वारा धक्के मारने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये लोग अभी से गुंडागर्दी करते हैं। इनके हाथ में कलम की ताकत आई तो पता नहीं क्या करेंगे। उन्होंने लोहारू के लोगों से गुंडों को नहीं पालने की अपील की। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए जेपी दलाल ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के लिए बिजली, पानी, मुआवजा की घोषणा की। हम फसलें एमएसपी पर खरीदेंगे। आज किसान पीएम मोदी और सीएम सैनी सरकार की योजनाओं से खुश हैं।पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर ईडी की 824 करोड़ रुपए की जांच शुरू करने पर उन्होंने कहा कि ये कानूनी प्रक्रिया है और जिसने गलत काम किया है, उसके खिलाफ कानून अपना काम करेगा।

'आम आदमी पार्टी 'रह ली' है और जमानत जब्त पार्टी बन गई है' - विज

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमारी 55 ही नहीं, उससे ज्यादा सीटें आएगी और यदि कोई मेरे मुंह से कोई शब्द निकल जाता है तो प्रकृति उसको पूरा कर देती है। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों की सूची के संबंध में उन्होंने कहा कि हमारा नेतृत्व श्रेष्ठ है और इन सब पर ध्यान दिए हुए हैं और जल्दी ही सूची बाहर आएगी÷। विज पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथि में किए गए बदलाव को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि पूर्व की मतदान तिथि में जो छुट्टियों का चंक बन रहा था उसके लिए हमने (भाजपा) आवेदन किया था ताकि सभी लोग मतदान कर सकें। उन्होंने कहा कि इस बारे में चुनाव आयोग ने हमारी बात को माना है जिसके लिए हम चुनाव आयोग के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि ÷अगर कांग्रेस के लोगों को चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित गई की गई तिथि पसंद नहीं आ रही है तो वह उस दिन वोट न डालने जाए लेकिन हमें पसंद है तो हम वोट डालने जाएंगे क्योंकि चुनाव आयोग ने बिल्कुल ठीक किया है।

बीजेपी ने 5 साल सिर्फ लटकाया और भटकाया, कांग्रेस करेगी भर्तियों को पूरा : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भर्तियों को पूरा करवाने की मांग को लेकर लगातार आंदोलनरत युवाओं की मांगों पर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि कांग्रेस सरकार बनते ही पुलिस, ग्रुप-डी और सीईटी के सभी ग्रुप की समेत तमाम लटकी पड़ी भर्तियों को तत्परता के साथ पूरा किया जाएगा। साथ ही चयनित युवाओं कांग्रेस सरकार बनते ही तुरंत प्रभाव से ज्वाइनिंग दी जाएगी। प्रदेशभर से आए युवाओं से बातचीत करते हुए हुड्डा ने कहा कि बीजेपी की लेटलतीफियों और घोटालों से युवा बिलकुल भी हताश व निराश ना हों। वो पेपर के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता रखें। क्योंकि प्रदेश में जल्द ही कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस, मौजूदा सरकार की लटकी पड़ी तमाम भर्तियों को बिना किसी देरी के पूरा करेगी। साथ ही कांग्रेस सरकार बनते ही 1 लाख नई भर्तियों की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी, जिन्हें पहले ही साल में पूरा कर लिया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : सुनीता केजरीवाल ने लोगों को दी पांच गारंटी

भिवानी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हरियाणा के कई विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने हरियाणा के लोगों को मुफ़्त बिजली, शानदार सरकारी स्कूल बनाकर बच्चों को मुफ़्त शिक्षा, मोहल्ला क्लिनिक और अस्पताल, जहां मुफ़्त इलाज होगा, महिलाओं को 1000 रुपए महीना सम्मान राशि व युवाओं को रोजगार देने की गारंटी दी। उन्होंने बाढ़डा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बदलाव जनसभा में कहा, हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल शेर हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे न झुकेंगे न टूटेंगे। अरविंद दिल्ली के मुख्यमंत्री बने और उन्होंने देश की राजनीति को बदल दिया। उन्होंने जनता के लिए काम किया और इसलिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। सुनीता ने कहा, भाजपा को विपक्षी पार्टियों को तोड़ना और नेताओं को जेल में डालना आता है, लेकिन हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल टूटने वाले नहीं हैं। हरियाणा में भाजपा को 10 साल हो गए, लेकिन यहां बच्चों की शिक्षा में कोई सुधार नहीं हुआ। सरकारी अस्पताल और इलाज में कोई बदलाव नहीं आया। यहां कुछ नहीं होता।

भारत को नंबर वन बनाने के लिए भाजपा चाहती है सत्ता: बिपल्व देव

एजेंसी

जींद। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के चुनाव सह प्रभारी और सांसद बिपल्व देव ने कहा कि पड़ोसी राज्य पंजाब में इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री हैं। जब पड़ोसी देश बंगलादेश में हिंदुओं पर आक्रमण होता है, 13 साल की बेटी को जला देते हैं तो पंजाब के मुख्यमंत्री बोलते हैं कि भारत में भी ऐसा ही करना चाहिए। वो पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। आज हरियाणवासियों को तय करना होगा कि उन्हें सत्ता किस लिए चाहिए। क्या सत्ता पाकिस्तान को सौंपने के लिए चाहिए या फिर भारत को टुकड़े होने से बचाना है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बैनर्जी की सरकार है। वहां एक महिला चिकित्सक को बलात्कार कर मार दिया लेकिन इसके बारे में केजरीवाल, अखिलेश यादव कुछ नही बोलते हैं। क्यों वो बेटी नही है। यह सब लोग बस सत्ता चाहते हैं, केवल और केवल लोगों का शोषण करने के लिए। भाजपा सत्ता इसीलिए चाहती है कि भारत को नंबर वन बनाना है। यह लोग लोस में संविधान की बात करते हैं लेकिन संविधान को बचाने का काम भाजपा ने किया है।

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, चुनाव सह प्रभारी और सांसद विपल्व देव एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जन आशीर्वाद रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मुंह में संविधान शोभा नही देता है। जिनके पिता ने तीन तलाक बोल कर महिला को घर से निकाला लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने तीन तलाक को खत्म करने काम किया और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया। संविधान को सबसे ज्यादा कांग्रेस ने ही तोड़ा है लेकिन अब समय आ गया है कि सब लोग नायब सिंह सैनी बन कर हरियाणा में तीसरी बार नायब सिंह सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा खिलाड़ियों, युवाओं की सरकार है। क्योंकि भाजपा सबकी सुनती है। हमें मालुम है कि जब हम जन्म लेते हैं तो हमारे गौत्र का नाम लिया जाता है लेकिन कांग्रेस छोटी-छोटी फूट की राजनीति करना चाहती है। कांग्रेस हिंगराज के जैसे शासन करती है।

अब हमें देश को बचाना है और पाकिस्तान की मानसिकता रखने वाले इंडिया गठबंधन को भगाना है। आज सवाल इज्जत का है और हरियाणा की पगड़ी को बचाना है। इस पगड़ी को केवल नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा ही बचा सकती है। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बना कर इंडिया गठबंधन को भगाने का काम करेंगे।

पठन और श्रवण में रूचि से ही होता है शब्दावली का निर्माण: डा. संजय कुमार

एजेंसी

सिरसा। वाद, संवाद, प्रतिवाद, क्लास इत्यादि में सहभागिता, सहभाजन, पूछताछ, जिरह, प्रश्न-उत्तर इत्यादि के बिना शब्दावली में न तो इज़ाफ़ा हो सकता है और न ही उच्चारण में सुधार मुमकिन हो सकता है। यह विचार अंग्रेजी भाषा के मर्मज्ञ, प्रौढ़ लेखक, प्रबुद्ध चिंतक और सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट ट्रेनिंग के प्रमुख परामर्शक डा. संजय कुमार ने राजकीय नैशनल महाविद्यालय, सिरसा अंग्रेजी विषय परिषद के तत्वावधान में आयोजित विस्तार व्याख्यान में विस्तार व्याख्याता के तौर पर अपने वक्तव्य में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पठन और श्रवण में गहन रूचि के बिना शब्दावली का निर्माण असंभव है। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा. हरविंदर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय नैशनल महाविद्यालय, सिरसा के प्राचार्य डा. संदीप गोयल के संरक्षण, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता व अंग्रेजी विषय परिषद प्रभारी डा. सत्यपॉल के संयोजन में

आयोजित किए गए विस्तार व्याख्यान में डा. सत्यपॉल द्वारा डा. संजय कुमार का परिचय प्रदान किए जाने के उपरान्त डा. संजय कुमार ने शब्दावली निर्माण विषय पर अपना विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शब्दावली में बढ़ौतरी व उच्चारण में सुधार की विभिन्न विधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि इसके लिए निरंतर प्रयास नितांत अनिवार्य है।

हरियाणा को समृद्ध बनाने के लिए मात्र 56 दिन में लिए ऐतिहासिक निर्णय: नायाब सिंह

एजेंसी

जींद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि भाजपा चुनाव से डर रही है। भाजपा ऐसी पार्टी है, जो रात को भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। कांग्रेस झूठ की पार्टी है। हमारी सरकार ने हरियाणा को सम्ृद्ध बनाने के लिए मात्र 56 दिन में ऐतिहासिक निर्णय लिये। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने मतदान तिथि में परिवर्तन करने के लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा था, जिससे अधिक से अधिक लोग अपने मत का प्रयोग कर सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जन आशीर्वाद रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नारनौंद से जजपा के विधायक रहे रामकुमार गौतम, पूर्व मंत्री अनूप धानक, बरवाला से जजपा छोड़ने वाले विधायक जोगीराम सिहाग व अंबाला की मेयर शक्ति रानी शर्मा को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लेते हुए शायराना

अंदाज में कहा कि दिल में कसक है और चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं। जिनके खुद के बही खाते खराब हैं, वो हमारा हिसाब लिए फिरते हैं। भूपेंद्र हुड्डा उनसे सवाल पूछ रहे हैं, जबकि मेरे सवालों का जवाब हुड्डा साहब दे नही पा रहे हैं। उन्होंने पहले भूपेंद्र हुड्डा से 15 सवाल पूछे थे। जिनका जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पांच सवाल पूछे लेकिन उनका भी जवाब नहीं आया।उन्होंने कहा कि दस वर्ष में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने हर वर्ग का कल्याण किया है। प्रदेश में बिना क्षेत्रवाद के विकास करवाया गया है। जो लोग हिसाब मांग रहे हैं, उन्हें वो बताना चाहते हैं कि 12 मार्च को शपथ लेने के बाद 13 मार्च को विश्वास मत हासिल किया। 8 अक्टूबर तक 182 दिन बनते हैं तो 128 दिन आचार संहिता लगी रही। इस बीच जो मात्र 56 दिन का समय मिला तो उस समय में हरियाणा के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेने काम किया। हुड्डा दस साल का हिसाब मांग रहे हैं तो वो 56 दिन का ही हिसाब दे रहे हैं। वो उनके 56 दिन के कार्यकाल पर ही प्रतिक्रिया दें।

सैनी ने कहा कि सबसे पहले गरीब लोग, जिनकी आय एक लाख से कम हैं, ऐसे लोगों को एक हजार किलोमीटर तक हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी। युवाओं को नौकरियां लगाने का निर्णय लिया। एससी व बीसी समाज की धर्मशालाओं के नवीनीकरण के लिए 118 करोड़ रुपये जारी किया। हुड्डा ने जो प्लाट के नाम पर लॉलीपाप दिया था, ऐसे लोगों को 10 जून को कागज और कब्जा सौ गज के प्लाट पर देने का काम किया।

कंगना राजनीति में नाबालिग, उन्हें पार्टी से निकाल देना चाहिए : सत्यपाल मलिक

एजेंसी

करनाल। हरियाणा में करनाल के एक गुरुद्वारे में आयोजित सिख सम्मेलन में पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक और कांग्रेस नेता जगदीश सिंह झींडा ने भी भाग लिया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए मलिक ने कहा, 'कंगना रनौत राजनीति में नाबालिग और अपरिपक्व हैं। वह अनावश्यक विवाद पैदा करती हैं। भारतीय जनता पार्टी को उन्हें पार्टी से निकाल देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक ने सिख समाज के आत्मनिर्भरता की सराहना की और सरकार के हस्तक्षेप को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, सिख समाज के कामों में सरकार को कोई हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। सरकार अपने कामों में सफल नहीं हो रही है, चाहे वह सड़कों की मरम्मत हो, नहरों की देखभाल हो या खेती से संबंधित मुद्दे हों। सिख समाज अपने कार्यों को शानदार तरीके से करता है। मलिक ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में हालात काफी खराब हैं। मेरे कार्यकाल में श्रीनगर के करीब भी कोई नहीं जाता था। अब तो स्थिति और भी बदतर हो गई है। मलिक ने किसानों के आंदोलनों पर समर्थन देते हुए कहा,

किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। मैं उनके हर आंदोलन का समर्थन करता हूं और उनका साथ देता हूं, क्योंकि उनकी मांगें जायज हैं। मलिक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बहुत सुलझे और विनम्र हैं। उन्होंने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा, तीसरी बार मोदी सरकार बनी है, लेकिन जिन इलाकों में किसान आंदोलन हुआ, वहां वे हार गए। मोदी सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उनका एकमात्र एजेंडा पैसा कमाना, भ्रष्टाचार करना और सत्ता में बने रहना है।

कैथल में 32 गांवों के सरपंचों ने दिया रणदीप सुरजेवाला को समर्थन, कांग्रेस में हुए शामिल

एजेंसी

कैथल। कैथल जिला के 32 गांव के सरपंचों ने कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया और रणदीप सुरजेवाला को समर्थन दिया। रविवार को किसान भवन में आयोजित कार्यक्रम रणदीप सुरजेवाला ने सभी 32 गांवों के सरपंचो क़ो कांग्रेस पार्टी का पटका पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई और पूरा मान सम्मान देने का वादा किया।

सुरजेवाला ने कहा भाजपा सरकार ने सरपंचो के अधिकार छीनकर, पंचायती राज संस्थाओं के अधिकार छीनकर, संविधान पर बुलडोजर चलवाकर, सरपंच चुनाव में 2 बच्चों की कंडीशन, पढ़ाई की कंडीशन, डेढ़ साल तक चुनाव ना करवाकर कुठराघात किया है। उन्होंने कहा कि आज कैथल में एक ऐसी सरकार है जिसमें भाजपा के नेताओं की चलती ही नहीं। जनता ने 10 साल भाजपा की सरकार बनाई, मुख्यमंत्री भाजपा से, सांसद भाजपा से, विधायक भाजपा से, मंत्री भाजपा से, चेयरमेन भाजपा से, जिला परिषद भाजपा के पास, नगर परिषद भाजपा के पास, हर चीज भाजपा के पास फिर भी इनके नेताओं की चलती नहीं, जब भ्रष्टाचार व रिश्वत की बात आए तो भाजपा के नेताओं की पुरजोर तरीके से चलती है। 3-3 मंथली भाजपा के नेताओं ने सरकारी दफ़्तरों से ली, शहर में रेहड़ी वालों से हफ्ता वसूली पुरजोर तरीके से ली।

जनता क़ो दोनों हाथों से लूटने का काम किया। कैथल शहर क़ो लूटने में इन्होंने पूरे तरीके से चलाई लेकिन हल्के के विकास के मामले में इनकी चलती ही नहीं।कैथल हल्के के 32 गांवों के सरपंच व पंच किसान भवन पर इकठ्ठा हुए जिनमे सरपंच एसोसिएशन जिला प्रधान व जेजेपी नेता सुखविंद्र सरपंच दुंधरेहड़ी, पंचायती राज प्रकोष्ठ जेजेपी जिला प्रधान सरदार बलविन्द्र सरपंच जसवंती, बीजेपी से दयानन्द सरपंच भानपुरा, बीजेपी से मंजीत सरपंच बलवंती, बीजेपी से पाला सरपंच खनौदा, बीजेपी से गुरमहेन्द्र सिंह सरपंच डेरा ग़दला, जेजेपी से रणधीर सरपंच कुतुबपुर, बीजेपी से रोहताश सरपंच शेरगढ़, बीजेपी से हरजिन्द्र सरपंच जगदीशपुरा, बीजेपी से सूबे सिंह सरपंच पट्टी डोगर,बीजेपी से विरभान सरपंच दिल्लोंवाली, बीजेपी से फूलकुमार सरपंच भैणीमाजरा, बीजेपी से ओमप्रकाश सरपंच पट्टी खोत, संदीप सरपंच पट्टी अफगान ने रणदीप सुरजेवाला क़ो समर्थन दिया।

पीड़ित व्यक्ति की गंभीरता से सुनवाई कर उसे शीघ्र न्याय दिलवाना पहली प्राथमिकता है : विक्रांत भूषण

एजेंसी

सिरसा। पुलिस के पास आने वाले प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति की समस्या की गंभीरता से सुनवाई कर उसे शीघ्र न्याय दिलवाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि सभी प्रकार की शिकायतों के निपटान के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक फीडबैक सेल स्थापित किया गया है, जिसकी वे खुद मॉनिटरिंग करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वे स्वयं समय-समय पर फरियादियों से फोन के माध्यम सम्पर्क कर पुलिस की कार्रवाई के बारे में विस्तार से पूछते हैं तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायत का शीघ्र निवारण करने का निर्देश देते हैं, ताकि पीड़ित व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फरियादियों की सुविधा के लिए फीडबैक सेल में 01666 -298 448, 01666- 298418, 01666- 298498 तथा 01666 - 298446 लैंडलाइन नंबर स्थापित किए गए हैं । उन्होंने बताया कि फीडबैक सेल में नियुक्त पुलिस कर्मचारी उक्त नंबरों से फरियादियों से बातचीत कर उनसे पूछते है कि पुलिस की अब तक की कार्रवाई से आप कितना संतुष्ट है। आपने जो शिकायत दर्ज करवाई है उसकी आपको रसीद दी गई या नहीं गई है। आपके साथ पुलिस कर्मियों का व्यवहार कैसा रहा है ।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से भी कहा है कि इन नंबरों के द्वारा जब आप से बातचीत की जाती है तो आप निर्भीक होकर जानकारी दें । उन्होंने बताया कि जिला के सभी पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारी तथा अन्य यूनिट प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि उनके पास शिकायत लेकर आने वाले लोगों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनकी शिकायत की गंभीरता से सुनवाई कर उन्हें शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास करें । पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने आमजन से भी अपील की है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निवारण हेतु उपरोक्त नम्बरों से की गई काल को रिसीव करें ताकि उनकी शिकायतों का शीघ्र निपटान किया ।

चौहान बने भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ के निवासी सतीश छिकारा लगातार दूसरी बार भारतीय किसान संघ के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं। उनको यह जिम्मेवारी भारतीय किसान संघ के अनाज मंडी रोहतक में हुए प्रांतीय अधिवेशन में सर्वसम्मति से सौंपी गई। किसान संघ के त्रिवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन में कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम समिति, खंड, जिला और नई प्रदेश कार्यकारणी का तीन साल के लिए गठन किया जाता है। रोहतक से लौटकर सतीश छिकारा ने बताया कि उसी कड़ी में प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा ने समस्त प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की और पिछले तीन साल के कार्यकाल के कार्यों के बारे बताया। महामंत्री रामबीर चौहान ने पिछला लेखा जोखा पेश किया। निर्वाचन अधिकारी अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भुवन चंद डबराल की अध्यक्षता में और क्षेत्रीय संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री का चुनाव संपन्न हुआ। जिला झज्जर के बहादुरगढ़ निवासी सतीश छिकारा प्रदेश अध्यक्ष और जिला यमुनानगर के गांव उन्हेरी निवासी रामबीर चौहान तीन साल के लिए प्रदेश महामंत्री चुने गए। अध्यक्ष व महामंत्री दोनों ने सभी का धन्यवाद व रोहतक जिला कार्यकारिणी ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। इस मौके पर प्रदेश के तमाम कार्यकर्ता, जिला एवम् खंडों के कार्यकर्ता मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए भारतीय किसान संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सतीश छिकारा ने कहा

किया और आगामी तीन साल की कार्य योजना बारे बताया। इनमे मुख्य रूप से किसान भवन का निर्माण, जैविक खेती को बढ़ावा, किसानों को प्रशिक्षण देना, पांच लाख की सदस्य बनाना, जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी करना आदि शामिल है। सतबीर आर्य पूर्व जिला अध्यक्ष झज्जर ने सभी को पौधे वितरित किए और जिला अध्यक्ष रोहतक सत्यवान ढाका कि मेरा जीवन किसानो, गौमाता व जनता की भलाई के लिए समर्पित रहेगा। मैं हमेशा ही भारतीय किसान संघ की कार्यकारिणी के साथ मिलकर किसानों को हमेशा सरकार की कल्याणकारी नीतियों का लाभ पहुंचाता रहूँगा। उन्होंने कहा कि खेती किसानी की भलाई के लिए किसानों को संगठित करने का कार्य भी जारी रहेगा।

रामायण महाभारत परीक्षा का आयोजन भिवानी में, परिणाम 30 सितंबर को होंगे घोषित

एजेंसी

भिवानी। शहर की सामाजिक संस्था श्री श्याम प्रीत मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को एक भव्य जिला विद्यालय स्तरीय रामायण महाभारत पर आधारित लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में संपन्न हुई।

इस आयोजन में भिवानी के लगभग 30 स्कूलों के 712 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा का प्रश्न पत्र दो खंडों में बांटा गया - खंड क- रामायण और खंड ख- महाभारत। कुल मिलाकर 150 बहुविकल्पी प्रश्न थे। परीक्षा के प्रारंभ से पूर्व, जोगी वाला शिव मंदिर के महंत बाबा वेदनाथ जी, ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक विजय किशन अग्रवाल, संरक्षक प्रवीन गर्ग, विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष प्रदीप बंसल, प्रसिद्ध समाजसेवी मुरारी लाल तौला, विशाल टेलर्स से प्रवीण कुमार, वैश्य मॉडल स्कूल की प्राचार्य कमला गुरेजा, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज भरतवाल और पुरुषोत्तम दास शर्मा ने मिलकर प्रश्न पत्र का विमोचन किया। महंत वेदनाथ जी ने इस प्रकार के आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला और ट्रस्ट को सराहा। विहिप जिला अध्यक्ष प्रदीप बंसल ने इस परीक्षा को विद्यार्थियों को रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों के प्रति जागरूक करने का एक उचित माध्यम बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में इस प्रकार की परीक्षा को जिला स्तर से राज्य स्तर पर भी आयोजित किया जाए। इस परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए ट्रस्ट ने उपहार और रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की। परीक्षा पूर्ण रूप से निशुल्क थी और इसमें किसी भी प्रकार की फीस नहीं ली गई। प्रत्येक स्कूल से कक्षा 6 से 8 तक के अधिकतम 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा के परिणाम 30 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यालयों और विद्यार्थियों को ट्रस्ट के आगामी विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट द्वारा इस परीक्षा का आयोजन पिछले 11 वर्षों से किया जा रहा है। ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज भरतवाल ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हमारे सनातन संस्कृति और महान ग्रंथों के प्रति जानकारी और संस्कार देना है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अपने 65वें स्थापना दिवस पर मनाया जश्न

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) ने अपनी समृद्ध विरासत के 65 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर आईओसी के चेयमैन का अतिरिक्त कार्यभार संभालने के बाद वी. सतीश कुमार ने अपना दृष्टिकोण साझा किया। आईओसी के कार्यकारी चेयमैन वी. सतीश कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भरता और स्थिरता की ओर भारत की यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करती है। उन्होंने आईओसी के 65 वर्ष पूरा होने के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि 'लोग' स्थायी, उच्च-प्रदर्शन मानक बनाते हैं। कुमार ने आगे कहा कि हम मिलकर भविष्य के लिए तैयार संस्कृति का निर्माण करेंगे और इंडियन ऑयल को भारत के ऊर्जा भविष्य के प्रकाश स्तंभ में बदल देंगे। कुमार ने बताया कि इंडियन ऑयल-डे पर हमने अपने लोगों का जश्न मनाया। उन्होंने अपनी समर्पित टीम की उपलब्धियों को मान्यता देते हुए, हमने स्वच्छता पुरस्कार, सुझाव योजना, व्यावसायिक स्वास्थ्य और कल्याण सूचकांक के विजेताओं और हमारे उभरते हुए खेल सितारों को सम्मानित किया। इसके अलावा हमने अपने प्रमुख महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'आरोही' के सातवें संस्करण का भी गर्व से शुभारंभ किया।

वी. सतीश कुमार ने इंडियन ऑयल के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

एजेंसी
नयी दिल्ली। वी. सतीश कुमार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है। कुमार आईओसी निदेशक (विपणन) के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए अध्यक्ष के रूप में भी काम करेंगे। वह विपणन निदेशक के पद पर अक्टूबर 2021 से हैं।

कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि इंडियन ऑयल वी. सतीश कुमार का उनके निदेशक (विपणन) के रूप में मौजूदा भूमिका के अलावा अध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में उनकी नई भूमिका में हार्दिक स्वागत करता है। वह पेट्रोलियम उद्योग में 35 वर्षों से अधिक के प्रभावशाली कार्यकाल के साथ कुमार की विशेषज्ञता और दूरदर्शी दृष्टि इंडियन ऑयल को अधिक नवाचार और विकास की ओर ले जाएगी, जिससे वैश्विक ऊर्जा नेता के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होगी।उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) के पूर्व चेयरमैन एस. एम. वैद्य ने शनिवार को अपना कार्यकाल पूरा होने के उपरांत पद छोड़ दिया था। श्रीकांत माधव वैद्य पेट्रोलियम उद्योग में विगत 37 वर्षों से ज्यादा की विशेषज्ञ के साथ वैश्विक ऊर्जा टेक्नोक्रेट के रूप में प्रतिष्ठित हैं। हालांकि, वे अपनी दूसरी पारी की शुरुआत कहां से करेंगे इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है।

चाय उद्योग के लिए खपत में सुस्त वृद्धि, उच्च खाद्य महंगाई चिंता का विषय: उद्योग

गुवाहाटी। घरेलू खपत में धीमी वृद्धि, बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति और कोविड महामारी के बाद निर्यात में धीमी गति से सुधार चाय उद्योग के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टी ट्रेडर्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने यह कहा। चाय उत्पादक संघ और टी बोर्ड इंडिया देश में धीमी मांग वृद्धि से चिंतित हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टी ट्रेडर्स एसोसिएशन (एफएआईटीटीए) के अध्यक्ष संजय शाह ने शनिवार शाम यहां अपनी 10वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा कि खुदरा विक्रेताओं के रूप में, हम बाजार की गतिविधियों को करीब से देख रहे हैं। खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ता स्तर भी चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि इसका उपभोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शाह ने कहा, ''आवश्यक वस्तुओं में उच्च मुद्रास्फीति गैर-आवश्यक वस्तुओं की मांग पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। आवश्यक वस्तुओं में भी, उपभोक्ता कम कीमत वाले गैर-प्रीमियम उत्पादों की ओर रुख कर सकते हैं।'' एफएआईटीटीए के चेयरमैन ने यह भी कहा कि बाजार में चाय की कीमतों में कई दौर की वृद्धि को सहन करने की क्षमता को लेकर चिंताएं हैं। यह वृद्धि पिछले साल मुख्य कच्चे माल की कीमतों में तेज वृद्धि को देखते हुए अपरिहार्य हो गई हैं। उन्होंने कहा कि महामारी की अवधि से मांग में कुछ सुधार के साथ, 2022-23 में औसत कीमतें 180 रुपये प्रति किलो थीं। शाह ने कहा कि 2022 में, 'ऑर्थोडॉक्स' (खुली) चाय बाजार में उछाल था क्योंकि श्रीलंका की स्थिति भारत के पक्ष में हो गई थी।

अगस्त में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.50 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) शुद्ध राजस्व संग्रह चालू वित्त वर्ष में अगस्त में1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले वित्त वर्ष में इसी महीने के 1.41 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व की तुलना में 6.5 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी निदेशालय द्वारा जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार रिफंड के बाद अगस्त 2024 में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 150501 करोड़ रुपये रहा है जो अगस्त 2023 के शुद्ध संग्रह 141346 करोड़ रुपए से 6.5 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में कुल जीएसटी संग्रह 174962 करोड़ रुपये रहा है जो अगस्त 2023 के 159069 करोड़ रुपए की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। अगस्त में संग्रहित राजस्व में सीजीएसटी 30862 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 38411 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 93621 करोड़ रुपये है, जिसमें आयात पर संग्रहित 49028 करोड़ रुपये भी शामिल है। इसके साथ ही जीएसटी क्षतिपूर्ति कर के तौर पर 12098 करोड़ रुपये ,जिसमें आयात पर संग्रहित 948 करोड़ रुपये भी शामिल है।

इस हफ्ते गुलजार रहेगा देश का आईपीओ मार्केट, 5 नए आईपीओ खुलेंगे

एजेंसी
नयी दिल्ली। सितंबर के पहले सप्ताह में ही घरेलू शेयर बाजार नए आईपीओ और नई लिस्टिंग के कारण काफी गुलजार रहने वाला है। पहले सप्ताह में ही 5 कंपनियों के आईपीओ खुलने वाले हैं, जबकि 10 कंपनियों के शेयरों की घरेलू मार्केट में एंट्री होने वाली है।

प्रिसीशन कॉम्पोनेंट बनाने वाली कंपनी गाला प्रिसीशन इंजीनियरिंग का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। 04 सितंबर तक इस आईपीओ के तहत आवेदन किया जा सकेगा। इस आईपीओ के तहत 135.34 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ के लिए 503 रुपये से लेकर 529 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 05 सितंबर को किया जाएगा। अलॉटमेंट के बाद 09 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी एंट्री होगी।

इसी तरह कल ही जेयम ग्लोबल फूड्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए जारी खुलेगा। इस आईपीओ के तहत भी 04 सितंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। आईपीओ के द्वारा 73.54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके लिए 59 रुपये से लेकर 61 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। 05 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होने के बाद 09 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री होगी।

इसी तरह मैच कॉन्फ्रेंसेज एंड इवेंट्स का आईपीओ 04 सितंबर से 06 सितंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के तहत 50.15 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ का प्राइस बैंड 214 रुपये से लेकर 225 रुपये तय किया गया है। कंपनी द्वारा शेयरों का अलॉटमेंट 09 सितंबर को किया जाएगा, जबकि 11 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

04 सितंबर को ही नमो ई-वेस्ट मैनेजमेंट का 51.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। 06 सितंबर तक इस आईपीओ में आवेदन किया जा सकेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 80 रुपये से 85 रुपये तय किया गया है। कंपनी द्वारा 9 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद 11 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

इसके अलावा माय मूंदड़ा फिनकॉर्प का आईपीओ 05 सितंबर को खुलेगा। 33.26 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 09 सितंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। आईपीओ के लिए 104 रुपये से लेकर 110 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 10 सितंबर को होगा। इसके बाद 12 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग की जाएगी। कल से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान ही 10 कंपनियों की घरेलू शेयर मार्केट में एंट्री होने वाली है। इनमें प्रीमियर एनर्जीज की 03 सितंबर को लिस्टिंग होगी। इसी तरह ईको मोबिलिटी की लिस्टिंग 04 सितंबर को और बाजार स्टाइल रिटेल की लिस्टिंग 06 सितंबर को की जाएगी। यह तीनों मेनबोर्ड आईपीओ हैं। मतलब इन शेयरों को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगह लिस्ट किया जाएगा। इसके अलावा 07 कंपनियों के शेयरों की एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी।

वित्तीय समावेशन प्रतिबद्धता को मजबूती से पूरा कर रहा है आईपीपीबी

नयी दिल्ली। देश भर में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाला इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने अपने सातवें स्थापना दिवस पर वित्तीय समावेशन की प्रतिबद्धता को मजबूती से पूरा करने को दोहराया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक सितम्बर 2018 को देश भर में इसकी शुरुआत किए जाने के बाद से, आईपीपीबी वंचित और बैंकिंग सेवाओं से वंचित परिवारों को उनके दरवाजे पर सुलभ, सस्ती और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके भारत के वित्तीय परिदृश्य को बदलने में सबसे आगे रहा है।

एटीएफ 4,567.76 रुपये प्रति किलोलीटर तक सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 4,495.50 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की संभावना है। नई दरें लागू हो गई हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 4,495.50 रुपये घटकर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर से 93,480.22 रुपए किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 4,217.56 रुपये घटकर 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर से 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। वहीं, चेन्नई में एटीएफ 4,567.76 रुपये सस्ता होकर 97,064.32 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है इसके अलावा कोलकाता में एटीएफ 4,222.44 रुपये कम होकर 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर से 96,298.44 रुपये किलोलीटर हो गया है। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन में हवाई ईंधन के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की उम्मीद है। एटीएफ की दरों का सीधा असर विमान किराये पर दिखता।

अगस्त महीने में जीएसटी से भरा सरकार का खजाना, सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी
नई दिल्ली। सितंबर महीने के पहले दिन ही केंद्र सरकार के लिए टैक्स कलेक्शन के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। जारी हुए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़ों में अगस्त में जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ गया है। जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा 1.75 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया है। हालांकि, ये आंकड़ा जुलाई महीने की तुलना में कम है। जुलाई के महीने में सरकार के खजाने में जीएसटी के रूप में 1.82 लाख करोड़ रुपये आए थे। हालांकि, वार्षिक आधार पर देखा जाए तो पिछले साल इसी अवधि में 1.59 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था।

सरकार की ओर से आज जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के महीने में कुल 1,74,962 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ।

इसमें सीजीएसटी 39,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 33,548 करोड़ रुपये शामिल हैं। इन आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 5 महीने के दौरान जीएसटी कलेक्शन 10.1 प्रतिशत बढ़कर 9.14 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान घरेलू राजस्व 9.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 12.1 प्रतिशत बढ़कर 49,976 करोड़ रुपये हो गया। अगस्त के महीने में 24,460 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो सालाना आधार पर 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाते हैं।

रिफंड के एडजस्टमेंट के बाद नेट डोमेस्टिक रेवेन्यू 1.11 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध जीएसटी रेवेन्यू पिछले महीने की तुलना में 6.5 प्रतिशत बढ़ कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया।

अधिकांश खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख; चीनी-गुड़ महंगा

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा जबकि मांग निकलने से चीनी और गुड़ महंगा हो गया वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 101 रिंगिट उछलकर 4076 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.83 सेंट की तेजी के साथ 42.37 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

शेयरों के उच्च मूल्यांकन से सतर्क रहेगा बाजार

एजेंसी
मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के सितंबर में ब्याज दर में कटौती शुरू करने की उम्मीद के बीच स्थानीय स्तर पर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का निवेश प्रवाह मजबूत रहने से बीते सप्ताह डेढ़ प्रतिशत से अधिक चढ़कर सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा बाजार अगले सप्ताह शेयरों के ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली होने की आशंका को लेकर सतर्क रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1279.56 अंक अर्थात 1.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर 82365.77 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 412.75 अंक यानी 1.7 प्रतिशत उछलकर 25235.90 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 743.44 अंक अर्थात 1.54 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 49065.36 अंक और स्मॉलकैप 339.66 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 56021.55 अंक पर रहा।विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू अर्थव्यवस्था में नए कारकों की कमी के बावजूद घरेलू निवेशकों के मजबूत निवेश प्रवाह और सितंबर की बैठक में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने के कारण बाजार ने व्यापक स्तर पर सुधार दिखाया और नए उच्च स्तर को पार किया।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी का भाव भी टूटा

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। आज की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73,190 रुपये से लेकर 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,100 रुपये से लेकर 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 87,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पांगणा क्षेत्र में दाड़ु-जंगली अनार के तुड़ान का सीजन हुआ शुरु

एजेंसी
मंडी। जंगली अनार जिसे स्थानीय भाषा में दाड़ु कहा जाता है का पांगणा उप-तहसील क्षेत्र में तुड़ान का सीजन शुरु हो गया है। पज्याणु निवासी रमेश शास्त्री व सुभाषपालेकर प्राकृतिक खेती की जिला मंडी की सलाहकार लीना शर्मा का कहना है कि दाड़ु पूर्णतः प्राकृतिक और जैविक फल है। इसमें किसी भी प्रकार के कीटनाशक छिड़काव व रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं होता। दाड़ु के बीजो का धूप मे सुखाया बीज ही अनारदाना कहलाता है। अनारदाना खट्टा-मीठा वात,पित, कफ रोग नाशक है। अनारदाना तृषिदायक, वीर्यवर्द्धक, बुद्धिवर्द्धक तथा बल दायक माना गया है। दाड़ु का कंटीला वृक्ष मध्य आकार का होता है। दाड़ु का यह वृक्ष पांगणा, सुई-कुफरीधार, मशोग, गलयोग सौणी, परेसी, धार-बेलर, बलिंडी, कांढा, बगसाड़, साहज, नांज, तत्तापानी, बसंतपुर आदि पंचायतों सहित सभी स्थानों पर पाया जाता है। दाड़ु के फल के भीतर मणियों के समान लाल कांति वाले दाने ही अधिकतर प्रयोग में लाए जाते है। दाड़ु के फल की बाहर की छाल निकालकर इन दानों को धूप मे सुखा लिया जाता है। कच्चा अनारदाना सफेद रंग का तथा कसैला और पक्का अनारदाना लाल व खट्टा मीठा होता है।

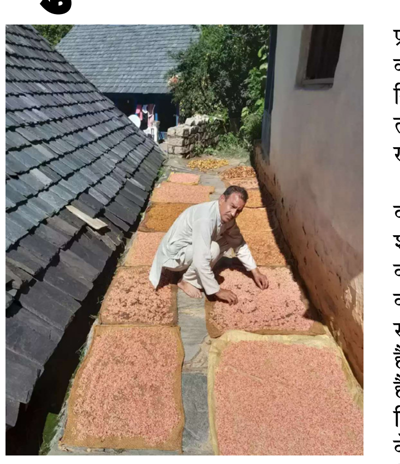

दाड़ु लोगों की आर्थिकी के लिए प्रकृति का वरदान है। स्थानीय निवासी डॉक्टर जगदीश शर्मा का कहना है अनारदाना अनेक रोगों की औषध भी है। प्रत्येक घर मे अनारदाना की चटनी का प्रयोग होता है। इसके सेवन से पाचन संबंधित रोगों का नाश तो होता ही है, शरीर मे दिन भर स्फूर्ति भी बनी रहती है। अनारदाना बलकारक पित्तनाशक, वात विनाशक हल्का शीतल होता है। यह रक्त के विकार, वमन, अरुचि, अजीर्ण और निर्बलता का नाश करता है। अनार के फूल नकसीर को दूर करते है। बच्चो के अतिसार मे इसकी कली को बकरी के दूध के साथ घीसकर चटाते है। अनारदाना से दाड़िमाष्टक चूर्ण बनाया जाता है। यह चूर्ण आमातिसार, अग्निमान्द्य, अरुचि खांसी, हृदय की पीड़ाएपसली के दर्द, ग्रहणी और गुल्म नाशक है।

दाड़िमावलेह का प्रयोग पित्तविकार दाह,अम्लपित्त, रक्त पित, क्षय, प्यास, अतिसार संग्रहणी, कमजोरी, नेत्ररोग, शिरोभाग, लू लगना, धातुस्त्राव, अरूचि आदि विकारों में किया जाता है।

अनारदाना के व्यवसायी धर्मपाल गुप्ता का कहना है कि आजकल अनारदाना का मूल्य 300 से 500 रुपए प्रति किलोग्राम है। अच्छे पके अनार दाने के और अच्छे दाम मिल सकते है। लोग कच्चे दाड़ु का तुड़ान कर सफेद अनारदाना बेच रहे हैं जिससे उन्हें अच्छे दाम नहीं मिल रहे है। अतः दाड़ु पकने पर ही तुड़ान करें।

आईपीपीबी ने वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता को किया मजबूत

एजेंसी
नई दिल्ली। देश भर में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाला इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने गर्व के साथ अपना 7वां स्थापना दिवस मनाया। संचार मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि आईपीपीबी ने वित्तीय समावेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। संचार मंत्रालय के जारी बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में देशभर में इसकी शुरुआत की थी। इसके बाद से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक वंचित और बैंकिंग सेवाओं से वंचित परिवारों को उनके घर के दरवाजे पर सुलभ, सस्ती और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके भारत के वित्तीय परिदृश्य को बदलने में सबसे आगे रहा है।

मंत्रालय के मुताबिक आईपीपीबी ने पिछले सात वर्षों के दौरान इंडिया पोस्ट के 1,61,000 से अधिक डाकघरों और 1,90,000 डाक कर्मचारियों के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए वित्तीय समावेशन को खाई को पाटने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। आईपीपीबी के अभिनव दृष्टिकोण ने यह सुनिश्चित किया है ताकि देश भर में लाखों लोगों, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच हो जिससे डोरस्टेप डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के साथ हर घर को सशक्त बनाकर राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दिया जा सके। संचार मंत्रालय ने भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया कि अब तक 9.88 करोड़ से अधिक ग्राहक खाते अधिग्रहित किए गए हैं। वहीं, 12 लाख से अधिक व्यापारियों को जोड़ा गया है।

विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सफलतापूर्वक वितरित की गई है। इसके अलावा 7.10 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए आधार कार्ड हेतु मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा प्रदान की गई है, जबकि 20 लाख से अधिक पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सेवाएं सक्षम की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) की स्थापना डाक विभाग, संचार मंत्रालय के तहत की गई है, जिसकी 100 फीसदी इक्विटी भारत सरकार के स्वामित्व में है। इसे 01 सितंबर, 2018 को लॉन्च किया गया था। इस बैंक की स्थापना भारत में आम आदमी के लिए सबसे सुलभ, किफायती और भरोसेमंद बैंक बनाने के उद्देश्य से की गई है। आईपीपीबी का मूल उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित और कम बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों के लिए बाधाओं को दूर करना है।

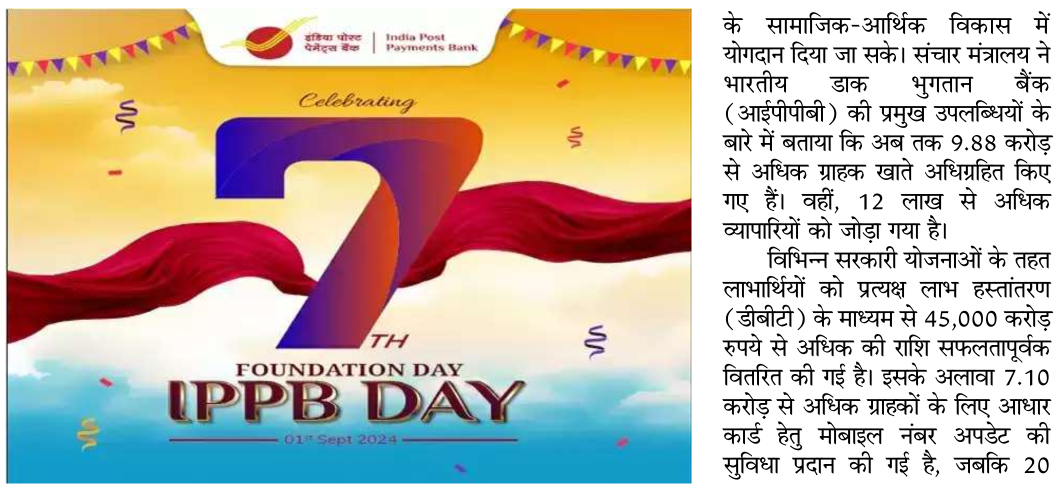

बेली फैट दिख रहा तो मोटापा नहीं ब्लोटिंग होती है जिम्मेदार, जानें कैसे करें दूर

पेट के हिस्से में कपड़े की फिटिंग चुस्त होने का मतलब हर बार वजन बढ़ना नहीं होता। यह ब्लोटिंग यानी पेट में सूजन की समस्या भी हो सकती है। क्या है ब्लोटिंग और कैसे इससे पाएं छुटकारा, बता रही हैं शमीम खान।

आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि कल तक जो जींस बिल्कुल ठीक आ रही थी, आज वो इतनी टाइट हो गई है कि आप उसे पहन भी नहीं पा रहीं? ऐसा होने पर हम सब तुरंत वजन बढ़ने का रोना रोने लगते हैं। पर, समझने वाली बात है एक दिन में मोटापा इतना नहीं बढ़ सकता। रात भर में कपड़े टाइट होने का कारण अपका बढ़ा वजन नहीं बल्कि ब्लोटिंग यानी पेट फूलना हो सकता है। ब्लोटिंग की समस्या स्थायी और अस्थायी दोनों हो सकती है। वैसे तो इसे पाचन तंत्र से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन कई बार ब्लोटिंग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकती है। ब्लोटिंग या पेट फूलने को पेट की सूजन भी कहते हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण है, आंतों में बहुत अधिक मात्रा में गैस बनना। खाना खाने के बाद ब्लोटिंग होना पाचन तंत्र से संबंधित समस्याओं के कारण हो सकता है। कई बार खानपान से संबंधित गलतियों के कारण भी यह समस्या हो सकती है, जैसे बहुत अधिक मात्रा में खाना, जल्दी-जल्दी खाना, खाने को ठीक तरह से पचा न पाना आदि। ब्लोटिंग होने के कई गंभीर कारण भी हो सकते हैं, जिनमें फूड एलर्जी से लेकर कैंसर तक शामिल हैं। अगर ब्लोटिंग की समस्या अस्थायी है तो थोड़े समय में ठीक हो जाती है, लेकिन अगर बार-बार ब्लोटिंग हो और लंबे समय तक बनी रहे तो इसे गंभीरता से लें। ब्लोटिंग का सबसे पहला लक्षण होता है, पेट फूलना। लेकिन इसके अलावा कई और लक्षण दिखाई दे सकते हैं, जैसे पेट में कड़ापन और दबाव महसूस होना। कभी-कभी पेट दर्द और पेट में सूजन भी हो सकती है। ब्लोटिंग होने पर ऐसा महसूस हो सकता है जैसे हमने बहुत ज्यादा खा लिया है। 10 से 25 प्रतिशत सेहतमंद लोगों को नियमित रूप से ब्लोटिंग की समस्या होती है। 75 प्रतिशत लोगों में इस बीमारी के लक्षण हल्के से लेकर गंभीर होते हैं, वहीं 10 प्रतिशत लोगों को नियमित रूप से इस समस्या से जूझना पड़ता है। आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित 90त्न लोगों को ब्लोटिंग की समस्या होती है, वहीं पीरियड शुरू होने से पहले और पीरियड के दौरान 75 प्रतिशत महिलाएं ब्लोटिंग से परेशान रहती हैं।

मोटापा और ब्लोटिंग का फर्क

ब्लोटिंग के कारण अकसर लोग टाइट फिंटग के कपड़े नहीं पहन पाते, इसलिए उन्हें ऐसा महसूस होता है कि वो मोटे हो गए हैं। लेकिन मोटापे और पेट फूलने या ब्लोटिंग में कोई संबंध नहीं है। मोटापा ज्यादा स्थायी होता है, जिसमें शरीर में वसा की परतें जम जाती हैं। वहीं, ब्लोटिंग सिर्फ पेट में होती है और इसके कारण कमर का घेरा कुछ इंच बढ़ सकता है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं है कि इससे वजन बढ़ता है।

क्यों होती है ब्लोटिंग?

फूड इन्टॉलरेंस यानी जब हमारा शरीर कुछ खास खाद्य पदार्थों को नहीं पचा पाता है, तो ब्लोटिंग की समस्या होती है।इरिटेबल बाउर्ल सड्रोम यानी आईबीएस में आंतों में मौजूद बैक्टीरिया अत्यधिक संवेदनशील हो जाते हैं, जिससे पेट फूलने की समस्या हो जाती है।

कई बार पेट फूलने की समस्या किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकती है जैसे किडनी व लिवर खराब होना और कैंसर आदि।हॉर्मोन असंतुलन का प्रभाव हमारे पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। हॉर्मोन असंतुलन से जूझ रहे लोग अकसर पेट फूलने की समस्या का शिकार भी हो जाते हैं।

पाचन तंत्र से संबंधित गड़बड़ियां पेट फूलने का सबसे प्रमुख कारण है। खाना खाने के बाद छोटी आंत में अधिक मात्रा में गैस बनने के कारण अकसर पेट फूलने की समस्या होती है। ई महिलाओं को पीरियड शुरू होने के पहले या इसके दौरान पेट फूलने की समस्या हो जाती है।

कब्ज, शरीर में पानी कम होने, फाइबर का सेवन कम मात्रा में करने, पाचन तंत्र के ठीक तरह से काम न करने या किसी और स्वास्थ्य समस्या के कारण ब्लोटिंग हो सकती है।जब हम खाने के साथ बहुत अधिक मात्रा में हवा निगल लेते हैं तो उसे एरोफेगिया कहते हैं। एरोफेगिया ब्लोटिंग का कारण बन सकता है। जल्दी-जल्दी खाना खाने, च्युंगम चबाने और कोल्ड ड्रिंक्स आदि का सेवन करने से हम ज्यादा मात्रा में हवा निगल लेते हैं।

लोटिंग को यूं दें मात

1) पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में फाइबर का सेवन करें। हेल्थ जर्नल नेचर में छपे एक शोध के अनुसार, महिलाओं के लिए प्रतिदिन 25-30 ग्राम और पुरुषों के लिए 35-40 ग्राम फाइबर का सेवन ठीक रहता है। फाइबर के लिए फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों का सेवन अधिक से अधिक मात्रा में करें।

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना।

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फ़ीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। 'डंकी रूट' एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था। रिश्तेदारों के मुताबिक, इस धन से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी।

माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है। संभावित प्रवासियों के लिए यह निर्णय भारी कीमत और बहुत बड़े जोखिम के साथ आता है। विडम्बना देखिये कि मुट्ठी भर डंकी प्रवासियों की सफलता की कहानियां बहुसंख्यकों को गुमराह करती हैं। हर कोई प्रवास के लाभों के बारे में बात करता रहता है, लेकिन कोई भी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में बात नहीं करता।

संपादकीय

प्रदूषण से जंग

यह खबर उत्साहवर्धक है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया वार्षिक रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं,लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' में यह भी चेताया गया है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, पीएम-2.5 हवा में विद्यमान ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो हमारे श्वसनतंत्र पर घातक प्रभाव डालते हैं। उल्लेखनीय है कि एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है।बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल ठंड की दस्तक के बाद पराली जलाने और दिवाली पर पटाखे फोड़ने के बाद जो प्रदूषण का बड़ा संकट खड़ा होता है, उसमें हम अपनी जिद व लापरवाही की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है।

दरअसल, पीएम-2.5 कणों की सांद्रता बढ़ाने में हमारी लापरवाही की बड़ी भूमिका होती है, जिसमें सड़कों पर बढ़ते वाहनों का दबाव भी शामिल है। जिसके मूल में हमारी लचर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि शहरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता। हालिया कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है।

निस्संदेह, लगातार जहरीली होती हवा से मुक्ति नीति-नियंताओं की प्राथमिकता में शामिल होनी चाहिए। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अमेरिकी स्वप्न का अंत निकट तो नहीं

अमेरिका विश्व के लगभग समस्त देशों पर अपनी चौधराहट सफलतापूर्वक लागू करता रहा है। पूरे विश्व में, एक तरह से लगभग समस्त क्षेत्रों में, विभिन्न प्रकार की नीतियों को प्रभावित करने में अमेरिका सफल रहा है एवं इस प्रकार अपनी प्रसारवादी नीतियों को भी लागू करता रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका की आंतरिक स्थिति, लगभग समस्त क्षेत्रों यथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आदि, में लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका सहित विकसित देशों की, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में, आंतरिक स्थिति को देखते हुए अब तो पश्चिमी सभ्यता पर ही प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में आर्थिक विपन्नता एवं परिवार तथा समाज के खंड खंड होने के बाद पश्चिमी सभ्यता को पतित सभ्यता कहा जाने लगा है और इसे अब अमेरिकी स्वप्न के अंत की शुरुआत भी माना जाने लगा है।अमेरिका में तो राष्ट्रीय ऋण 35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार, सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इसका आशय यह है कि आय की तुलना में ऋण अधिक ले लिया गया है। अमेरिकी वित्त व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि अमेरिकी सरकार को अपने सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी बाजार से और अधिक ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है और इस उद्देश्य से प्रति वर्ष अमेरिकी संसद में स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पहुंचना होता है। यह स्थिति है विश्व के सबसे अधिक शक्तिशाली देश अमेरिका की।

इसे भी पढ़ें÷ विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

वर्ष 1776 में जब पूंजीवाद के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ ने अपनी कृति ÷द वेल्थ आफ नेशनस÷ नामक किताब जारी की थी उस समय पूंजीवाद अपने शैशावस्था में ही था। उनका महत्वपूर्ण मुख्य सिद्धांत था कि व्यवसायी, जो अपनी लाभप्रदता को अधिकतम करना चाहते हैं, वे अपने व्यवसाय को बहुत ही कुशलता के साथ चलाना चाहते हैं। इस तरह ये व्यवसायी न केवल अपने आप को धनाडय बनाएंगे बल्कि वह देश इन धनाडयों के संसाधनों को जोड़कर स्वयं भी एक धनी देश बन जाएगा। पूरी 19वीं शताब्दी एवं 20वीं शताब्दी में अमेरिका इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहा है एवं अपने देश में धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि करता रहा है। इससे अमेरिकी नागरिकों में व्यक्तिवाद पनपा एवं वे परिवार एवं समाज के भले को भूलकर केवल अपने बारे में ही सोचने लगे एवं अपने व्यापार को पूरे विश्व में फैलाने लगे। इससे अमेरिका में गरीबों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही।

अमेरिका की 1940 के दशक में पूरे विश्व के विनिर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई थी, परंतु अब यह घटकर 17 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कई उद्योगों के मामले में उत्पादन का जो एकाधिकार अमेरिका के पास होता था वह एकाधिकार अब अन्य देशों के पास चला गया है। अमेरिकी कम्पनियों ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के स्वास्थ्य खर्चे की पूरी लागत स्वयं वहन करना प्रारम्भ किया था। अमेरिका में श्रम लागत भी बहुत अधिक बढ़ चुकी थी, अन्य देशों में श्रमिक, अमेरिकी श्रम लागत की तुलना में, आधी से भी कम राशि में ही काम करने को तैयार हो रहे थे। इस बीच अमेरिकी सरकार ने आय कर की दरें भी बढ़ाकर 35 प्रतिशत से अधिक कर दी थीं। जबकि अन्य देशों में आय कर की दरें 20/25 प्रतिशत थीं। इससे अमेरिका में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी। अतः धीरे धीरे अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होने लगीं। वर्ष 1979 में अमेरिका में 20 प्रतिशत श्रमिक विनिर्माण इकाईयों में कार्यरत थे अब यह संख्या घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। अमेरिका में 2 करोड़ कर्मचारी विनिर्माण इकाईयों में कार्य कर रहे थे जो घटकर 1 करोड़ 20 लाख हो गए हैं। अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है।1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है। ब्यूरो आफ लेबर स्टेटिस्टिक्स-मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर- वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर

थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं।

अमेरिका में समय के साथ साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो बहिस्त्रोतन (आउट्सॉर्सिंग) के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अतः अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है।उक्त कारणों के चलते अमेरिका में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी के चलते इस वर्ग के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती है, यह वर्ग बहुत ही तंग हालत में रहता है एवं अंततः सामाजिक अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाता है। इनके मकानों में बहुत कम सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। अमेरिका में गरीबी रेखा का निर्धारण अमेरिका के कृषि विभाग द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। वर्ष 2015 में गरीबी आंकलन के लिए प्रत्येक चार व्यक्तियों के परिवार के लिए प्रतिवर्ष 24,300 अमेरिकी डॉलर की आय तय की गई थी। इससे कम आय वाले परिवार गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं। आय की उक्त गणना के आधार पर अमेरिका में 13.5 प्रतिशत परिवार (4.31 करोड़ अमेरिकी नागरिक) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे।

गरीब वर्ग के नागरिकों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने के चलते अमेरिका में 22 लाख अमेरिकी गरीब नागरिक जेलों में बंद थे एवं 50 लाख गरीब नागरिक पैरोल अथवा परीक्षण पर थे एवं अन्य 10 लाख नागरिक जो जेलों से छूट गए थे, वे न तो पेरोल पर थे और न ही परीक्षण पर थे, परंतु वे कभी भी पुनः जेलों में भेजे जा सकते हैं।

आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नागरिकों के अतिरिक्त 20 लाख से 30 लाख नागरिक ऐसे भी हैं जिनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है जिन्हें यहां ÷होमलेस÷ कहा जाता है। 50 लाख अमेरिकी नागरिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं एवं 80 लाख नागरिक सामाजिक सुरक्षा एवं विकलांग योजना का लाभ ले रहे हैं।

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है।

करोड़ों अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिक केयर डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यदि यह सुविधा उपलब्ध भी है तो चार में से केवल एक नागरिक को ही डॉक्टर से उसी दिन का मिलने का समय मिल पाता है। अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में इस प्रकार के हालात देख कर अब तो कई अर्थशास्त्रियों द्वारा आर्थिक विकास के पूंजीवादी मॉडल पर ही प्रश्नचिन्ह लगाया जाने लगा है एवं यह कहा जा रहा है कि कहीं अमेरिकी स्वपन का अंत निकट तो नहीं है।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद

रिया चक्रवर्ती

का पेट क्यों खराब हो गया था? तीन साल तक रहीं परेशान

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने लंबे समय से बड़े पर्दे से दूरी बना रखी है. अब हाल ही में उन्होंने अपना पॉडकास्ट शुरू किया है. अपने पॉडकास्ट में रिया चक्रवर्ती अक्सर अपने बीते कल के बारे में बात करती रही हैं. अब एक इंटरव्यू में उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद मीडिया ट्रायल और ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि वो अपने दिमाग की शांति के लिए लोगों को माफ करने के लिए मजबूर हो गई थीं.साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया था. उनकी मौत की जांच के केंद्र में सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती रही थीं. रिया को सुशांत सिंह की मौत के बाद मीडिया ट्रायल और ऑनलाइन ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था. ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ हाल ही में उन्होंने मीडिया ट्रॉयल और ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने शादी की प्लानिंग के बारे में भी बताया. साथ ही ये भी बताया कि अब ट्रोल्स उन्हें परेशान क्यों नहीं करते हैं.

माफ करने के लिए हो गई थीं मजबूर

रिया चक्रवर्ती ने कहा, शुरू में मुझे नहीं लगा कि जो कुछ भी हुआ उसके लिए मैं दिल से किसी को माफ कर पाऊंगी. लेकिन मेरे लिए ये काफी आसान रास्ता था क्योंकि मैं लंबे समय से इसको लेकर गुस्से में थी. ज्यादा गुस्से की वजह से मुझे पेट से जुड़ी कई प्रॉब्लम और एसिडिटी हो गई थी. मैं करीब तीन साल तक एसिडिटी से बुरी तरह परेशान रही. ऐसे में जो कुछ हुआ उसके लिए माफ करना ही मेरे लिए एक ऑप्शन बन गया. फिर मैं लोगों को माफ करने के लिए लगभग मजबूर हो गई थी.

कुछ लोग अभी भी मेरी हिट लिस्ट में हैं

रिया चक्रवर्ती ने ये भी कहा, अगर मैं पूरी ईमानदारी से कहूं तो मैंने सभी को माफ नहीं किया है. कुछ लोग अभी भी मेरी हिट लिस्ट में हैं. अगर ऐसा होता है कि मेरी लाइफ मुझे ऐसी जगह ले जाती है जहां मुझमें काफी ताकत हो और मैं चीजों को सही कर सकूं, तो मैं जरूर करूंगी.जिस वक्त सुशांत की मौत हुई उस वक्त एक्ट्रेस रिया उन्हें डेट कर रही थीं. सुशांत की मौत के बाद ड्रग्स मामले में रिया को जेल भी जाना पड़ा था. उन्हें 28 दिन बायकुला जेल में रहने के बाद जमानत मिली थी.

मुझे लोग चुड़ैल, काला जादू करने वाली कहते हैं- रिया

सुशांत की मौत के बाद से उन्हें लगातार सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया. फिर कैसे उन्होंने इसे नजरअंदाज करना सीखा, इसके बारे में एक्ट्रेस ने कहा, आज दुनिया में सबसे मशहूर लोग सबसे ज्यादा ट्रोल किए जाने वाले हैं. मुझे अभी भी ट्रोल किया जाता है. लोग मुझे चुड़ैल, काला जादू करने वाली, नागिन तक कहते हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है.

600 करोड़ कमाकर भी

श्रद्धा कपूर

इस मामल में दीपिका पादुकोण को नहीं दे पा रहीं टक्कर!

Stree 2 इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई है. 'फाइटर', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'शैतान' और 'औरों में कहां दम था' जैसी फिल्मों को मात देकर इस पिक्चर ने बॉक्स ऑफिस में 457 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. श्रद्धा कपूर के अब तक के करियर की 'स्त्री 2' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है. इस फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर की काफी तारीफ हो रही है. उन्होंने बेहद सादगी के साथ अपना किरदार दर्शकों के सामने पेश किया है. लेकिन श्रद्धा कपूर को आज तक वो मौके नहीं मिले, जो दीपिका पादुकोण को मिल चुके हैं.दीपिका ने अपनी पिक्चरों में तलवार बाजी करने से लेकर फाइटर प्लेन उड़ाने तक का कारनामा करके दिखाया है. दीपिका का करियर ग्राफ बेहद शानदार हैं. उनके हिस्से में एक से बड़ी एक फिल्में आई हैं. इतना ही नहीं दीपिका पादुकोण इकलौती ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होने 1000-1000 करोड़ वाली 3 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर परोसी हैं. उनका ये खिताब छीनना तो दूर, बाकी एक्ट्रेस का वहां तक पहुंचना भी मुश्किल है. लेकिन श्रद्धा कपूर को अभी तक कुछ हटकर करने का मौका नहीं मिला है. वहीं दीपिका को अलग-अलग अवसर मिलते रहते हैं.

फाइटर - साल 2024 की शुरुआत में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की 'फाइटर' ने थिएटर पर दस्तक दी थी. इस फिल्म में दीपिका को हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स करते हुए देखा गया था. हालांकि उन्होंने इसके लिए खास ट्रेनिंग ली थी. 'फाइटर' के स्टंट के लिए हॉलीवुड स्टंटमैन ने स्टार्स को ट्रेंड किया था. दीपिका ने भी मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी. इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स भी मिला था.पठान - दीपिका पादुकोण की पहली 1000 करोड़ी फिल्म 'पठान' उनके लिए कई मायनों में खास है. ह्ुत्रन्न स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में दीपिका को जबरदस्त एक्शन सीन्स करते हुए देखा गया था. शाहरुख खान के साथ दीपिका की कैमिस्ट्री को हर बार पसंद किया जाता है. इस फिल्म के लिए दीपिका ने एक्शन सीन्स के लिए ट्रेनिंग ली थी. पठान के लिए दीपिका के वर्कआउट में फंक्शनल ट्रेनिंग और योग शामिल किया गया था. वह हफ्ते में 6 दिन अपने हर दिन के 1.5 घंटे वर्कआउट को देती थीं.

XXX-रिटर्न ऑफ जेंडर ङ्क दीपिका पादुकोण बॉलीवुड में अपनी तगड़ी छाप छोड़ने के साथ-साथ उन्होंने हॉलीवुड फिल्म में भी काम किया है. XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर' में दीपिका ने हॉलीवुड के मशहूर एक्टर विन डीजल के साथ स्क्रीन शेयर की है. इस फिल्म के साथ उन्होंने हॉलीवुड में डेब्यू किया था.

इतनी ताकत किसी में नहींज'अनुपमा' से बाहर निकाले जाने की बात पर सुधांशु पांडे ने तोड़ी चुप्पी

छोटे पर्दे का मशहूर टीवी शो 'अनुपमा' के फैन्स को बड़ा झटका लगा है. इस शो में पहले रक्षाबंधन के बाद से वनराज शाह को नहीं दिखाया गया, जिसके बाद खुद वनराज यानी सुधांशु पांडे ने खुलासा कर दिया कि वो अब इस शो में नजर नहीं आएंगे. उन्होंने अपने फैन्स को खुद ये जानकारी इसलिए दी ताकी वो सभी सोच में न पड़ जाए कि आखिर वो कहां गए. सुधांशु ने एक लाइव सेशन के दौरान बताया कि अब वो अनुपमा का हिस्सा नहीं है और उन्होंने सभी को थैंक्स भी कहा. सुधांशु के बाद अब शो की कहानी में बड़ा मोड़ आ गया है.वनराज के बाद शो से अनुपमा और अनुज कपाड़िया का रोल भी खत्म कर दिया है. इन तीनों पर ही ये पूरा शो टिका था और तीनों ही लीड किरदार अब इस शो में आगे नजर नहीं आएंगे. अनुपमा यानी रूपाली गांगुली और अनुज यानी गौरव खन्ना भी इस शो को अलविदा कह रहे हैं. मेकर्स ने इस शो में 'मान' की लव स्टोरी को बेहद खूबसूरती के साथ खत्म किया है. फैन्स की आंखें नम हैं और वो अब समझ नहीं पा रहे हैं कि शो में आगे क्या होगा. इसी बीच ये भी खबरें आ रही थीं कि सुधांशु ने शो छोड़ा नहीं है, बल्कि उन्हें प्रोड्यूसर राजन शाही ने बाहर किया है.

माना जा रहा था कि सुधांशु स्क्रीप्ट में दखल देने लगे थे. उनकी इस आदात से मेकर्स परेशान होने लगे ते, जिसके चलते उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया. इन्हीं खबरों के बीच अब एक्टर का रिएक्शन सामने आया है. उन्होंने शो छोड़ने के बाद पहली बार मीडिया से बात की. हाल ही में, सुधांशु पांडे को एक इवेंट में देखा गया. इवेंट में उनसे अनुपमा से रूपाली गांगुली और प्रोड्यूसर राजन शाही की वजह से बाहर होने को लेकर सवाल पूछा.

शो से निकाले जाने पर सुधांशु का जवाब

सुधांशु पांडे ने सवाल का जवाब देते हुए कहा, ऐसे कोई जिम्मेदार हो सकता है किसी के बाहर जाने के लिए? नहीं ना? वो मेरी इच्छा है, के मैं कुछ करना चाहता हूं या नहीं करना चाहता हूं, तो अगर मैंने फैसला किया कि अब मैं थोड़ा आगे बढ़ना चाहता हूं तो मैंने वो फैसला लिया लिया और मैं मूव ऑन कर गया. कोई इसके लिए जिम्मेदार नहीं है और कोई जिम्मेदार हो भी नहीं सकता और शायद इतनी ताकत किसी में है भी नहीं की कोई जिम्मेदार हो मेरे जैसे एक्टर को निकालने के लिए या कहीं से जाने के लिए.

वेब सीरीज में हाईजैकर्स के नाम भोला-शंकर रखने पर बवाल, लेखक ने बता दिया सच

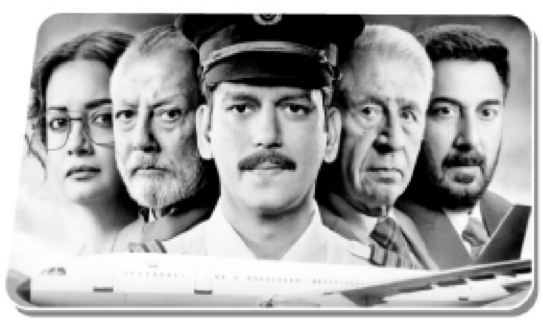

नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, विजय वर्मा और दीया मिर्जा जैसे सितारों वाली वेब सीरीज़ 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होने के साथ ही विवादों में घिर गई. इसमें हाईजैकर्स के नाम को लेकर सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं. सीरीज में हाईजैकर्स के नाम भोला और शंकर हैं. इसी पर बवाल मच रहा है. अब लेखक नीलेश मिश्रा ने पूरे विवाद पर रिएक्शन दिया है.

'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' सीरीज़ नीलेश मिश्रा की किताब से प्रेरित है. नाम को लेकर विवाद बढ़ता देख नीलेश मिश्रा ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर सच्चाई बताई है. एक यूजर के एक्स पोस्ट पर जवाब देते हुए उन्होंने कोट ट्वीट किया है. यूज़र ने अपने पोस्ट में लिखा है, 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' तब तक ठीक लगती है जब तक वो हाईजैकर्स के नाम शंकर और भोला नहीं रखते हैंज्सच में, क्या बकवास है ये अनुभव सिन्हा.

दिया ये जवाब

यूज़र के इस ट्वीट का जवाब देते हुए नीलेश मिश्रा लिखते हैं, शंकर, भोला, बर्गर, डॉक्टर और चीफ, जो कि उस वक्त जेल में बंद मसूद अज़हर का भाई था. सभी हाईजैकर्स ने झूठे नाम रखे थे. इसी तरह वो एक दूसरे से बात करते थे और हाईजैकिंग के दौरान इसी तरह से पैसेंजर्स भी उन्हें पुकारा करते थे. सादर, आईसी-814 हाईजैकिंग पर किताब लिखने वाला पहला लेखक.

साल 1999 में हुई इस हाईजैकिंग के दौरान आतंकियों ने अपने कोड नेम रखे थे. वो हाईजैकिंग के दौरान उन्हीं कोड नेम के ज़रिए एक दूसरे से बात किया करते थे. यही वजह है कि वेब सीरीज़ में भी उन्हीं नामों का इस्तेमाल किया गया है. हालांकि आरोप लग रहे हैं कि सीरीज़ में हाईजैकर्स के असली नाम के बारे में नहीं बताया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक हाईजैकर्स के असली नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर सैयद, सन्नी, अहमद काज़ी और ज़हूर मिस्त्री और शाकिर थे.

अपने एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा है, मेरी किताब में आतंकवादियों के असली नाम, उनकी फोटो, उनके शहर, उनके कोड नेम, सब हैं. ये वेब सीरीज मेरी किताब पर आधारित नहीं है. न मैंने ये सीरीज देखी है और न मैं किसी तौर पर इसका हिस्सा हूं.

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाए?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्त्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हो उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए. इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आड़ू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शुगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2575

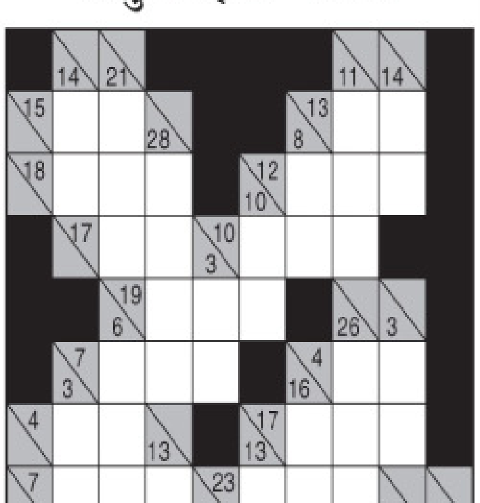

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2574 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक आदमी तोता खारीदने के लिए तोते वाले के पास गया और एक तोते की ओर इशारा करके पूछा, 'यह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '3 हजार रुपए का.'

आदमी ने पूछा, 'अरे इतना महंगा?'

तोते वाला बोला, 'यह तोता फोन अटेंड कर लेता है.'

फिर आदमी ने दूसरे तोते के बारे मे पूछा, 'वह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '5 हजार रुपए का.'

वह आदमी बोला- 'यह इतना महंगा क्यों है?'

तोते वाले ने कहा, 'यह फोन अटेंड भी कर लेता है और मैसेज भी नोट कर लेता है.'

उस आदमी ने फिर एक तीसरे तोते के बारे में पूछा, 'इसमें क्या खास बात है?'

तोते वाला बोला, 'यह तो पता नहीं, लेकिन दोनों तोते इस तोते को बॉस कहकर पुकारते हैं.'

☺ ☺ ☺

मालिक गुस्से में नौकर से- 'मैं एक घंटे से घंटी बजा रहा हूं.'

नौकर तुरंत बोला- आप मालिक है. एक घंटे तो क्या आप सारे दिन घंटी बजा सकते हैं.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2575

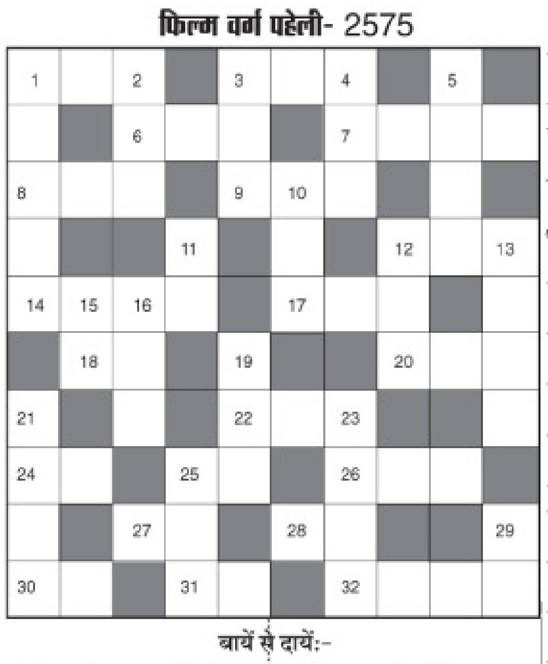

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरुद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, रइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2574

सूडोकु -2575

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2574 का हल

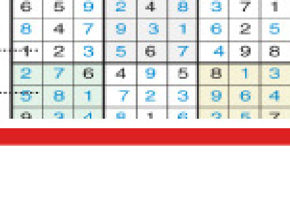

शब्द पहेली - 2575

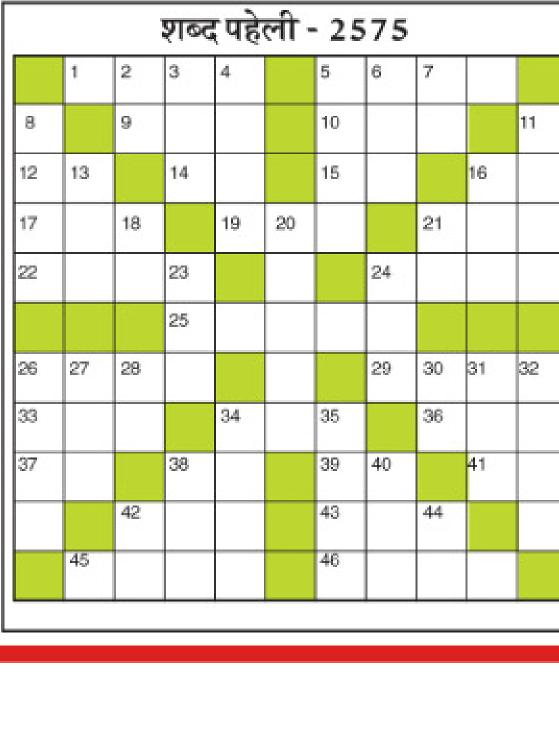

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बदाणा,काबुली-3
42.स्तर,पस्त-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -2574 का हल

जिला बाल संरक्षण इकाई समीक्षा बैठक आयोजित

एजेंसी

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह जिले में ब्लॉक वाले गठित आरकेएस एवं आरबीएस टीमों के माध्यम से विद्यालयों में अभियान चलाते हुए बच्चों की आंखों का चेकअप करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश जिला बाल संरक्षण इकाई डूंगरपुर की समीक्षा बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि इन टीमों के माध्यम से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की आंखों की जांच की जाएं। इसमें जिन बच्चों को आंखों में विजन अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या होने पर उनकी सूची तैयार की जाएं, जिससे कि उनका समुचित उपचार करवाया जा सके। इसके लिए उन्होंने बैठक में मौजूद अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में मिशन वात्सल्य योजना, जिले में बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत से सिविल संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी, कोमल शॉर्ट मूवी का प्रचार, बाल नशा मुक्ति अभियान, राजकीय एवं गैर राजकीय बल देखरेख संस्थानों में बच्चों के नियमित चिकित्सा परीक्षण, बाल श्रम एवं बाल विवाह पर स्थानीय भाषा में डॉक्यूमेंट्री तैयार करने, बाल श्रम एवं पैन इंडिया के तहत की गई कार्रवाई एवं प्रयास, लहंगे कपड़ा तो उसे बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत दर्ज प्रकरणों की स्थिति आदि अन्य बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

खंडवा के ओंकारेश्वर तीर्थ नगरी में घायल तेंदुआ मिला

खंडवा। ओंकारेश्वर तीर्थ नगरी के धाबड़िया गांव के जंगल में आज एक घायल तेंदुआ मिला। तेंदुए की जानकारी मिलने के तुरंत बाद फॉरेस्ट विभाग की टीम और वन अमला मौके पर पहुंच गया। इस क्षेत्र में पिछले चार-पांच दिनों से दो तेंदुओं के मूवमेंट की जानकारी थी, जिसने स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी थी। अब, जंगल में मिले इस घायल तेंदुए के साथ लोग सेल्फी ले रहे हैं, और बड़ी संख्या में लोग इसे देखने के लिए जुटे हैं। इस स्थिति को देखते हुए, वन विभाग ने सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने और तेंदुए के इलाज के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जयपुर में भव्य पुलिस अलंकरण समारोह : 103 पुलिसकर्मी सम्मानित

जयपुर। पुलिस मुख्यालय के चतुर्थ तल पर सोमवार को आयोजित भव्य अलंकरण समारोह ने पुलिस विभाग के गौरवशाली कार्यों की झलक पेश की। सीआईडी अपराध शाखा के 103 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके अतुलनीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक, सर्वोत्तम सेवा चिन्ह और अति उत्तम सेवा चिन्ह शामिल थे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध राजस्थान, जयपुर दिनेश एम एन ने पुलिसकर्मियों को सम्मानित करते हुए सभी पुलिसकर्मियों को बधाई दी और उन्हें प्रेरित किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में और भी अधिक जोश और ऊर्जा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है और भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से फोन पर की बात

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति को लेकर वहां के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू केंद्र सरकार के साथ नियमित परामर्श कर रहे हैं। इस मौके पर उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन आया। अमित शाह ने आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक बाढ़ राहत उपाय प्रदान करने का वादा किया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आशंका जताई है कि कृष्ण नदी और प्रश्न बैराज का जल स्तर और बढ़ेगा तथा स्थिति और गंभीर होगी, जिससे प्रशासन को पूरी सतर्कता से निपटना होगा। अमित शाह से बातचीत के बाद चंद्रबाबू ने केंद्रीय गृह सचिव से बात की। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत उपायों के लिए राज्य में तत्काल बिजली नौकाएं लाने के मुद्दे पर चर्चा की गई। गृह सचिव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से एनडीआरएफ की 10 और टीमें तुरंत भेजी जा रही हैं। गृह सचिव ने कहा कि एनडीआरएफ की प्रत्येक टीम में 25 कर्मी.. प्रत्येक टीम के लिए चार पावर बोट.. ये सभी कल (सोमवार) सुबह से पहले विजयवाड़ा पहुंच जाएंगी। राज्य में कुल 40 पावर बोट भेजी जा रही हैं। केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि एनडीआरएफ की चार और टीमें कल हवाई मार्ग से राज्य में भेजी जाएंगी, 6 हेलीकॉप्टर राहत कार्यों में शामिल होंगे। इस बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी से भी गृहमंत्री अमित शाह की बातचीत हुई। तेलंगाना के लिए आज दोपहर बाद नौसेना के पावर बोट और एनडीआरएफ के टीम बचाव और राहत कार्यों में जुड़ गए।

आबकारी नीति कथित घोटाला, सुप्रीम कोर्ट ने नायर को दी जमानत

एजेंसी

देहरादून। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले के आरोपियों में शामिल आम आदमी पार्टी (आप) के संचार विभाग के प्रभारी विजय नायर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज धन शोधन के मुकदमे में सोमवार को जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता नायर के 23 महीने से हिरासत में होने और इस मामले में सुनवाई में देरी को मुख्य आधार मानते हुए जमानत याचिका मंजूर की।

पीठ ने कहा कि ईडी आश्वासन के बावजूद समय पर सुनवाई पूरी नहीं कर पाई और अभी करीब 350 गवाहों से पूछताछ की जानी है। आगे कहा कि याचिकाकर्ता 23 महीने से हिरासत में है। मुकदमा सजा नहीं बन सकता। शीर्ष अदालत ने श्री नायर को जमानत पर रिहा करते हुए कहा, इस मामले में याचिकाकर्ता 23 महीने से हिरासत में है और मुकदमा शुरू हुए बिना विचाराधीन कैदी के रूप में

उसकी कैद सजा का तरीका नहीं हो सकती। अगर याचिकाकर्ता को मुकदमा शुरू किए बिना जेल में रखा जाता है तो जमानत नियम है और जेल अपवाद है यह सार्वभौमिक नियम विफल हो जाएगा।

पीठ ने कहा, जब मनीष सिसोदिया (दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री) का मामला इस अदालत में आया था, तब ईडी ने आश्वासन दिया था कि छह से आठ महीने के भीतर सुनवाई पूरी कर ली जाएगी, लेकिन देखा जा सकता है कि अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। ईडी ने 30 अक्टूबर 23 को 6-8 महीने के भीतर सुनवाई पूरी करने का आश्वासन दिया था।, लेकिन यह देखा गया है कि 40 लोगों को आरोपी बनाया गया और अभियोजन पक्ष करीब 350 गवाहों से पूछताछ करना चाहता है।

श्री नायर को दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े जांच में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमे में नवंबर 2022 में जमानत मिल गई थी।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दिल्ली के मुख्य सचिव की रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की गई थी। इसके बाद ईडी और सीबीआई ने कथित घोटाले के संबंध में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए थे।

श्री नायर पर आरोप है वह 100 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत की राशि कुछ नेताओं और अधिकारियों को हस्तांतरित या वितरित में शामिल थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले साल जुलाई में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया, इसके बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

बेतिया में भव्य दंगल प्रतियोगिता का आयोजन, मंत्री रेणु देवी ने किया शुभारंभ

एजेंसी

बेतिया। मझौलिया प्रखंड के जौकटिया पंचायत स्थित राम जानकी मंदिर बड़ा मलाही टोला में एक भव्य दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार सरकार की मंत्री और बेतिया विधायक रेणु देवी ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में मंत्री रेणु देवी ने कहा, कुश्ती और व्यायाम जीवन में स्वस्थ रहने के लिए अनिवार्य हैं। इस दंगल प्रतियोगिता से समाज के युवाओं में सद्बुद्धि और उत्साह का संचार होता है। शुभारंभ के बाद सुमंत दास ने दंगल में शामिल पहलवानों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रतियोगिता का पहला राउंड बलिया के अंचल पहलवान और सुमंत दास के बीच हुआ, जिसमें सुमंत दास विजय घोषित हुए। दूसरे राउंड में मोनू पहलवान (मोनू) बनारस, उत्तर प्रदेश और सुरेंद्र पहलवान (राजस्थान) के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें मोनू पहलवान ने जीत दर्ज की। तीसरे राउंड में प्रयागराज, उत्तर प्रदेश की रोशनी पहलवान और देवरिया की कविता पहलवान के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रोशनी पहलवान विजयी रहीं। चौथे राउंड में बक्सर, बिहार के प्रदुमन पहलवान और

गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश के सोनू पहलवान के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें प्रदुमन पहलवान ने जीत हासिल की। पांचवे और अंतिम राउंड में राजस्थान और बिहार के पहलवानों के बीच एक रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें बिहार के पहलवान ने विजय प्राप्त की। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतियोगिता की सराहना की और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

जर्केन गैमलिन ने ली अरुणाचल सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ

एजेंसी

ईटानगर। मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) जर्केन गैमलिन ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश सूचना आयोग (एपीआईसी) के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) के रूप में शपथ ली।

यहां राजभवन के दरबार हॉल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एक संक्षिप्त प्रभावशाली समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। पिछले 12 अगस्त को पूर्व सीआईसी रिनचेन दोरजी की सेवानिवृत्ति के बाद राज्य मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) का पद खाली था।

नवनियुक्त सीआईसी अपने पद पर प्रवेश करने की तारीख से तीन साल तक या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक पद पर रहेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में अन्य लोगों के अलावा गृह मंत्री मामा नातुंग, महिला एवं बाल विकास मंत्री दासांगलू पुल, विधानसभा अध्यक्ष टेसम पोंगटे, उप सभापति कार्डो न्यिग्योर, कई विधायक और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जयपुर के खो-नागोरियान में नूर का बांध टूटा: कब्रिस्तान में घुसा पानी, 5 शवों को बहते देख स्थानीय लोग मदद को पहुंचे

एजेंसी

जयपुर। जयपुर के खो-नागोरियान में स्थित नूर का बांध सोमवार को अचानक टूट गया, जिससे इलाके में खलबली मच गई। तेज बारिश के चलते बांध की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे पूरा बांध भर गया और इसका पानी कब्रिस्तान में बहने लगा। इस अप्रत्याशित घटना ने कब्रिस्तान में रखे गए 5 शवों को बाहर निकाल दिया, जो पानी के साथ बहते हुए नाले तक पहुंच गए।

घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने शवों को पानी से बाहर निकालने के लिए रस्सी का इस्तेमाल किया। यह दृश्य काफी विचलित करने वाला था, क्योंकि शवों को बहते हुए देखकर स्थानीय निवासी जल्दी से जल्दी मदद करने के प्रयास में जुट गए। स्थानीय निवासी इब्राहिम ने बताया कि झालाना की पहाड़ियों के पीछे स्थित नूर का बांध की भराव

क्षमता लगभग 25 फीट थी। भारी बारिश के कारण बांध पूरी तरह भर गया था। पिछले साल भी इसी प्रकार की समस्या का सामना किया गया था, लेकिन वन विभाग ने कच्चा रास्ता बनाकर पानी निकालने की व्यवस्था की थी। रविवार रात की तेज बारिश के बाद बांध की दीवार पर पानी का दबाव बढ़ गया और एक हिस्सा टूट गया। इससे पानी कब्रिस्तान में बहने लगा, जिससे वहां रखे शवों को निकालना पड़ा। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।ष्टक्क मालवीय नगर, आदित्य पूनिया के अनुसार, दीवार के टूटने से कब्रिस्तान में पानी भर गया था और ढलान के कारण पानी अपने स्तर पर नीचे उतर गया। शवों के अवशेष पानी की सतह पर आ गए थे, और पुलिस ने बांध के टूटे हिस्से की ओर जाब्ता तैनात कर दिया ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मिलकर शवों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और घटना की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कदम उठाए।

अयोध्या में हवाई अड्डे के करीब से भारतीय सेना हटाएगी अपनी फायरिंग रेंज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने अयोध्या से अपनी फायरिंग रेंज हटाने का फैसला लिया है, क्योंकि यह नए हवाई अड्डे के उड़ान मार्ग में है। इसके अलावा सेना चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्वोत्तर के अग्रिम क्षेत्रों में फायरिंग रेंज बढ़ाने की तैयारी में है, ताकि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात बलों को युद्ध के लिए तैयार रखा जा सके। एक अन्य फैसले में देश की 58 छावनियों में से 10 को खत्म करने के लिए चिह्नित किया गया है। भारतीय सेना के पास अभी तक अभ्यास के लिए देश भर में 24 अधिसूचित फायरिंग रेंज हैं। इनमें से छह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हैं, जहां पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ लगातार संघर्ष क्षेत्र बना हुआ

है। अब भारतीय सेना पूर्वोत्तर क्षेत्र में फायरिंग रेंज का विस्तार कर रही है, ताकि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात अपने बलों को युद्ध के लिए तैयार रखा जा सके। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने पिछले साल सेना को मंडला और कमराला में जमीन के दो टुकड़े सौंपने का फैसला किया था। ये दोनों तवांग में यांग्त्से के करीब हैं। इसी के करीब तवांग में 9 दिसंबर, 2022 को चीनी पीएलए ने घुसपैठ करने की कोशिश की थी, जिस पर टकराव भी हुआ था। लगभग 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इन दोनों जगहों पर सेना की फायरिंग रेंज का निर्माण किया जाएगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने फायरिंग अभ्यास के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भूमि को गैर-अधिसूचित कर दिया है, जिसके बाद सेना की इस जमीन का अधिग्रहण कई हाई-प्रोफाइल औद्योगिक घरानों ने किया है। इसके बाद सेना ने अयोध्या में अपनी फायरिंग रेंज को स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। इसके पीछे बताया गया है कि नए हवाई अड्डे के उड़ान मार्ग में टकराव से बचने के लिए अयोध्या में सेना की फायरिंग रेंज को गैर-अधिसूचित किया गया है।

हालांकि, सेना इस फायरिंग रेंज का उपयोग करना जारी रखती है लेकिन भारतीय सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अयोध्या में हवाई अड्डा बनने के बाद से इस भूमि का उपयोग युद्धाभ्यास, फील्ड और आर्टिलरी फायरिंग के लिए करना सुरक्षित नहीं रहा है।

कांग्रेस बड़ा परिवार इसमें राव नरबीर सिंह का स्वागत है : चिरंजीव राव

एजेंसी

रेवाड़ी । जैसे जैसे चुनाव की तारीखें नज़दीक आ रहीं है वैसे वैसे सियासी पारा भी बढ़ता जा रहा हैं। लालू प्रसाद यादव के दामाद कांग्रेस विधायक चिरंजीव राव ने बच्चों के साथ सियासी शॉट लगाता तो राजनीति गलियारों में हलचल चुनाव की होने लगी। चिरंजीव राव ने कहा कि इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला रहेगा। जिन लोगों को कांग्रेस में टिकट कटने का ख़तरा लग रहा हैं वह भाजपा की ओर भाग रहें हैं। जब चुनाव नजदीक आते है तो राजनीति में भगदड़ होना स्वाभाविक बात हो जाती हैं। छ्वछ्वक्कसे भाजपा में गए विधायकों पर कहा भी चुनावी माहौल में ऐसा होता हैं।

चिरंजीव राव ने भाजपा नेता राव नरबीर के कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले सवाल पर कहा कि यह उनका अपना निजी बयान हैं। कांग्रेस एक बड़ा परिवार हैं, इसमें उनका स्वागत हैं। चिरंजीव राव ने सीएम

नायब सिंह के 85 पार के नारे पर पलटवार करते हुए कहा कि 74 पार के बाद 40 पर सिमट गए थे और अब 85 पार बोला है लेकिन 10 सीटें मुश्किल से आएंगी। प्रदेश में कांग्रेस की लहर हैं लोकसभा से भी अच्छा प्रदर्शन कांग्रेस प्रदेश की करेंगी।

69,000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर प्रदर्शनकारियों ने किया केशव प्रसाद मौर्य के घर का घेराव, पुलिस से हुई झड़प

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को 69,000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर प्रदर्शनकारियों ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भी झड़प हुई।

सोमवार सुबह प्रदर्शनकारी यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव करने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें डिप्टी सीएम के आवास से पहले ही रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद हंगामा किया और केशव प्रसाद के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारी मौके पर ही डटे रहे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पकड़कर गाड़ी में बैठाया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले चार साल से अपनी मांगों को

लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। हमारी डिमांड है कि सरकार सभी मांगों को पूरा करें। बता दें कि प्रदर्शनकारी 69,000 शिक्षक भर्ती मामले में नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। यूपी में 69 हजार शिक्षक भर्ती का मामला लंबे समय से चल रहा था। बीते दिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने इस भर्ती की मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया। साथ ही कोर्ट ने 3 महीने के भीतर नई मेरिट लिस्ट जारी करने का भी आदेश दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोर्ट के फैसले पर कहा था, 69,000 शिक्षक भर्ती भी आखिरकार भाजपाई घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार की शिकार साबित हुई। यही हमारी मांग है कि नए सिरे से न्यायपूर्ण नई सूची बने, जिससे पारदर्शी और निष्पक्ष नियुक्तियां संभव हो सके और प्रदेश में भाजपा काल मे बाधित हुई शिक्षा-व्यवस्था पुनः पटरी पर आ सके। हम नई सूची पर लगातार निगाह रखेंगे और किसी भी अभ्यर्थी के साथ कोई हकमारी या नाइंसाफी न हो, ये सुनिश्चित करवाने में कंधे-से-कंधा मिलाकर अभ्यर्थियों का साथ निभाएंगे। ये अभ्यर्थियों की संयुक्त शक्ति की जीत है। सभी को इस संघर्ष में मिली जीत की बधाई और नव नियुक्तियों की शुभकामनाएं!

कन्नौज दुष्कर्म मामला : नवाब सिंह की मुश्किलें बढ़ी, डीएनए सैंपल हुआ मैच, दुष्कर्म की पुष्टि

एजेंसी

कन्नौज । उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के बहुचर्चित दुष्कर्म मामले में आरोपी नवाब सिंह यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि पीड़िता और आरोपी नवाब सिंह का डीएनए मैच हो गया है, जिससे दुष्कर्म की पुष्टि हुई है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। नवाब सिंह यादव ने किशोरी से दुष्कर्म किया है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है। दरअसल यूपी के कन्नौज में सपा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया था। नवाब सिंह के डीएनए में किशोरी के सैंपल से मिलान हुआ है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि की बात कहते हुए यह जानकारी दी है। किशोरी से

दुष्कर्म के प्रयास में 12 अगस्त को पुलिस ने सपा के पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव को गिरफ्तार किया था। घटना के समय पीड़ित पक्ष व आरोपी अपने विद्यालय चंदन सिंह महाविद्यालय में था।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख की गिरफ्तारी का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इसमें पीड़िता बगैर टॉप के कॉलेज के गेट पर खड़ी है। वीडियो में पीड़िता के साथ पुलिस अंदर कमरे में पहुंचती है। कमरे के अंदर बेड पर नवाब सिंह लेटा हुआ है। जबकि पीड़िता की बुआ पास में कुर्सी पर बैठी हैं।

ज्ञात हो कि कन्नौज के तिर्वा तहसील क्षेत्र की एक महिला अपनी नाबालिग भतीजी के साथ देर रात किसी तरह चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय पहुंची। यहां एक कमरे में दोनों ठहरी थीं। इस दौरान नवाब सिंह भी वहां मौजूद था।

आरोप है कि महिला बाथरूम चली गई, तभी नवाब सिंह यादव निवासी अडंगापुर ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इसी बीच किशोरी ने यूपी 112 पर फोन कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने सपा नेता को महाविद्यालय के कमरे से गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के मुताबिक जिस समय वह कमरे में दाखिल हुई उस समय पूर्व सपा नेता इनरवियर में थे। पुलिस ने पूछताछ की और बुआ-भतीजी व आरोपी को कोतवाली ले आई। पीड़िता ने कोर्ट में दुष्कर्म का बयान दिया था। इसके बाद डीएनए टेस्ट कराया गया था। डीएनए रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि किशोरी के साथ नवाब सिंह यादव ने दुष्कर्म किया था।

झारखंड में कांस्टेबल बहाली की दौड़ में एक और युवा ने तोड़ा दम, अब तक 12 मौतें, सरकार की चुप्पी पर सवाल

एजेंसी

रांची । झारखंड में उत्पाद विभाग में कांस्टेबल की बहाली 'मौत की रेस' बन गई है। एक घंटे में 10 किलोमीटर की दौड़ लगाने में सोमवार को एक और युवा की सांसें टूट गई। मृत युवक का नाम दीपक कुमार पासवान (25 वर्ष) है। वह पलामू जिले के पांडू थाना क्षेत्र के वृद्धखेरा गांव का रहने वाला था। दीपक 28 अगस्त को पलामू के चियांकी में बहाली के लिए आयोजित दौड़ में शामिल हुआ था और इस दौरान बेहोश होकर गिर पड़ा था। सोमवार को रांची के मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इसके साथ ही राज्य में कांस्टेबल बहाली की दौड़ के दौरान मरने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 12 हो गई है। राज्य में एक्साइज डिपार्टमेंट में कांस्टेबल के 583 पदों पर बहाली हो रही है। इसके लिए राज्य के पांच लाख से भी ज्यादा युवाओं ने आवेदन किया

है। इनमें ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और अन्य उच्च डिग्रीधारी युवा भी शामिल हो रहे हैं, जबकि इसके लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है।

बहाली के लिए शारीरिक परीक्षा के तहत अलग-अलग जिले में 22 अगस्त से दौड़ प्रतियोगिता कराई जा रही है। इसमें पुरुष अभ्यर्थियों के लिए एक घंटे में 10 किलोमीटर और महिलाओं के लिए 40 मिनट में पांच किलोमीटर की दौड़ पूरी करने की शर्त रखी गई है। पिछले 11 दिनों के दौरान यह कठिन दौड़ पूरी करने में 300 से भी ज्यादा अभ्यर्थी बेहोश हुए हैं। युवाओं की लगातार मौत और बेहोश होने की घटनाओं पर सरकार की ओर से अब तक कोई पक्ष सामने नहीं आया है। इन घटनाओं को लेकर पिछले तीन दिनों में रांची, हजारीबाग, देवघर और गिरिडीह जिले में प्रदर्शन हुए हैं। बहाली की दौड़ के दौरान पलामू में अब तक सबसे ज्यादा पांच युवाओं की मौत हुई है। इनमें बिहार के गया निवासी अमरेश कुमार, रांची के ओरमांझी निवासी अजय महतो, पलामू के छतरपुर निवासी अरुण कुमार और गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार भी शामिल हैं।

हजारीबाग के पदमा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में बहाली के लिए चल रही दौड़ में अब तक दो युवकों सूरज वर्मा और महेश कुमार की जान गई है। गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, रांची और साहिबगंज में भी एक-एक अभ्यर्थी की मौत हुई है।

झारखंड पुलिस के आईजी अभियान अमोल होमकर ने कहा है कि अब तक हुई मौतों को लेकर पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर जांच शुरू की है। सभी बहाली केंद्रों पर मेडिकल टीम तैनात है। जिन युवाओं की मौत हुई है, उनमें से कुछ के बारे में यह बात सामने आई है कि उन्होंने दवाइयों का सेवन किया था।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोल्स और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (01 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

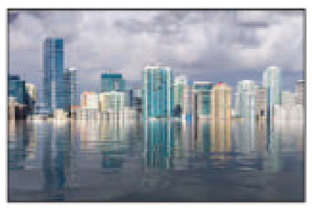

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

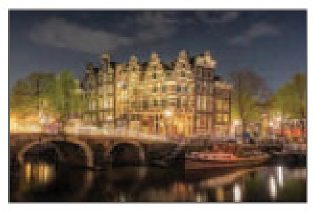

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

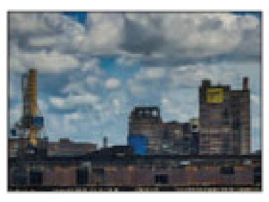

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चींटियां

चींटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चींटियां अपने धुन की पक्की होती है और चींटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चींटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चींटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चींटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चींटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चींटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

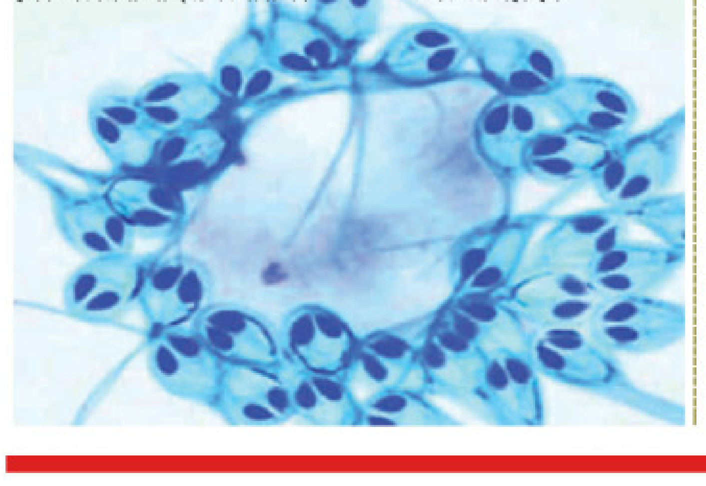

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

गस एटकिंसन का पंजा, श्रीलंका ने 190 रन से गंवाया दूसरा टेस्ट

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में चौथे दिन ही श्रीलंका को 292 रन पर सिमेटकर 190 रन से जीत हासिल कर ली है। जीत के लिए विश्व-रिकॉर्ड 483 रन का पीछा करते हुए श्रीलंका ने चाय के विश्राम तक सात विकेट पर 260 रन बनाए थे लेकिन तीसरे सेशन में जैसे ही वह खेलने के लिए आए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने पारी को सिमेटने में वक्त नहीं लगाया। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 53 रन पर करने के बाद रात्रि प्रहरी प्रभात जयसूर्या (चार) का विकेट जल्दी ही गवां दिया। वह क्रिस वोक्स की गेंद पर दूसरे स्लिप में लपके गये। करुणारत्ने और एंजेलो मैथ्यूज (36) ने इसके बाद 55 रन की साझेदारी कर पारी को संवारा। करुणारत्ने टेस्ट में 54वीं बार अर्धशतक लगाने के बाद ओली स्टोन की उछाल लेती गेंद को संभालने में विफल रहे और गेंद उनके दस्तानों से टकराकर विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों में चली गई। लंच के विश्राम के बाद मैथ्यूज संभल कर बल्लेबाजी की जबकि दिनेश चांदीमल (58) ने आक्रामक रूख अपनाया। शोएब बशीर ने दोनों के बीच 59 रन की साझेदारी को मैथ्यूज को आउट कर तोड़ा। मैथ्यूज कवर क्षेत्र में वोक्स को आसान कैच देकर पवेलियन लौटे। पहली पारी में शतक लगाने वाले गस एटकिंसन ने इसके बाद चांदीमल और कामिंदु मेंडिस (चार) को चलता कर इंग्लैंड की जीत लगभग पक्की कर दी। चाय के बाद श्रीलंका टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिया। गस एटकिंसन ने 62 रन देकर पांच विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

इनियन ने जीता 13वें इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल ब्लिट्ज ओपन 2024 का खिताब

रीगा, लातविया। भारत के ग्रांड मास्टर पी इनियन ने लातवियन चेस फेडरेशन और फीडे 100 - एनिवर्सरी ब्लिट्ज टूर्नामेंट 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10/11 अंक हासिल कर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी से आधा अंक आगे रहते हुए स्पष्ट जीत हासिल की। जर्मनी के इंटरनेशनल मास्टर जैकब लियोन पाजेकॉन ने 9.5/11 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वही भारतीय युवा इंटरनेशनल मास्टर इलामपार्थी एआर ने 9/11 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इलामपार्थी ने नौवें राउंड में इनियन को हराया, जो इस टूर्नामेंट में इनियन की एकमात्र हार थी। फीडे मास्टर निरंजन नवलगुंड ने जीएम ओपन ए टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना अंतिम आईएम-नॉर्म प्राप्त किया। उन्होंने 6/9 अंक हासिल किए, 2517 की परफॉर्मेंस रेटिंग प्राप्त की, और 74.4 एलो रेटिंग अंक बढ़ाए। इसके साथ ही उन्होंने 2100-2199 रेटिंग श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग का पुरस्कार भी जीता। क्लासिकल में भी रहा भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा - रिगा टेक्निकल यूनिवर्सिटी ओपन 2024 में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। ब्लिट्ज इवेंट में भारतीयों ने पोडियम पर दो स्थान और शीर्ष दस में चार स्थान हासिल किए। जीएम ओपन ए टूर्नामेंट में भी तीन भारतीय शीर्ष दस में रहे और फीडे मास्टर निरंजन नवलगुंड ने अपना तीसरा आईएम-नॉर्म हासिल किया और जल्द ही वह भारत के अगले इंटरनेशनल मास्टर होंगे ।

लिटन दास का ऐतिहासिक शतक, 26/6 था स्कोर, 200 पार पहुंचाया

ढाका। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी के मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी टीम को खराब स्थिति से उभारकर शानदार शतक जड़ दिया। दास जब क्रीज पर आए थे तो बांग्लादेश के 26 रन पर ही छह विकेट गिर चुके थे लेकिन इस बांग्लादेश बल्लेबाज ने एक छोर संभाला और मेहदी हसन मिराज के साथ मिलकर 165 रनों की साझेदारी की। 65वें ओवर में लिटन ने अबरार अहमद की गेंद पर सिंगल निकालकर 100 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया।

4 शतक हुए लिटन के नाम

बांग्लादेश के लिए लिटन दास 4 शतक लगा चुके हैं। मोमिनुल हक इस लिस्ट में 12 शतक के साथ पहले स्थान पर हैं। उसके बाद मुश्फिकुर रहीम का नाम आता है जो 11 शतक लगा चुके हैं। तमीम इकबाल के भी खाते में 10 शतक दर्ज हैं। मोहम्मद अशरफुल 6 तो नजमुल हसन शान्तो, महमदुल्लाह और शाकिब 5-5 शतक लगा चुके हैं। इमरुल केस और हबिबुल बशर के नाम पर 3-3 शतक हैं।

निकोलस पूरन की ष्टक्करुमें धमाकेदार पारी, क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने टी20 क्रिकेट में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के क्रिस गेल के 9 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पूरन ने 31 अगस्त शनिवार को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ अपनी पारी में 9 छक्के लगाए जिससे उनके नाम अब तक कुल 139 छक्के हो गए हैं। पूरन ने गेल के 135 छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ा जो 2015 से कायम है। वेस्टइंडीज के इस दिग्गज बल्लेबाज के नाम इस सूची में कई प्रविष्टियां हैं। शीर्ष 10 में से 6 गेल के नाम हैं - एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में भी। यह पहली बार था जब निकोलस पूरन इस सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। पूरन ने इस सीजन में वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय टीम सहित 8 टी20 टीमों के लिए खेला है और 58 मैचों में 139 छक्के लगाए हैं।

अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल : पोलैंड, अमेरिका ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता

एजेंसी

शीआन। पोलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर-पश्चिम चीन के शांग्लुओ शहर में आयोजित अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

पोलैंड के शिमोन पिएत्रस्ज़ेक और जैकब क्रज़ेमिंस्की तथा लातविया के मैटिस साल्कोव्स्की और कार्लिस जौंडज़ेकर्स के बीच पुरुषों के फ़ाइनल में, पोलिश जोड़ी ने पहले सेट में छह सेट पॉइंट बचाए और फिर 25-23 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में, स्कोर एक बार 18-18 से बराबर हो गया था। लातवियाई जोड़ी दो में से एक मैच पॉइंट बचाने में सफल रही, लेकिन पिएत्रस्ज़ेक ने निर्णायक स्पाइक के साथ 21-19 से जीत दर्ज की। महिलाओं की प्रतियोगिता में, यू.एस. की जोड़ी मिरिया मैसी और लिली डेविस का सामना स्पेन की सोफिया इजुज्क्रिज़ा कोरुल्ला और मार्टा कैरो मार्केज़ डी एक्यूना से हुआ। पहले सेट के मध्य में अमेरिकी खिलाड़ियों ने 5 अंकों की बढ़त बना ली थी, जिसमें मैसी ने अपने लम्बे विरोधियों के खिलाफ़ स्पाइक्स और डिंक्स का प्रभावी ढंग से मिश्रण किया और अमेरिकी टीम ने पहला सेट 21-16 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में, स्पेनिश जोड़ी 1-5 से पीछे हो गई, जबकि टाइमआउट के बाद लगातार तीन अंक वापस लेने में सफल रही। हालाँकि, अमेरिकी टीम ने पूरे समय अपना नियंत्रण बनाए रखा। मैच का समापन मार्टा कैरो द्वारा नेट में सर्विस करने के साथ हुआ, जिससे अमेरिकी जोड़ी ने 21-16 से जीत हासिल कर खिताब पर कब्ज़ा कर लिया।

पेरिस पैरालिंपिक: रोमांचक मुकाबले में राकेश कुमार कांस्य पदक से चूके

एजेंसी

पेरिस। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में सोमवार (भारतीय समयानुसार) को पुरुषों के पैरा तीरंदाजी व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन कांस्य पदक मैच के रोमांचक समापन में राकेश कुमार को दिल तोड़ने वाला अंत देखने को मिला।

कुमार कांस्य पदक से चूक गए, वह 146-147 के स्कोर के साथ चीन के ही ज़ीहाओ से सिर्फ़ एक अंक पीछे रहे। नज़दीकी हार के बावजूद, कुमार का चौथा स्थान पाना पैरालिंपिक इतिहास में किसी भारतीय कंपाउंड तीरंदाज़ की सर्वोच्च उपलब्धि है। प्रतियोगिता में इससे पहले, कुमार ने राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया के विश्व नंबर 2 केन स्वगुमिलांग को हराया और क्वार्टर फाइनल में कनाडा के काइल ट्रेम्बले को हराया। हालांकि, वह सेमीफाइनल में चीन के ऐ शिनलियांग से हार गए। भारत ने अब तक चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं। निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में भी रजत पदक जीता। भारतीय पैरास्प्रिंटर प्रीति पाल ने 200 मीटर टी-35 में 30.01 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इससे पहले प्रीति ने टी35 100 मीटर दौड़ में 14.21 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय भी है।

पैरा-स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रचा इतिहास; पेरिस पैरालिंपिक में जीता दूसरा पदक

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पैरा स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रात 200 मीटर टी-35 रेस में कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इस स्पर्धा में प्रीति ने 30.01 सेकंड में दौड़ पूरी कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले शुक्रवार को प्रीति ने महिलाओं की टी35 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 14.21 सेकंड का समय लिया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी था। पैरा-एथलीट ने पेरिस पैरालिंपिक में अपना दूसरा पदक जीतने के बाद कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और मुझे खुशी है कि मैंने एक और पदक जीता। 100 मीटर में पदक जीतने के बाद लोगों ने मुझे ट्रोल किया और इससे मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा मिली।

इससे पहले, प्रीति की लगन और कड़ी मेहनत का नतीजा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए उनके चयन के रूप में सामने आया, जहां उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पेरिस पैरालिंपिक के लिए अपना कोटा प्राप्त किया।

इस पदक के साथ, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य सहित कुल छह पदक हासिल कर लिए हैं।

पेरिस पैरालंपिक : मनीषा रामदास पैरा बैडमिंटन महिला एकल के सेमीफाइनल में

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनीषा रामदास पेरिस पैरालंपिक में महिला एकल एसयू5 स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने इस स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की मामिको टोयोडा को 21-13, 21-16 से हरा दिया है।

19 वर्षीय मनीषा ने क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी मामिको टोयोडा पर शुरुआत से अपना दबदबा कायम रखा और पहला गेम 21-13 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी वह जापान की खिलाड़ी पर भारी पड़ीं। दूसरे गेम भी 21-16 अपने नाम कर मनीषा ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब मनीषा पदक पक्का करने से महज एक जीत दूर हैं। स्टार निशानेबाज अवनि लेखरा और सिद्धार्थ बाबू पेरिस पैरालंपिक में मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर पाए। 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अवनि ने इस स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 632.8 अंकों के साथ 11वां स्थान हासिल किया, जबकि सिद्धार्थ ने 628.3 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रहे। क्वालीफिकेशन राउंड से शीर्ष 8 एथलीट फाइनल में पहुंचते हैं।

पेरिस पैरालिंपिक: भाविनाबेन पटेल महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल चल रहे पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने रविवार रात मैक्सिको की मार्था वर्डिन के खिलाफ तीन सीधे सेटों (11-3, 11-6, 11-7) में अपना मैच जीता।

दूसरी ओर, दूसरी महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी सोनलबेन पटेल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गईं। वह महिला एकल - डब्ल्यूएस3 में क्रोएशिया की एंडेला मुज़िनिक विंसेटिक के खिलाफ राउंड ऑफ़ 16 में 3-11, 12-10, 7-11,5, 11 से अपना मैच हार गईं। इससे पहले 30 अगस्त को भाविना और सोनलबेन पदक जीतने से चूक गईं थीं, क्योंकि उन्हें कोरिया की यंग ए जंग और सुंघी मून की जोड़ी ने महिला डबल्स टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल में हरा दिया था। मैच 5-11, 6-11, 11-9, 6-11 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। इस बीच, सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में रजत पदक जीता। इसके साथ ही भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में अब तक कुल सात पदक हासिल कर लिए हैं, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य शामिल हैं।

पेरिस पैरालंपिक: निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 में जीता रजत पदक

एजेंसी

पेरिस। निषाद कुमार ने देर रात पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस 2024 पैरालिंपिक में भारत के लिए सातवां पदक जीता।

निषाद ने 2.04 मीटर की छलांग आसानी से लगाई, लेकिन 2.08 मीटर पर असफल रहे, अपना पहले पैरालंपिक खेलों में भाग ले रहे 24 वर्षीय भारतीय ने 2.06 मीटर के नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता। जबकि रूस के जॉर्जी मार्गिएव ने कांस्य पदक हासिल किया। यूएसए के रोडरिक टाउनसेंड ने अपने पहले प्रयास में 2.12 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। टाउनसेंड ने 2021 में भी पैरालंपिक स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में, उन्होंने चीन के हांग्जो में पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं। , भारतीय पैरास्प्रिंटर प्रीति पाल ने 200 मीटर टी-35 में 30.01 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इससे पहले, प्रीति ने 14.21 सेकंड का समय लेकर टी35 100 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है।

अजिंक्य रहाणे का शतक, प्रथम श्रेणी में 40वां, टीम पर हार का खतरा

एजेंसी

कार्डिफ । भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के 40वें प्रथम श्रेणी शतक (192 गेंद में 102 रन) की बदौलत लीसेस्टरशर रविवार को यहां काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन दो के मैच में ग्लेमोर्गन के खिलाफ अंतिम दिन हार से बचने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है। रहाणे ने अपनी पारी के दौरान 13 चौके और एक छक्का लगाया। उन्होंने साथ ही आस्ट्रेलिया के पीटर हैंड्सकॉम्ब के साथ चौथे विकेट के लिए 183 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

हैंड्सकॉम्ब 4 दिवसीय मैच के अंतिम दिन लंच तक 94 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। रहाणे और हैंड्सकॉम्ब की लीसेस्टरशर की अंतरराष्ट्रीय जोड़ी मैच बचाने के उद्देश्य से डटी रही। इससे पहले ग्लेमोर्गन के कोलिन इंग्राम ने नाबाद 257 रन की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली जिससे उसने पहली पारी 9 विकेट पर 550 रन के स्कोर पर घोषित की। लंच तक लीसेस्टरशर ने चार विकेट पर 271 रन बना लिए थे। पहली पारी में लीसेस्टरशर की टीम 251 रन पर सिमट गई थी।

पेरिस पैरालंपिक : पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या सिवान ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या स्त्रे सिवान ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में महिला एकल एसएच6 स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। खेले गए इस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने पोलैंड की ओलिविया स्ज्मिगिएल को 21-4, 21-7 से हरा दिया। 19 वर्षीय नित्या को क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की खिलाड़ी ओलिविया स्ज्मिगिएल को हराने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। नित्या ने शुरुआत से अपना दबदबा कायम रखा और पहला गेम 21-4 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी उन्होंने पोलैंड की खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और यह गेम भी 21-7 अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच करीब 19 मिनट चला। अब नित्या पदक पक्का करने से महज एक जीत दूर हैं। उनका कल यानी सोमवार को सेमीफाइनल में मुकाबला चीन की खिलाड़ी लिन शुआंगबाओ से होगा।

इस साल भारत ने पैरालिंपिक में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। भारत अब तक पेरिस पैरालंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल पांच पदक हासिल कर चुका है।

सरकार की खेल पॉलिसी से प्रतिभावान खिलाड़ियों को मिला मंच : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी इंडिया जूनियर मेन इंटर जोन चैंपियनशिप-24 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर कहा कि सरकार की खेल पॉलिसी से प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मंच मिलने के साथ उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय खेल हॉकी ने दुनिया को अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एक बार फिर यह अपने पुराने वैभव को प्राप्त कर रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश ने कई दिग्गज अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिये हैं। इनमें हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का नाम हर भारतवासी की जुबान पर है। इसके अलावा केडी सिंह बाबू, मो शाहिद, रविंद्र पाल, सैयद अली समेत दर्जनों हॉकी खिलाड़ी उत्तर प्रदेश की देन हैं। इन सभी ने ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय टीम का नेतृत्व कर देश को गौरवांवित किया है। वहीं हॉकी इंडिया जूनियर मेन इंटर जोन चैंपियनशिप जूनियर हॉकी खिलाड़ियों को भावी ओलंपिक, इंटरनेशनल, एशियाड और कॉमनवेल्थ गेम के लिए नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान कर रही है। यह काफी सराहनीय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस चैंपियनशिप में 6 टीमें एक सप्ताह तक मैच खेलेंगी। यह खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव और अवसर है क्योंकि पहले यह सुविधाएं नहीं थी। इससे कभी-कभी लगता था कि राष्ट्रीय खेल अपने ही घर में उपेक्षित है, लेकिन अब उपेक्षा नहीं बल्कि नये जोश और भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले दो ओलंपिक टोक्यो और पेरिस में भारतीय हॉकी टीम ने अपना परचम लहाराया है। इसमें दोनों बार भारतीय टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ी ललित उपाध्याय को पिछली बार ही यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी के पद पर तैनाती दी गई थी। वहीं इस बार ओलंपिक में अपना शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी डिप्टी एसपी बनाने जा रहे हैं।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल से खेल को लेकर जो पहले लोगों में नकारात्मकता का भाव था, वह आज सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रही है। इसे आगे बढ़ाने में निजी खेल अकादमी की बड़ी भूमिका है। ऐसे में इसे आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने खेल पॉलिसी बनायी हुई है। इसके तहत ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड, वर्ल्ड चैंपियनशिप आदि में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के माध्यम से सरकारी सेवा में स्थान दिया जा रहा है। इसके साथ उन्हें खेल में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ खेलों को अडॉप्ट किया जा रहा है।

पुरुष व महिला कोर ग्रुप के बेरोजगार खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया देगा दो लाख रुपए का अनुदान

एजेंसी

लखनऊ। खिलाड़ी बिना किसी दिक्कत के अपने खेल कॅरियर पर फोकस कर सके। इसके लिए हॉकी इंडिया ने बड़ी पहल की है। इसके तहत भारतीय पुरुष और महिला संभावित कोर ग्रुप के खिलाड़ियों को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिनको अभी नौकरी नहीं मिली है। यह फैसला लखनऊ में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया कांग्रेस में लिया गया। इस बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि हॉकी इंडिया फिर से हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत करेगा, जिसमें पहली बार महिलाओं की भी लीग होगी।

यह फैसला हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोलानाथ, कोषाध्यक्ष शेखर जे. मनोहरन, कार्यकारी निदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव सहित भारतीय हॉकी टीम की चयन समिति के चेयरमैन डॉ. आरपी सिंह की मौजूदगी में हुई एजीएम में लिया गया। इसी के साथ वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में हॉकी इंडिया के संस्थापक सदस्य डा.आनन्देश्वर पाण्डेय (महासचिव, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ) को खेल के प्रसार में उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।लखनऊ में पहली बार हुई हॉकी इंडिया की एजीएम में 31 राज्य सदस्य इकाई और हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक के बाद पदाधिकारियों ने लिए गए फैसलों की जानकारी दी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि दो लाख रुपए का आर्थिक अनुदान उन खिलाड़ियों को मिलेगा जिन्हें अभी तक सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में नौकरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अधिकांश हॉकी खिलाड़ियों को सार्वजनिक उपक्रमों और सरकारी विभागों द्वारा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के लिए नौकरी दी जा रही है।हालांकि यह देखने को मिला है कि सीनियर कोर ग्रुप में कुछ नए खिलाड़ी, विशेषकर महिलाओं में अभी बेरोजगार है। यह वित्तीय सहायता उन्हें या उनके परिवारों को अपनी जरूरतें पूरी करने में सहायक होगी। इस अवसर पर महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया कि हॉकी इंडिया फिर से अपनी हॉकी लीग की शुरुआत कर रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं की लीग भी होगी। इसकी शुरुआत 28 दिसंबर, 2024 से प्रस्तावित है। हमारी योजना है कि पुरुष वर्ग की लीग राउरकेला (ओडिशा) व महिला वर्ग की रांची (झारखंड) में होगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 16-17 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में होना प्रस्तावित है।अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बताया कि लीग में पुरुषों में आठ टीमों को व महिलाओं में 6 टीमों को जगह मिलेगी, जिनके बीच राउंड रॉबिन लीग के आधार पर मुकाबले होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हॉकी की बेहतरी के लिए हम जोनल ग्रास रुट प्रोग्राम को बेहतर रुप प्रदान करेंगे। महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश का हॉकी में काफी उल्लेखनीय योगदान है और हमारी योजना निकट भविष्य में लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट कराने की योजना है। हम यूपी में हॉकी को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे।इसके साथ ही लास एजेंल्स ओलंपिक-2028 को देखते हुए हम प्रतिभाशाली संभावित खिलाड़ियों का एक पूल बनाकर उनकी ट्रेनिंग कराएंगे क्योंकि उससे पहले एशियन गेम्स व वर्ल्ड कप जैसे महत्वपूर्ण आयोजन भी होंगे। इसके साथ ही एजीएम में अधिकारियों ने सीनियर और जूनियर पुरुषों और महिलाओं में भारतीय राष्ट्रीय टीमों द्वारा की गई प्रगति, भारत में आगामी आयोजनों और जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रमों पर भी चर्चा की।

अर्थराइटिस

निराशा को बदलें आशा में

जोड़ों में सूजन और दर्द से संबंधित अर्थराइटिस नामक रोग के अनेक प्रकार हैं। इस मर्ज के कारण पीड़ित व्यक्ति का चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। दुनियाभर में खासकर भारत में अर्थराइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। तभी तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बीमारी के बढ़ने पर चिंता जतायी है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस को दें आघात

आम तौर पर जिंदगी के उत्तरार्द्ध (50 साल की उम्र के बाद) में जोड़ों (ज्वाइंट्स) की कार्टिलेज के घिसने या उनमें टूट-फूट होने के कारण ऑस्टियो-अर्थराइटिस की समस्या पैदा होती है। यह साइनोवियल ज्वाइंट्स से संबंधित बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर पर अपना दुष्प्रभाव दिखाती है। इस रोग के बढ़ने पर सबकॉन्ड्रल नामक हड्डी मोटी हो जाती है, जिस कारण ऑस्टियोफाइट (हड्डी का एक अंश) का निर्माण होने

लगता है और अंतत-जोड़ टेढ़े-मेढ़े या तिरछे हो जाते हैं।

नई रिसर्च के नतीजे

- कुछ खास जेनेटिक कारण भी ऑस्टियो-अर्थराइटिस के लिए जिम्मेदार हैं।
- मैनोपॉज या रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनों के स्तर में बदलाव से महिलाओं में ऑस्टियो- अर्थराइटिस के होने का जोखिम बढ़ जाता है।
- मोटापे के कारण जोड़ों पर दबाव पड़ता है, जिसके कारण इन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में मोटापे से ग्रस्त रहने की संभावना ज्यादा रहती है।

लक्षण

- देश की महिलाओं में ऑस्टियो-अर्थराइटिस का असर उनके हाथों और घुटनों पर कहीं ज्यादा पड़ता है।
- जोड़ों में दर्द और सूजन होना।
- जोड़ों में जकड़न होना या फिर इनका जाम होना।
- चलने-फिरने और दैनिक कार्यो को करने में दिक्कत महसूस होना।
- फर्श पर बैठने-उठने और पाल्थी मारकर बैठने में परेशानी महसूस करना।

जांचें- विशेषज्ञ डॉक्टर जोड़ों की स्थिति का क्लीनिकल एग्जामिनेशन करते हैं कि जोड़ किस हद तक विकारग्रस्त हो चुके हैं और पीड़ित व्यक्ति की दिनचर्या पर कितना प्रतिकूल असर पड़ा है। इसके अलावा प्रमुख जांच एक्सरे है। रक्त परीक्षण भी कराए जाते हैं। रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित होता है कि किसी अन्य कारण से मरीज को अर्थराइटिस तो नहीं है।

शुरुआती इलाज - रोग की शुरुआती अवस्था में पेनकिलर्स का इस्तेमाल, मरहम या जेल, गर्म पानी से सिकाई या मालिश करना, सपोर्टिंग उपकरण और व्यायाम कराए जाते हैं। इसके अलावा रोगी को कुछ विशिष्ट कॉन्डोजेनिक मेडिसिन्स (कार्टिलेज का पुनर्निर्माण करने वाली दवाएं) दी जाती हैं।

सर्जिकल इलाज- रोग की शुरुआती अवस्था में आर्थोस्कोपिक प्रक्रियाओं जैसे ज्वाइंट डिब्राइडमेंट (जोड़ के अंदर पालिश करना)आदि से कुछ हद तक राहत मिलती है।

हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी - अगर रोग का प्रकोप गंभीर अवस्था में नहीं हैं, तो और मरीज की उम्र लगभग 50 या 55 से कम है, तो इस स्थिति में हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी से राहत मिल जाती है और इस प्रकार जोड़ प्रत्यारोपण की संभावना स्थगित हो जाती है।

अंतिम कारगर इलाज - जब इलाज के उपर्युक्त विकल्पों से ऑस्टियो-अर्थराइटिस से ग्रस्त व्यक्तियों को राहत नहीं मिलती, तो इस स्थिति में पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण (टोटल ज्वाइंट्स रिप्लेसमेंट) किया जाता है। ऐसे प्रत्यारोपण में प्रमुख रूप से घुटने और कूल्हे के प्रत्यारोपण को शामिल किया जाता है। घुटना (नी)और कूल्हा (हिप) प्रत्यारोपण के क्षेत्र में नवीनतन तकनीकों से युक्त ऐसे कृत्रिम घुटने व कृत्रिम कूल्हे आ चुके हैं, जो कुदरती स्वस्थ घुटने व कूल्हे की तरह ही कार्य करते हैं।

बच्चों और किशोरों में अर्थराइटिस

लगभग 6 महीने से 18 वर्ष तक के हर 250 बच्चों या किशोरों में से एक बच्चा या किशोर किसी न किसी प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस)से पीड़ित है। बच्चों को प्रभावित करने वाली गठिया लगभग 16 प्रकार की होती है, परन्तु इनमें से मुख्य रूप से जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस, यूमैटिक अर्थराइटिस,इंट्रो-अर्थराइटिस, एक्यूट ट्राजिएंट अर्थराइटिस, सेप्टिक अर्थराइटिस, ट्यूबरकुलर अर्थराइटिस आदि मुख्य रूप से बच्चों और किशोरों को प्रभावित करते हैं। इलाज द्वारा इन रोगों पर इस हद तक काबू पाना कि वह बच्चे की पढ़ाई या रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा न बने अपने आप में एक चुनौती है।

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस गठिया से प्रभावित लगभग 10 प्रतिशत बच्चों में पाया जाता है। हर 1000 बच्चों में से एक बच्चा इससे प्रभावित होता है। भारत में लगभग 15 लाख बच्चे इससे पीड़ित हैं। आम तौर पर यह अर्थराइटिस 16 वर्ष की आयु से पहले कभी भी हो सकता है। यह रोग शरीर के रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होता है। लगभग 60 प्रतिशत प्रभावित बच्चों में इसका सीधा संबंध माइकोप्लाज्मा नामक जीवाणु से माना जाता है।

लक्षण

- एक या एक से अधिक जोड़ों में दर्द और सूजन का होना।
- बुखार आना।
- आंखों में सूजन और लालिमा का होना।
- उपर्युक्त लक्षण छह हफ्ते से लेकर तीन महीने तक कायम रह सकते हैं।
- रक्त में हीमोग्लोबिन का कम होना और व्हाइट ब्लड सेल्स ज्यादा पायी जाती हैं।

इलाज- यदि जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस का विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा समय से इलाज कराया जाए, तो जोड़ों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। ज्यादातर बच्चों को सूजन की दवाओं के अतिरिक्त डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देनी पड़ती हैं।

यूमैटिक अर्थराइटिस- यूमैटिक अर्थराइटिस की शुरुआत गला खराब करने वाले स्ट्रेप्टोकॉकल नामक जीवाणुओं द्वारा होती है। इसलिए इसे पोस्ट-स्ट्रेप्टोकॉकल अर्थराइटिस भी कहते हैं। अक्सर यह अर्थराइटिस यूमैटिक फीवर के साथ शुरू होती है और कभी-कभी इससे हृदय भी प्रभावित होता है, जिसे यूमैटिक हार्ट डिजीज के नाम से जाना जाता है। इस रोग की जांचों में ए. एस. ओ. टाइटर का बढ़ा होना, ई. एस. आर. और सी. आर. पी. का बढ़ा होना पाया जाता है। इसमें 16 से 17 वर्ष की उम्र तक इलाज कराना पड़ता है।

बच्चों और किशोरों में तीसरे प्रकार की गठिया स्पॉन्डिलोआर्थो पैथी समूह से संबंधित है और यह भी शरीर के रोगप्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होती है। आम तौर पर इस प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस) में मेरुदंड (स्पाइनल कॉर्ड) और हाथ व पैर के बड़े जोड़ प्रभावित होते हैं। इसमें भी विशेष प्रकार की इम्यूनो-मॉड्यूलेटर दवाओं की आवश्यकता होती है।

हिप अर्थराइटिस को हराएं

जब कूल्हे के जोड़ में दर्द की समस्या उत्पन्न हो जाए और कूल्हे की गतिविधि (मूवमेंट) में लगातार दिक्कत महसूस हो, तो इस स्थिति को सामान्य भाषा में कूल्हे (हिप) की अर्थराइटिस कहा जाता है।

देश में घुटने की अर्थराइटिस के मामले ज्यादा सामने आते हैं, लेकिन संपन्न विकसित देशों में कूल्हे की अर्थराइटिस के मामले घुटने की अर्थराइटिस से कहीं ज्यादा सामने आते हैं। इसके बावजूद यह भी सच है कि देश में युवा वर्ग के लोग भी कूल्हे की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। जो युवक शराब का नियमित रूप से सेवन करते हैं, उनके कूल्हे की हड्डी में रक्त का संचार (सर्कुलेशन) कम होने लगता है और धीरे-धीरे कूल्हा कमजोर होने लगता है। इस समस्या को एवैस्कुलर नेक्रोसिस कहा जाता है।

कारण

कूल्हे की अर्थराइटिस के लिए पांच कारण प्रमुख रूप से जिम्मदार हैं..

- एवैस्कुलर नेक्रोसिस की समस्या।
- पोस्ट ट्रॉमेटिक अर्थराइटिस(कूल्हे की हड्डी में चोट लगने के कारण)।
- एनकाइलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण।
- यूमैटाइड अर्थराइटिस।
- टी.बी. के संक्रमण का दुष्प्रभाव।

लक्षण

- कूल्हे में दर्द का बरकरार रहना।
- चाल में लंगड़ाहट।
- पाल्थी मारने में विफल रहना।
- चलने फिरने की क्षमता का कम होना।

जांचे- एक्सरे और जरूरत पड़ने पर सीटी स्कैन और एमआरआई।

इलाज - अगर पीड़ित व्यक्ति का मर्ज शुरुआती स्थिति में है, तो उसे दवाएं लेने, फिजियोथेरेपी कराने और आराम करने की सलाह दी जाती है। जब अन्य चिकित्सकीय उपचार विफल हो जाते हैं, तब कूल्हे का प्रत्यारोपण (हिप रिप्लेसमेंट) ही एकमात्र कारगर विकल्प होता है। ऐसा प्रत्यारोपण लगभग 100 फीसदी सुरक्षित है। नवीनतम तकनीकों से तैयार हुए कृत्रिम कूल्हे अब काफी हद तक कुदरती स्वस्थ कूल्हे की तरह कार्य करते हैं। प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग ले सकता है।

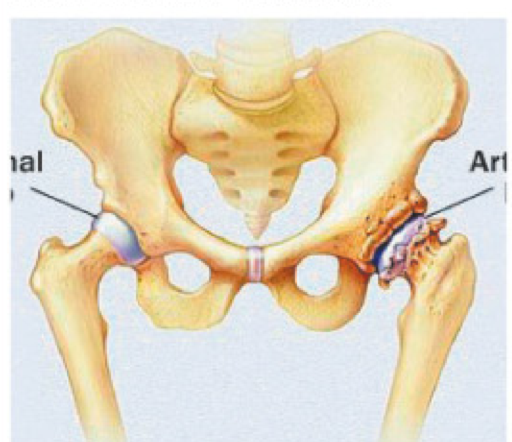

इस्कीमिक स्ट्रोक

लापरवाही बन सकती है जानलेवा

हाई ब्लडप्रेशर, मधुमेह (डाइबिटीज) के साथ अनियमित दिनचर्या और तनाव के कारण जीवन-शैली से संबंधित रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे रोगों के बीच स्ट्रोक या ब्रेन अटैक शायद सबसे घातक है, लेकिन दुख की बात है कि लगातार इसके भयानक परिणाम बढ़ते जा रहे हैं।

इस्कीमिक स्ट्रोक की स्थिति

इस स्ट्रोक का अटैक रक्त प्रवाह ब्लड सर्कुलेशन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण होता है। स्ट्रोक के कारण कुछ मस्तिष्क कोशिकाएं तुरंत ही मृत हो जाती हैं। स्ट्रोक के बाद मस्तिष्क का कुछ भाग ऐसा होता है, जो कार्य नहीं कर रहा होता है, लेकिन यह पूरी तरह से मृत भी नहीं होता है। इस स्थिति में यदि शीघ्र ही मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति की जाए, तो मस्तिष्क के इस भाग को बचाकर मरीज की स्ट्रोक से रिकवरी संभव है।

लक्षण- ब्रेन अटैक के लक्षणों को अंग्रेजी शब्द- फास्ट से सरल रूप से समझा जा सकता है।

एफ- फेस ड्रूपिंग यानी चेहरे का एक तरफ से लटक जाना या सुन्न हो जाना।

ए- आर्म वीकनेस यानी हाथों में अचानक सुन्नपन। यदि व्यक्ति से दोनों हाथों को उठाने के लिए कहा जाएगा, तो उसका एक हाथ नीचे की तरफ झुका रहेगा।

एस - स्पीच डिफिकल्टी यानी बोलने या समझने में अचानक दिक्कत।

टी- टाइम यानी बिना देरी किए शीघ्र ऐसे अस्पताल पहुंचें, जहां पर स्ट्रोक का इलाज संभव हो।

फास्ट के अतिरिक्त ये लक्षण जिन्हें जानना जरूरी है- अचानक दोनों आंखों से स्पष्ट देखने में तकलीफ

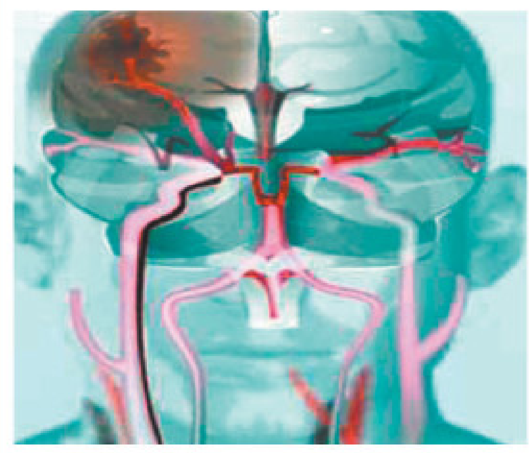

होना। अचानक से चलने या बैलेंस करने में परेशानी। चक्कर आना। अचानक बिना कारण सिर में तेज दर्द होना।

उपचार- इस्कीमिक स्ट्रोक में उपचार के अंतर्गत एक छोटे ट्यूब (कैथेटर) को पैर की खून की नली (धमनी या आर्टरी) के मार्ग से मस्तिष्क तक ले जाया जाता है। रक्त के जिस क्लॉट ने मस्तिष्क को रक्त पहुंचाने वाली नली को अवरुद्ध किया होता है, उसे एक विशेष विधि से मस्तिष्क से बाहर निकाल देते हैं। इस प्रक्रिया के बाद मस्तिष्क में रक्तसंचार सामान्य हो जाता है। इस कारण मरीज शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ करता है।

निरोग रहने के लिए क्या करें

- सिर को गर्मी से, छाती को सर्दी से तथा आंखों को तेज हवा, धूल-मिट्टी, धुएं और तेज रोशनी से बचाकर रखें।
- कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधनों (कास्मैटिक्स, मेकअप) का प्रयोग न करें, क्योंकि ये त्वचा के रोमछिद्रों को बंद करके त्वचा को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- मल, मूत्र, उल्टी, छींक, डकार, भूख, प्यास आदि वेगों को कभी न रोकें, क्योंकि इन्हें रोकने से रोग उत्पन्न होते हैं।
- गर्म भोजन करने के बाद, दूध पीने के बाद, खीरा, तरबूज, खरबूजा और ककड़ी खाने के बाद, सो कर उठने के तुरंत बाद तथा अधिक शारीरिक परिश्रम के तुरंत बाद पानी न पिएं।
- मन में कामुक विचार न लाएं, कामुक चिंतन से बचें।
- हमेशा सभी के लिए मन में शुभ विचार रखें, हमेशा मुस्कुराते रहें।
- हर परिस्थिति में शांत, सहज बने रहें, हमेशा प्रसन्नचित रहें।
- कोई भी कार्य जल्दबाजी में न करें। ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।
- ज्यादा ऊंची हील वाले चप्पल-जूते न पहनें, ये स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं।
- हमेशा ढीले-ढाले वस्त्र पहनें,अत्यधिक तंग वस्त्र शरीर के अंगों पर अनावश्यक दबाव डालते हैं।
- कड़े बिस्तर पर सोएं, बिस्तर अत्यधिक मुलायम और गद्देदार नहीं होना चाहिए।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को सदा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है किन्तु नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया हेतु विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नवीन शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का निम्न रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

उच्च रक्तचाप - मनुष्य के रक्तचाप पर कई चीजों का प्रभाव पड़ता है। शरीर का वजन, शारीरिक गतिविधि, नमक व पारिवारिक पृष्ठभूमि का रक्तचाप पर प्राय- प्रभाव पड़ता है किन्तु अब शोधों से पता चला है कि शरीर में कैल्शियम की कमी से आयु के साथ रक्तचाप में भी प्रभाव पड़ता है।

1997 में अमरीका में पाया गया है कि कम वसा वाले दूध, फल और सब्जियों के नियमित प्रयोग से (जिसमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम हो) रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। यह नहीं कि कैल्शियम के साथ नमक अधिक लिया जाए किन्तु अधिक नमक और कम कैल्शियम खाने वाले व्यक्ति में उच्च रक्तचाप की संभावना बढ़ जाती है।

डा. डेविड मैकरोन के अनुसार कम नमक वाले भोजन के स्थान पर दूध से बने पदार्थ उच्च रक्तचाप को काबू करने में अधिक प्रभावशाली हैं। उनके अनुसार अधिकतर बच्चे कैल्शियम की सही मात्रा नहीं लेते क्योंकि वे दूध, फल और सब्जी का सही मात्रा में सेवन नहीं करते।

कैंसर - हमारे शरीर में बहुत से सैल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं । पेट के अंदर ऐसे सैल प्राय- 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सैल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमरीकन मैडीकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सैलों में बढ़ौतरी ठीक हो गई।

मासिक धर्म - प्राय- महिलाओं को मासिक धर्म प्रारंभ होने से पूर्व कई तकलीफें होती हैं। सूसन थाई जैकब के अनुसार इसके लिए भी कैल्शियम की कमी ही उत्तरदायी है। उन्होंने 466 महिलाओं को 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिया और पाया कि अधिकतर महिलाओं की तकलीफें 48 प्रतिशत कम हो गई। उनको होने वाली दर्द में भी कमी हुई।

यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिलीलीटर गाय के दूध में 288 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसके अतिरिक्त गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी और मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।